राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 5 अंक 45

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, रविवार, 25 जुलाई, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14

कुल वजन उठाया 202 किग्रा

स्नैच 87 किग्रा

क्लीन एंड जर्क 115 किग्रा

ऐसे भव्य खेल आयोजन की इससे सुखद शुरुआत नहीं हो सकती थी। मीराबाई चानू के शानदार प्रदर्शन से भारत उत्साहित है। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



मैं पिछले पांच वर्षों से इसका सपना देख रही थी। इस समय मुझे खुद पर गर्व महसूस हो रहा है। मैंने स्वर्ण पदक की कोशिश की, लेकिन रजत पदक भी मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। मैं अपने परिवार में विशेषकर अपनी मां को धन्यवाद करना चाहूंगी। -मीराबाई चानू

सफलतापूर्वक वजन उठाने के बाद खुश मीराबाई • प्रेट्र

चानू की चांदी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : 32वें ओलिंपिक खेलों के दूसरे और पदक मुकाबलों के पहले दिन भारतीय भारोत्तोलक साईखोम मीराबाई चानू ने देश को पहला रजत पदक दिलाया। ओलिंपिक इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब पदक मुकाबलों के पहले ही दिन भारत ने खाता खोला। भारत का नाम पदक तालिका में कुछ देर तक दूसरे स्थान पर भी रहा।

अपने साथ भगवान हनुमान और शिव जी की मूर्ति टोक्यो लेकर जाने वाली मीराबाई के पदक जीतते ही देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। 49 किग्रा भार वर्ग में चार फुट 11 इंच की मीराबाई ने 202 (87 किग्रा +115 किग्रा) किग्रा का कुल वजन उठाने के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। स्नैच में मीराबाई ने दूसरे प्रयास में 87 और क्लीन एंड जर्क में 115 किलो वजन उठाया। चीन की होऊ जिहुई ने 210 किग्रा (94+116) से स्वर्ण पदक जीता, जबकि इंडोनेशिया की ऐसाह विंडी कांटिका ने 194 किग्रा (84 +110) उठाकर कांस्य पदक जीता।

संबंधित खबरें » पेज-12

21 साल बाद मीराबाई ने भारत को भारोत्तोलन में दिलाया पदक, इससे पहले 2000 सिडनी ओलिंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने कांस्य पदक जीता था

- भारत को भारोत्तोलन में रजत पदक दिलाने वाली पहली महिला बनीं मीराबाई चानू, जबकि ओलिंपिक की किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में पीवी सिंधू (2016 रजत पदक बैडमिंटन) के बाद रजत पदक दिलाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं मीराबाई

2016 रियो ओलिंपिक में पदक नहीं जीत सकी थीं मीराबाई

- टोक्यो ओलिंपिक का पहला स्वर्ण चीनी निशानेबाज यांग कियान ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता

भारत की जीत

29 साल बाद टेबल टेनिस में पहला दौर जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं मनिका बत्रा। सुतीर्था मुखर्जी ने भी दर्ज की जीत

25 साल बाद ओलिंपिक के पहले दौर में जीतने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी बने सुमित नागल, उन्होंने उज्बेकिस्तान के डेनिस इस्तोमिन को हराया

बैडमिंटन में सात्विकसाईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची लिन वान और यांग ली को हराया

मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय पुरुष हाकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की

निराशाजनक प्रदर्शन

- तीरंदाजी मिक्स्ड टीम स्पर्धा में हारी दीपिका-प्रवीण की जोड़ी
- जूडोका सुशीला पहले मैच में हारी
- टेबल टेनिस मिक्स्ड डबल्स में मनिका बत्रा-शरत कमल हारे
- मुक्केबाजी विकास कृष्ण 69 किग्रा भार वर्ग में पहले ही मैच में हारे
- 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवें स्थान पर रहे सौरभ चौधरी, अभिषेक वर्मा ने किया निराश, 10 मीटर एयर राइफल में अपूर्वी, इलावेनिल भी हारीं
- बैडमिंटन की सिंगल्स स्पर्धा के पहले ही दौर में हारे बी साई प्रणीत
- महिला हाकी टीम 1-5 से हारी

रविवार विशेष

खाकी ने सामाजिक सरोकार सिखाकर दिलाया रोजगार



नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने अपराध के दलदल में फंसे व आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को स्वास्थ्यकर्मी का प्रशिक्षण दिलाकर रोजगार भी मुहैया कराया। एक हजार से अधिक को प्रशिक्षित किया गया है। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय राजधानी › पृष्ठ 2

अनलाक आठ : दिल्ली में आज से कई और रियायतें

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली के लोगों को सोमवार से कई और रियायतें मिलने जा रही हैं। 26 जुलाई से मेट्रो और बसें पूरी क्षमता से सड़कों पर चलेंगी। 50 फीसद क्षमता के साथ थिएटर और मल्टीप्लेक्स भी खुलेंगे। इसके अलावा शादी एवं अंतिम संस्कार में भी अब 100 लोग शामिल हो सकेंगे। दिल्ली जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

कोरोना से जंग › पृष्ठ 6

सीआइएससीई बोर्ड के 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित

नई दिल्ली : काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआइएससीई) ने आइसीएसई (10वीं) और आइएससी (12वीं) कक्षा के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी है। 10वीं में 99.98 और 12वीं 99.76 फीसद विद्यार्थी पास हुए हैं। कोरोना महामारी के कारण इस साल परीक्षाएं आयोजित नहीं हुई थीं, इसलिए इवैल्यूएशन पालिसी के आधार पर परिणाम तैयार किया गया है।

बिजनेस › पृष्ठ 7

आर्थिक विकास के लिए भारतीय माडल जरूरी : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली : मुकेश अंबानी का मानना है कि भारत में तीन दशक में हुए आर्थिक सुधारों का लाभ सभी नागरिकों को नहीं मिला है। सबसे निचले तबके के आर्थिक विकास के लिए भारतीय माडल जरूरी है। उन्होंने कहा, 2047 में हम आजादी के सौ साल का जश्न मनाएंगे। इससे बड़ा सपना क्या होगा कि उस समय तक हम अमेरिका और चीन के समकक्ष होंगे

सीबीआइ ने दो आइएएस अफसरों के ठिकानों समेत 40 जगहों पर मारे छापे

फर्जी गन लाइसेंस मामला › जम्मू-कश्मीर के छह जिलों के साथ दिल्ली में भी दबिश

जागरण संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर बनाए गए फर्जी गन लाइसेंस मामले में सीबीआइ ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान प्रदेश के छह जिलों और दिल्ली समेत 40 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की। इनमें दो भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अधिकारी, छह एडीशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (एडीएम), कश्मीर प्रशासनिक सेवा (केएएस) से सेवानिवृत्त अधिकारी के आवास व कार्यालयों के अलावा कई गन डीलरों के यहां भी जांच की गई। जम्मू-कश्मीर के जनजातीय मामलों के सचिव डा. शाहिद इकबाल चौधरी के जम्मू के बाहरी इलाके भठिंडी और श्रीनगर के तुलसीबाग में स्थित सरकारी निवास पर दबिश दी गई। इसके अलावा दिल्ली स्थित एडिशनल रेजीडेंट कमिश्नर नीरज कुमार के घर और दफ्तर में भी छापे मारे गए। इस दौरान सीबीआइ ने कई महत्वपूर्ण रिकार्ड व दस्तावेज जब्त किए हैं।

आरोप है कि जम्मू-कश्मीर के कई जिलों के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) ने गन डीलरों के साथ मिलकर उन लोगों के नाम भी गन लाइसेंस जारी कर दिए, जो जम्मू-कश्मीर के निवासी ही नहीं हैं। इस बारे में एसएसपी सरगुन शुक्ला से संपर्क किया गया तो उन्होंने सीबीआइ की छापेमारी की जानकारी न होने की बात कही।

छह एडीसी और केएएस के सेवानिवृत्त अधिकारी के ठिकानों पर भी की गई जांच

कई महत्वपूर्ण रिकार्ड और दस्तावेज जब्त किए, वर्ष 2012-16 के बीच 2.78 लाख लाइसेंस हुए थे जारी

मामले में पहले भी कई नौकरशाहों से हो चुकी है पूछताछ, अभी तक 50 की हो चुकी गिरफ्तारियां



सीबीआइ ने शनिवार को श्रीनगर के इसी तुलसीबाग क्षेत्र में स्थित जम्मू कश्मीर के जनजातीय मामलों के सचिव डा. शाहिद इकबाल चौधरी के सरकारी निवास पर दबिश दी। जागरण

बतौर डीएम मेरे कार्यकाल में हुए कामकाज के प्रति मैं जवाबदेह हूं। सीबीआइ के अधिकारियों ने जो पूछा है, मैंने उसके बारे में जानकारी दी है। भविष्य में भी जांच में सहयोग करूंगा। - डा. शाहिद इकबाल चौधरी, जनजातीय मामलों के सचिव



डीलरों की नौकरशाहों से संलिप्तता सामने आई

सीबीआइ प्रवक्ता ने कहा, केएएस से सेवानिवृत्त शब्बीर अहमद भट (राजौरी के पूर्व डीसी) के श्रीनगर स्थित घर व छह अतिरिक्त डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के आवास पर भी छापे मारे गए। भट वर्ष 2016-17 में पुंछ, कुपवाड़ा, बांडीपोरा, बारामुला जिले में सेवाएं दे चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में हुए इस फर्जीवाड़े से जुड़े दस्तावेजों को जब्त किया गया है, जिनसे पता चला है कि कुछ डीलरों की नौकरशाहों से संलिप्तता है। इनमें पैसों का लेनदेन भी हुआ है। इस मामले में अभी तक 50 गिरफ्तारियां हुई हैं। एटी टेरर स्क्वाड के अनुसार, 3000 लाइसेंस सैन्य कर्मियों को जारी हुए हैं।

पहले भी नौकरशाहों से हो चुकी है पूछताछ

इस मामले में अभी तक सीबीआइ कुपवाड़ा जिले के दो पूर्व जिला मजिस्ट्रेट आइएएस अधिकारी राजीव रंजन और इतरत हुसैन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है। राजीव रंजन निलंबित होने के बाद फिर से बहाल हो चुके हैं, जबकि इतरत हुसैन सेवानिवृत हो गए हैं। इसके अलावा दो साल पहले 2019 को सीबीआइ ने जम्मू-कश्मीर के दो आइएएस और छह कश्मीरी प्रशासनिक सेवा (केएएस) अधिकारियों के घरों और कार्यालयों में भी दबिश देकर रिकार्ड जांचा था।

यह है पूरा मामला

जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2012-16 के दौरान कई जिलों के डीसी ने नियमों को ताक पर रखकर 2.78 लाख गन लाइसेंस जारी किए। आरोप है कि अफसरों ने रिश्वत लेकर अन्य राज्यों के प्रभावशाली लोगों व जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी दे चुके सुरक्षाकर्मियों को लाइसेंस दे दिए। कुछ जिलों में तो बैक डेट पर लाइसेंस जारी किए गए। इन लाइसेंस का कोई डिजिटल रिकार्ड तक नहीं है। राजस्थान की एंटी टेरर स्क्वाड ने 2017 में मामले का पर्दाफाश किया था। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल एनएन वोहरा ने सीबीआइ को यह मामला सौंपा था।

एलजी ने दिल्ली कैबिनेट का फैसला खारिज किया

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी में गणतंत्र दिवस पर प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा व पिछले साल हुए दंगों के मामलों में लोक अभियोजकों (वकीलों) के पैनल बनाने को लेकर रार बढ़ गई है। उपराज्यपाल (एलजी) अनिल बैजल ने दिल्ली सरकार के फैसले को खारिज कर ते हुए इस संबंध में भेजी गई उसकी फाइल को राष्ट्रपति के विचारार्थ केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी है। पिछले सप्ताह दिल्ली मंत्रिमंडल ने वकीलों के पैनल पर पुलिस के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था और अपने पैनल को सही बताया था। उसके बाद फाइल उपराज्यपाल के पास अनुमति के लिए भेज गई थी।

सूत्रों के मुताबिक, एलजी के कार्यालय और दिल्ली सरकार के बीच मत भिन्नता की वजह से मामला राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखा गया है। उपराज्यपाल कार्यालय ने इस मामले में दिल्ली पुलिस के बनाए पैनल की सिफारिश की है। इसमें कहा गया है कि गणतंत्र दिवस के दिन हुई हिंसक घटनाओं के मामले में 11 और उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मामलों में तीन अन्य विशेष लोक अभियोजक तत्काल नियुक्त किए जाएं। ज्ञात हो, अप्रैल में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन (संशोधन) अधिनियम 2021 के प्रभाव में आने के बाद यह पहला मौका है, जब एलजी ने किसी मामले को राष्ट्रपति के पास भेजा है। इस कानून के मुताबिक, दिल्ली सरकार को किसी भी निर्णय में एलजी की राय लेनी होगी।

एक साल में दूसरी बार टकराव पेज»2

वकीलों के पैनल पर रार

- उपराज्यपाल कार्यालय ने राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजी फाइल
- दिल्ली मंत्रिमंडल ने पुलिस के प्रस्ताव को कर दिया था खारिज



अनिल बैजल। फाइल/इंटरनेट मीडिया

ऐसे बढ़ी तनातनी

- गणतंत्र दिवस पर हिंसा के मामलों में वकीलों के पैनल पर फैसला लेने के लिए एलजी ने कुछ दिन पहले ही दिल्ली सरकार को पत्र लिखा था।
- एलजी ने कहा था कि जांच पुलिस कर रही है। ऐसे में पैरवी के लिए उसके वकीलों के पैनल को मंजूरी देना ठीक रहेगा।
- इससे पहले एलजी ने दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन के साथ आनलाइन बैठक में कहा था कि वकीलों के पैनल का वह फिर से गठन करेंगे।
- वहीं दिल्ली सरकार ने कहा था कि इस मामले में उसका बनाया पैनल ठीक से काम कर रहा है।

सितंबर से बच्चों को लगने लगेगी वैक्सीन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने उम्मीद जताई है कि आगामी सितंबर से बच्चों को कोरोना का टीका लगना शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद पूरी निगरानी के साथ जिन इलाकों में संक्रमण दर कम है, वहां स्कूल खोले जा सकते हैं।

डा. गुलेरिया ने शनिवार को कहा कि बच्चों के लिए, भारत बायोटेक के टीके कोवैक्सीन का ट्रायल अंतिम चरण में है। इसके नतीजे सितंबर तक आने की उम्मीद है। एम्स निदेशक ने कहा कि अहमदाबाद स्थित दवा कंपनी जायडस कैडिला ने अपनी कोरोना रोधी वैक्सीन जायकोव-डी के लिए इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मांगी है। कंपनी ने इसके लिए बच्चों पर किए गए परीक्षण के आंकड़े भी उपलब्ध कराए हैं। जायडस कैडिला ने 12-18 साल के बच्चों पर परीक्षण किया है। भारत के दवा महानियंत्रक (डीसीजीआइ) द्वारा जल्द ही इस पर फैसला लिया जाएगा। ऐसे में उम्मीद है कि सितंबर में बच्चों को कोरोना का टीका लगना शुरू हो जाएगा।

तीन चरणों में चल रहा ट्रायल : बता दें कि एम्स में बच्चों के टीके का तीन चरणों में ट्रायल चल रहा है। इसमें सबसे पहले 12 से 18 फिर छह से 12 और अंत में दो से छह वर्ष की उम्र के बच्चों को कोवैक्सीन की डोज दी गई है। एम्स में टीके के ट्रायल के मुख्य जांचकर्ता प्रो. संजय राय ने बताया कि दो से छह साल के बच्चों को अगले हफ्ते कोवैक्सीन की दूसरी डोज दी जाएगी। वहीं, 12 से 18 और छह से 12 साल के बच्चों को टीके की दोनों डोज पहले ही दी जा चुकी है।

- एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने कहा, सितंबर में कोवैक्सीन का ट्रायल पूरा होने पर शुरू हो जाएगा टीकाकरण
- इसके बाद पूरी निगरानी के साथ कम संक्रमण वाले क्षेत्रों में खोले जा सकेंगे स्कूल



फाइजर और माडर्ना से भी चल रही बात

डा. गुलेरिया ने कहा, 'भारत सरकार टीके की खरीद के लिए माडर्ना व फाइजर कंपनियों से चर्चा कर रही है। दो-तीन चीजों को ध्यान में रखने की जरूरत है। इन कंपनियों ने कई और देशों से भी पहले से टीके के आर्डर ले रखे हैं। इसलिए सरकार को इतनी जल्दी पर्याप्त डोज नहीं मिल सकती। किसी तरह के प्रतिकूल प्रभाव पर क्षतिपूर्ति से छूट का प्रावधान भी शामिल है, जिस पर बातचीत चल रही है।

ठीक हुए मरीजों से ज्यादा मिले नए केस, कोरोना के सक्रिय मामले बढ़े पेज»6

उत्तर प्रदेश में 15 अगस्त से 217 शहरों में मिलेगी फ्री वाईफाई की सुविधा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राज्य के 217 शहरों में फ्री वाईफाई की सुविधा देने जा रही है। इसमें 17 नगर निगमों के साथ ही सभी 75 जिला मुख्यालय शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर विकास विभाग मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने की मुहिम में जुट गया है।

नगर विकास विभाग ने मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और नगर आयुक्तों को भेजे निर्देश में कहा है कि सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा मुहैया कराने के लिए हाटस्पाट चिन्हित किए जाएं। विभाग 15 अगस्त से हर शहर के बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, तहसील, कचहरी, रजिस्ट्रार दफ्तर तथा मुख्य बाजारों में मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी कर रहा है।

भाजपा के संकल्प पत्र में भी मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने का उल्लेख था। प्रदेश में जब योगी सरकार बनी तो लखनऊ समेत कई शहरों के प्रमुख स्थलों पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। मुख्यमंत्री ने इस योजना को अब सभी जिला मुख्यालयों, नगर पालिका परिषदों व 17 नगर निगमों के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर शुरू करने का फैसला किया है। योजना के अनुसार बड़े शहरों में दो स्थानों व छोटे शहरों में एक स्थान पर मुफ्त वाईफाई की सुविधा दी जाएगी। इसमें लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, बरेली, सहारनपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, अयोध्या, मेरठ, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, मथुरा-वृंदावन, फीरोजाबाद के अलावा नगर पालिका परिषद के शहरों में भी यह सुविधा दी जाएगी।

इसके लिए नगरीय निकाय इंटरनेट कंपनियों से करार करेंगे। वाईफाई में इंटरनेट की स्पीड पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। नगर आयुक्तों व अधिशासी अधिकारियों से कहा गया है कि स्मार्ट सिटी परियोजना या नगरीय निकाय अपने स्रोत से इसका खर्च उठाएंगे। निकायों से कहा गया है कि सुविधा देने की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। सरकार का मानना है कि इस सुविधा से लोग जरूरतों के आधार पर किसी भी स्थान पर बैठकर अपना काम कर सकेंगे।

17 नगर निगमों सहित सभी बड़े शहरों को योजना में किया शामिल

तकनीक का कमाल

पेगासस बनाने वाली कंपनी एनएसओ ने किया अपने साफ्टवेयर का बचाव, छिपाई गई सूचनाओं का पता लगाकर आतंकी घटनाओं को रोकती हैं एजेंसियां

पेगासस जैसी तकनीक के कारण लाखों लोग सोते हैं चैन की नींद

यरुशलम, प्रेट्र : निगरानी साफ्टवेयर पेगासस को लेकर चल रहे विवादों के बीच इजराइल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ ग्रुप ने अपना बचाव किया है। कंपनी ने कहा है कि खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के पास ऐसी तकनीक उपलब्ध होने के कारण ही दुनिया में लाखों लोग रात में चैन की नींद सो पाते हैं और सड़कों पर सुरक्षित निकलते हैं।

भारत समेत कई देशों में पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, नेताओं और अन्य लोगों की जासूसी करने के लिए पेगासस के कथित इस्तेमाल ने निजता से संबंधित मुद्दों पर चिंता उत्पन्न कर दी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ का कहना है कि इजराइली कंपनी द्वारा विभिन्न सरकारों को बेचे गए स्पाइवेयर के जरिये नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों समेत अन्य लोगों को निशाना बनाया गया। एनएसओ के एक प्रवक्ता ने दावा किया, इस तरह की तकनीक से खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों एप के तहत छिपाई गई सूचनाओं का पता लगाकर अपराध, आतंकवादी घटनाओं को रोक पाती हैं।

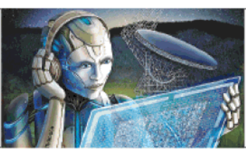
कंपनी ने कहा, दुनिया में कई अन्य साइबर खुफिया कंपनियों के साथ एनएसओ सरकारों को साइबर सुरक्षा उपकरण मुहैया कराती है, क्योंकि कानून लागू करने वाली एजेंसियों के पास पुख्ता प्रणाली नहीं होती और मैसेजिंग तथा इंटरनेट मीडिया पर संदिग्ध सामग्रियों की निगरानी के लिए नियामकीय समाधान नहीं है।

साफ्टवेयर के दुरुपयोग को लेकर पहली बार भारत में यह मुद्दा सामने आने पर एनएसओ ने अक्टूबर 2019 में प्रेट्र को एक लिखित जवाब में कहा था कि अनुबंध के तहत गंभीर अपराध और आतंकवाद को रोकने के सिवा किसी अन्य मामले में हमारे उत्पाद के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है।

भारत को साफ्टवेयर बेचे जाने की पुष्टि या खंडन किए बिना कंपनी ने कहा था कि उसके उत्पादों को सरकारी खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को लाइसेंस पर दिया जाता है। इसका एकमात्र उद्देश्य आतंकवाद और गंभीर अपराध को रोकना और जांच करना है।

डाटा नहीं देखती कंपनी

एनएसओ के प्रवक्ता ने कहा, कंपनी तकनीक का संचालन नहीं करती है और न ही हमारे पास एकत्र किए गए डाटा को देखने की सुविधा है। उन्होंने कहा, हम एक सुरक्षित दुनिया बनाने में मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।



लाइसेंस देने की होगी समीक्षा

नवीनतम विवाद के बीच इजराइल ने एनएसओ ग्रुप के निगरानी साफ्टवेयर के दुरुपयोग के आरोपों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है और लाइसेंस देने के पूरे मामले की समीक्षा का संकेत दिया है।

बंगाल में वीआइपी सूची से राज्यपाल और विपक्ष के नेता का नाम गायब

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल सरकार ने वाहनों पर लाल और नीली बत्ती (बीकन लाइट) के अवैध दुरुपयोग को रोकने के लिए उन वीआइपी व अफसरों की एक नई सूची जारी की है जो अपनी कारों के ऊपर इसे लगाने के पात्र हैं। परिवहन विभाग द्वारा जारी इस सूची से राज्यपाल जगदीप धनखड़, राज्य विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी, कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, विस अध्यक्ष और राज्य के महाधिवक्ता का नाम इस सूची में शामिल नहीं है।

2014 में जब इसी तरह की सूची जारी की गई थी तो राज्यपाल का नाम सबसे ऊपर किया गया था। विस विपक्ष, मुख्य न्यायाधीश का नाम भी शामिल था।

परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, दरअसल मौजूदा राज्यपाल जगदीप धनखड़ और ममता सरकार के बीच टकराव किसी से छिपा नहीं है। वहीं, विधानसभा चुनाव से पूर्व तृणमूल कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले सुवेंदु अधिकारी के साथ भी ममता का टकराव चरम पर है। अधिकारी ने कहा, विपक्ष के नेता होने के नाते सुवेंदु निश्चित रूप से बीकन लाइट के इस्तेमाल के हकदार हैं, क्योंकि उनका पद कैबिनेट मंत्री के बराबर का है। राज्य के सभी मंत्रियों को बीकन लाइट के उपयोग की अनुमति है।

- सरकार ने बीकन लाइट का दुरुपयोग रोकने के लिए जारी की है नई सूची

66 नए मामले आए कोरोना संक्रमण के शनिवार को दिल्ली में। 76 हजार 308 सैंपल की जांच हुई। इनमें से 0.09 फीसद सैंपल पाजिटिव पाए गए। 52 मरीज ठीक हुए। मरीजों के ठीक होने की दर 98.21 और मृत्यु दर 1.74 फीसद पर स्थिर है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 25 जुलाई, 2021

मेट्रो और बसों में अब सभी सीटों पर बैठने की अनुमति

अनलाक आठ में मिली लोगों को और राहत

खड़े होकर सफर करने की फिलहाल नहीं मिली है अनुमति

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली

राजधानी में बसों और मेट्रो में सफर करने वालों को अनलाक आठ में बड़ी राहत मिली है। सोमवार से मेट्रो और बसों में सभी सीटों पर बैठक यात्री सफर कर सकेंगे। अभी तक यात्री एक सीट छोड़कर बैठ रहे थे। हालांकि खड़े होकर सफर करने की फिलहाल अनुमति नहीं मिली है। इसके अलावा शादी एवं अंतिम संस्कार में भी अब 100 लोग शामिल हो सकेंगे। अभी तक अंतिम संस्कार में 20 जबकि शादी समारोह में 50 लोगों को शामिल होने की अनुमति थी।

दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथारिटी (डीडीएमए) की ओर से मुख्य सचिव विजय देव ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है। इसमें कहा है कि मेट्रो एवं बसों में अब 100 फीसद क्षमता के साथ यात्रियों को बैठने की अनुमति दी जा रही है। यह छूट दिल्ली में चलने वाली सभी तरह की बसों के लिए होगी। हालांकि, बस एवं मेट्रो में खड़े होकर यात्रा करने पर अब भी पाबंदी रहेगी। यात्रियों को मेट्रो और डीटीसी, क्लस्टर एवं इंटर स्टेट बसों के इंतजार में काफी देर खड़े रहना होता था। इससे लोगों को परेशानी हो रही थी। इसे देखते हुए परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने गत दिनों इस बारे में परिवहन विभाग से प्रस्ताव तैयार करा कर डीडीएमए को भेजा था। हालांकि, इस दौरान अधिकारियों को कोरोना प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। संबंधित डीएम एवं डीसीपी इलाके में कोरोना प्रोटोकाल का पालन कराएंगे।



आदेश जारी : मुख्य सचिव विजय देव। फाइल

आटो-टैक्सी को अभी राहत नहीं

आटो, टैक्सी व ई-रिक्शा की छूट का दायरा फिलहाल नहीं बढ़ा है। ये अभी पुराने नियमों के साथ ही चलेंगे। आटो, टैक्सी, ई-रिक्शा, कैब, ग्रामीण सेवा और फटफट सेवा में अभी दो यात्रियों को ही बैठाने की अनुमति है। मैक्सी कैब में पांच यात्री और आरटीवी में 11 यात्री तक बैठ सकते हैं।

इन मामलों में पूर्व के नियम जारी रहेंगे

- बार 50 फीसद बैठने की क्षमता के साथ दोपहर 12 बजे से लेकर रात 10 बजे तक खुलेंगे।
- रेस्टोरेंट 50 फीसद बैठने की क्षमता के साथ सुबह आठ बजे से रात 10 बजे तक खुलेंगे।
- जितने भी बाजार, मार्केट कांप्लेक्स और माल हैं, इनकी सभी दुकानें सुबह 10 बजे से शाम आठ बजे तक ही खुलेंगी।
- एक जोन में एक दिन में केवल एक ही साप्ताहिक बाजार खोलने की अनुमति रहेगी।
- धार्मिक स्थल खुलेंगे, लेकिन लोगों के आने की अनुमति नहीं रहेगी।

50 फीसद क्षमता के साथ खुलेंगे सिनेमा हाल

महामारी के चलते लंबे समय से घर में बंद सिनेप्रेमियों को सरकार ने अपना मूड फ्रेश करने का बड़ा मौका दिया है। दिल्ली सरकार ने राजधानी के सिनेमाघरों एवं मल्टीप्लेक्स को 50 फीसद क्षमता के साथ खोलने की इजाजत दे दी है। हालांकि इस दौरान सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स मालिकों को कोरोना प्रोटोकाल का पालन कराना होगा। इसके अलावा स्पा खोलने की भी इजाजत दे दी गई है। आडिटोरियम-असेंबली हाल भी 50 फीसद क्षमता के साथ खुलेंगे।

देश के सबसे बड़े एंटी स्माग टावर में लगे पंखों की टेस्टिंग शुरू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आनंद विहार बस अड्डा परिसर में देश के सबसे बड़े एंटी स्माग टावर का निर्माण कार्य पूरा होने के करीब है। इसमें लगे पंखों की टेस्टिंग भी शुरू हो गई है। इस परियोजना का निर्माण कर रही टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के सहायक उपाध्यक्ष राजीव मंडल ने बताया कि टेस्टिंग में पंखे ठीक से काम कर रहे हैं। जल्द ही टावर में फिल्टर लगा दिए जाएंगे। उसके बाद फाइनल टेस्टिंग की जाएगी। 25 मीटर ऊंचे इस टावर में 40 पंखे लगे हैं, जो एक किलोमीटर की परिधि से दूषित हवा को खींचने और दस हजार फिल्टर से स्वच्छ हुई हवा को बाहर छोड़ने का काम करेंगे। अगस्त में इसे चालू करने का लक्ष्य है।

यह एंटी स्माग टावर नोवेल ज्योमेट्री फिल्टरेशन सिस्टम (एनजीएफएस) पर काम करेगा। इसमें दो तरह के फिल्टर लगाए जा रहे हैं। इस टावर में प्रति सेकंड 960 घन मीटर दूषित हवा प्रवेश करेगी। इसमें से प्रति सेकंड करीब 864 घन मीटर वायु स्वच्छ होकर बाहर निकलेगी। सर्दियों में आनंद विहार बस अड्डे के आसपास पीएम 2.5 का स्तर 200 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच जाता है। कंपनी का दावा है कि टावर उसे 60 फीसद तक कम कर देगा।

एक वर्ष तक रखी जाएगी नजर : यह टावर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनाया गया है। एक वर्ष तक केवल इसकी दक्षता जांची जाएगी। टावर में कई सेंसर लगाए हैं। इनकी मदद से सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्विजिशन (स्काडा) तकनीक के माध्यम से सामान्य, गर्मी, सर्दी, आर्द्रता और बारिश के मौसम में एंटी स्माग टावर के प्रदर्शन पर नजर रखी जाएगी।

गर्मी और उमस में पसीने से नहाए लोग, कल झमाझम बारिश के आसार



राजधानी में दिनभर सूरज और बादलों की आंख मिचौली चलती रही। शाम के समय रेलभवन के गोलचक्कर पर बादल भी छाए और बारिश की आस भी बंधी मगर बिन बरसे ही चलते बने बदरा। ध्रुव कुमार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मौसम का हाल

- रविवार को भी नहीं मिलेगी राहत, हल्की बारिश से और बढ़ेगी उमस
- सोमवार के लिए मौसम विभाग ने जारी किया आरेंज अलर्ट

गर्मी और उमस से दिल्ली वासियों को शनिवार को भी राहत नहीं मिली। हालांकि कई इलाकों में हल्की बारिश हुई, लेकिन उससे उमस और ज्यादा बढ़ गई। तापमान में भी आंशिक इजाफा देखने को मिला। रविवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। इसके बाद सोमवार को झमाझम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

शनिवार को दिनभर आंशिक तौर पर बादल छाए रहे। बादलों और सूरज के बीच लुकाछिपी भी चली। कहीं बूंदाबांदी और कहीं हल्की बारिश हुई। लेकिन, इससे राहत मिलने की बजाय उमस बढ़ गई। नतीजतन, लोग पसीने से नहाते रहे। मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा 36.0 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 61 से 92 फीसद रिकार्ड हुआ। जहाँ तक बारिश का सवाल है तो शाम साढ़े पांच बजे तक सफदरजंग पर 0.2 मिमी, नजफगढ़ में 2.0 मिमी, नरेला में 0.5 मिमी, पूसा में 1.5 मिमी दर्ज की गई। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि रविवार को भी आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। कहीं हल्की बारिश और कहीं बूंदाबांदी होने की संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 और 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत का कहना है कि रविवार को भी गर्मी और उमस से निजात नहीं मिलेगी। हालांकि सोमवार से बुधवार तक तीन दिन अच्छी बारिश होने के आसार बन रहे हैं।

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति भवन परिसर में शुरू हुई एसबीआइ की शाखा

नई दिल्ली: राष्ट्रपति भवन परिसर में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) की शाखा शुरू हो गई है। शनिवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने इसका उद्घाटन किया। राष्ट्रपति भवन परिसर की यह पहली एसबीआइ की शाखा है। पहले ग्राहक के तौर पर राम नाथ कोविन्द का खाता खोला गया और उनको बैंक की पासबुक दी गई। इस अवसर पर राष्ट्रपति की पत्नी सविता कोविन्द, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डा. भागवत किशन राव और एसबीआइ के चेयरमैन दिनेश खारा मौजूद रहे। इस शाखा में एक छत के नीचे बैंक से जुड़ी सभी सुविधाएं आधुनिक रूप से मिलेंगी। यहां पर वीडियो केवाइसी, आटोमेटेड नकद जमा व निकासी और पासबुक प्रिंटिंग की सुविधा है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इस शाखा का इस्तेमाल वे लोग भी कर सकेंगे जो राष्ट्रपति एस्टेट के निवासी नहीं है। (जासं)

1971 के युद्ध में शामिल सैनिकों को सम्मानित करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली: 1971 के युद्ध के 50 वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस प्रदेश से लेकर जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसे लेकर प्रदेशाध्यक्ष अनिल चौधरी की अध्यक्षता में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की बैठक हुई। चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व के कारण 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बना। देश के युवाओं को कांग्रेस और इंदिरा गांधी के ऐतिहासिक निर्णयों और उपलब्धियों को जानकारी दी जानी चाहिए। इसे ध्यान में रखकर जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उस युद्ध में शामिल होने वाले सैनिकों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में इस कार्यक्रम के संयोजक कैप्टन प्रवीन डावर भी शामिल हुए। कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रदेश स्तर पर 26 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जय किशन और अली मेंहदी इस समिति के संयोजक होंगे। प्रत्येक जिले में कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का आह्वान किया गया। (राब्यू)

सड़क पर मजार को लेकर युवती ने किया विरोध, वीडियो वायरल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- मजार को बढ़ाने का आरोप लगाते हुए ईंट-पत्थरों को हटा दिया
- कहा-मजार के कारण लगता है जाम

महरौली-गुरुग्राम रोड पर छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास सड़क पर बनी पीर बाबा की मजार से शुक्रवार शाम को एक युवती ने यह कहते हुए ईंट, पत्थर आदि सामान को हटा दिया कि इस मजार को बढ़ाया जा रहा है। इस कारण यहां जाम लगता है। युवती ने आरोप लगाया कि मजार के चारो ओर अतिक्रमण करके इसे बढ़ाया जा रहा है। इस पूरी घटना का वीडियो शनिवार को इंटरनेट मीडिया में वायरल हो गया।

वीडियो में युवती कह रही है कि उसे किसी भी धर्म से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इस तरह सड़क व सार्वजनिक जगह पर कोई भी धार्मिक स्थल बनाना गलत है। युवती ने आरोप लगाया है कि यहां से मतांतरण भी किया जा रहा है। वीडियो में दो-तीन राहगीर भी युवती की सहायता करते दिख रहे हैं। उसने कहा कि अतिक्रमण की शुरुआत ऐसे ही होती है। हालांकि इस बीच किसी ने पुलिस को काल कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत करवा दिया। दक्षिणी दिल्ली जिले के पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि इस बारे में किसी भी पक्ष से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

14 बाई 10 फुट में है मजार: वीडियो वायरल होने के बाद शनिवार को दैनिक जागरण टीम मौके पर पहुंची। मजार के मुतवल्ली (सेवादार) मूलरूप से यूपी के सुल्तानपुर जिला निवासी जमील अहमद ने बताया कि यह हजरत हसन जिन्नाती रहमतुल्लाह अलैह की मजार है। इसे पीर बाबा की मजार भी कहा जाता है। मजार 14 बाई 10 फुट में है। उन्होंने बताया कि वह पिछले चार सालों से यहां बैठ रहे हैं। उन्हें यहां पर अल इत्तेहाद इस्लामिया कमेटी के अध्यक्ष रियासत अली समीर ने बैठाया है।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम विरोध करने वाली युवती ने उनके आधार कार्ड की फोटोकापी लेकर उन्हें मजार से हटा दिया था। इसके बाद वह महरौली स्थित अपने घर चले गए थे। वहीं, रियासत अली ने फोन पर बताया कि जमील अहमद ने मजार पर कुछ निर्माण कराने के लिए सीमेंट आदि मांगा था जो उन्होंने उपलब्ध करवा दिया था। उन्होंने बताया कि यह मजार काफी पुरानी है। पहले जब सड़क सिंगल थी तो यह सड़क के किनारे थी। बाद में सड़क चौड़ी की गई तो मजार बीच में आ गई।

मजार को शिफ्ट करने को लेकर चल रही है बात: इस बारे में पीडब्ल्यूडी के एक वरिष्ठ ने बताया कि यह सड़क काफी पहले एनएचएआइ ने बनाई थी। पीडब्ल्यूडी को जब सड़क हस्तांतरित की गई थी तो यह मजार यहीं पर थी। मजार की वजह से यहां मार्ग बाधित होता है और जाम लगता है। इसे शिफ्ट करने को लेकर कई स्तर पर फाइलें चल रही हैं। चूंकि मामला पीडब्ल्यूडी, निगम, कानून-व्यवस्था से लेकर लैंड ओनिंग एजेंसियों के साथ ही धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है इसलिए इसके समाधान के लिए कई स्तर पर कार्रवाई चल रही है। मामला रिलीजियस कमेटी को सौंपने पर भी विचार किया जा रहा है।



राहगीर की मदद से मजार से ईंट-गमले हटाती युवती। वीडियो ग्रैब

दिल्ली की चुनी हुई सरकार के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा : सिसोदिया

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली

> कैबिनेट के निर्णयों को पलटना दिल्ली वालों का अपमान है। लोगों ने ऐतिहासिक बहुमत से आप की सरकार बनाई और भाजपा को हराया है। भाजपा देश चलाए, आप को दिल्ली चलाने दे।
> -अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री

दिल्ली सरकार ने किसानों को लेकर वकीलों के पैनल के मामले में दिल्ली कैबिनेट के फैसले को रद करने के उपराज्यपाल के निर्णय पर दिल्ली सरकार ने दो तरफा हमला बोला। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केजरीवाल ने इस बारे में नाराजगी व्यक्त की, वहीं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेसवार्ता कर उपराज्यपाल पर हमला बोला। सिसोदिया ने कहा कि कोर्ट में किसान विरोधी भाजपा का पर्दाफाश न किया जाए इसलिए उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की कैबिनेट द्वारा तय किए गए पैनल को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य सरकार और उपराज्यपाल के अधिकारों की व्याख्या करने के बावजूद राज्यपाल द्वारा कैबिनेट निर्णयों में इस तरह बार-बार अड़ंगा लगाना न सिर्फ दिल्ली वालों का अपमान है, बल्कि लोकतंत्र के विरुद्ध भी है। सिसोदिया ने केंद्र सरकार से कहा कि किसानों और दिल्ली सरकार के मामलों में टांग अड़ाना बंद करे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली कैबिनेट में 19 जुलाई को फैसला लिया गया था कि किसान आंदोलन को लेकर कोर्ट में जो केस चल रहा है, उसमें वकीलों की नियुक्ति दिल्ली सरकार द्वारा की जाएगी। लेकिन उपराज्यपाल ने शनिवार को दिल्ली सरकार के इस फैसले को पलट दिया और फाइल राष्ट्रपति के पास भेज दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान में दिल्ली की चुनी हुई सरकार के मुख्यमंत्री के पास वकीलों की नियुक्ति का अधिकार दिया गया है। इसके बावजूद उपराज्यपाल द्वारा कैबिनेट के फैसले को पलटना संविधान के खिलाफ है। और यदि वकीलों की नियुक्ति भी उपराज्यपाल को ही करनी है। तो संविधान में जनता द्वारा चुनी गई सरकार के अधिकारों का क्या होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उपराज्यपाल के माध्यम से दिल्ली की चुनी हुई सरकार के संवैधानिक अधिकारों का लगातार हनन किया जा रहा है। दिल्ली सरकार के सभी निर्णयों में अड़ंगा लगाया जा रहा है। केंद्र सरकार को संविधान पढ़ने की जरूरत है और ये सोचने की जरूरत है कि जब जनता द्वारा चुनी गई सरकार को काम करने ही नहीं दिया जा रहा है तो चुनाव करवाने की क्या जरूरत है, संविधान की क्या जरूरत है।

एक साल में दूसरी बार टकराव

प्रथम पृष्ठ से आगे

एक साल में यह दूसरी वकीलों की नियुक्ति के मामले में उपराज्यपाल कार्यालय और दिल्ली सरकार में टकराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। कुछ माह पहले सरकार ने 2020 के दंगों के मामले में पुलिस के वकीलों के पैनल को मानने से इन्कार कर दिया था। उस समय सरकार ने कहा था कि जांच एजेंसी स्वयं अपने वकील नहीं रख सकती है। पुलिस दंगों की जांच कर रही है, इसलिए उनके वकील नहीं होने चाहिए। उस मामले में भी उपराज्यपाल ने असहमति व्यक्त की थी। इसी तरह, अब गणतंत्र दिवस पर हिंसा के मामले में तनातनी हो गई है। ज्ञातव्य है कि पहले भी दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल में टकराव हो चुका है।

बुजुर्ग अधिवक्ता ने मांगी वित्तीय सहायता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : बुजुर्ग अधिवक्ता ने अस्वस्थ होने और आय का स्रोत नहीं होने का हवाला देते हुए गुजारा भत्ता दिलाए जाने की मांग की है। अधिवक्ता की याचिका पर न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने नोटिस जारी कर केंद्र और दिल्ली सरकार को 31 अगस्त तक जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

नोएडा के सेक्टर-19 निवासी 68 वर्षीय अधिवक्ता केआर चित्रा ने अपने मामले की पैरवी करते हुए कहा कि फिलहाल उनके पास आय का कोई स्रोत नहीं है। वह बढ़ती उम्र के कारण विभिन्न चिकित्सा समस्याओं से जूझ रही हैं। उनका दाहिना हाथ भी काम नहीं करता है। इसलिए उन्हें वित्तीय सहायता दिलाई जाए। भरण-पोषण के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने को लेकर उन्होंने दिल्ली सरकार से कई बार अनुरोध किया, लेकिन अब तक सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। इतना ही नहीं उन्होंने पीएमओ में भी आनलाइन शिकायत की, लेकिन कहीं से कोई जवाब नहीं मिला।

बाटला हाउस कांड : आइएम आतंकी आरिज ने फांसी की सजा को दी चुनौती

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- साकेत कोर्ट ने सुनाया था मरने तक फांसी पर लटकाने का फैसला
- इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा की हत्या समेत अन्य धारा में

चर्चित बाटला हाउस मुठभेड़ मामले में साकेत कोर्ट द्वारा फांसी की सजा सुनाए जाने के फैसले को इंडियन मुजाहिदीन (आइएम) के आतंकी आरिज खान उर्फ जुनैद ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। वारदात को दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी का बताते हुए कोर्ट ने आरिज को मरने तक फांसी पर लटकाने का फैसला सुनाया था।

अधिवक्ता एमएस खान के माध्यम से दाखिल याचिका में आरिज खान ने निचली अदालत के फैसले को निराधार बताते हुए रद करने की मांग की है। उसने दलील दी कि निचली अदालत के फैसले में कई अहम तथ्यों को नजरअंदाज किया गया है। दावा किया कि न तो उसके खिलाफ इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा पर गोली चलाने के संबंध में कोई साक्ष्य है और न ही आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के संबंध में। साकेत कोर्ट ने 15 मार्च को सुनाए अपने फैसले में फांसी की सजा देने के साथ ही आरिज पर 11 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इसमें से दस लाख रुपये इंस्पेक्टर शर्मा के स्वजन को देने का निर्देश दिया था। अदालत ने माना था कि इंस्पेक्टर शर्मा की हत्या के पीछे आरिज का हाथ था।

धमाकों में मारे गए थे 165 लोग : मालूम हो कि आरिज को फरवरी, 2018 में स्पेशल सेल ने नेपाल से गिरफ्तार किया था। उस पर भारत में कई जगहों पर बम धमाके करने के आरोप है, जिनमें 165 लोग मारे गए थे। धमाकों के बाद आरिज नेपाल भाग गया था और फर्जी पासपोर्ट पर सलीम के नाम से छुपा हुआ था। इस मामले के एक अन्य अभियुक्त शहजाद को अदालत ने 2013 में ही उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मुठभेड़ के दौरान आरिज और शहजाद भागने में सफल रहे थे।

मुठभेड़ में शहीद हो गए थे इंस्पेक्टर शर्मा : 13 सितंबर, 2008 को दिल्ली में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों की जांच में पुलिस ने पाया कि बम ब्लास्ट को आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन ने अंजाम दिया था। इन धमाकों में 26 लोग मारे गए थे, जबकि 133 घायल हुए थे।

19 सितंबर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को आइएम के पांच आतंकियों के बाटला हाउस के एल-18 के भवन संख्या-108 में मौजूद होने की सूचना मिली। टीम पहुंची तो वहां उनकी मुठभेड़ हो गई। इसमें इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा शहीद हो गए थे और दो आतंकी मारे गए थे।

कवायद

डीयू में दाखिला लेने वाले छात्रों को भी टीकाकरण के लिए किया जाएगा प्रेरित, नार्थ-साउथ कैंपस समेत सात कालेजों में हो रहा टीकाकरण, कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में आकर कई प्रोफेसरों का हुआ निधन

डीयू ने रखा 80 फीसद टीकाकरण का लक्ष्य

संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

कोरोना की दूसरी लहर से सर्वाधिक प्रभावित उच्च शिक्षण संस्थानों में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भी शामिल था। संक्रमण की चपेट में आकर कई नामीगिरामी प्रोफेसरों का निधन हो गया। कई छात्रों के सिर से मां-बाप का साया भी उठ गया। ऐसे में डीयू ने कोरोना की तीसरी लहर व कालेज खुलने से पहले 80 फीसद टीकाकरण का लक्ष्य रखा है। नार्थ कैंपस, साउथ कैंपस समेत सात कालेजों में जोरशोर से टीकाकरण अभियान चल रहा है। डीयू में सोमवार से शुरू हो रहे दाखिला प्रक्रिया के दौरान भी ओरिएंटेशन प्रोग्राम के जरिये छात्रों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जाएगा। शिक्षक खुद छात्रों से बात कर उनसे टीका लगवाने की गुजारिश करेंगे।

डीन आफ कालेज प्रो. बलराम पाणि ने बताया कि डीयू पूरी कोशिश कर रहा है कि संस्थान खुलने और तीसरी लहर से पहले 80 फीसद छात्रों, कर्मचारियों का टीकाकरण हो जाए ताकि कैंपस खुलने पर संक्रमण फैलने का बहुत खतरा ना हो। डीयू अगले साल शताब्दी वर्ष मनाएगा। इसके मद्देनजर एक मास्क भी लांच किया गया है। मास्क पर हिंदी और अंग्रेजी में टीका लगाने की अपील लिखी गई है।

नामीगिरामी प्रोफेसरों का निधन : कोरोना की दूसरी लहर में डीयू ने शिक्षण, गैर शिक्षण मिलाकर कुल 65 लोगों का खो दिया। संक्रमण से नैनोटेक्नोलाजी के प्रसिद्ध विज्ञानी प्रो विनय गुप्ता, संगीत एवं ललित कला संकाय विभाग के प्रोफेसर प्रतीक चौधरी, अफ्रीकन स्टडी विभाग के डा विधान पाठक, डा देवेंद्र कुमार, डा राकेश गुप्ता समेत कई अन्य नामीगिरामी शिक्षकों का कोरोना से निधन हो गया।



फाइल/जागरण आर्काइव

यहां हो रहा टीकाकरण

- नार्थ कैंपस
- साउथ कैंपस
- लक्ष्मीबाई कालेज
- केशव महाविद्यालय
- हंसराज कालेज
- अदिति महाविद्यालय
- हिंदू कालेज
- गार्गी कालेज
- पीजीडीएवी कालेज

तीसरी लहर को ध्यान में रखकर की गई तैयारी

- जरूरत पड़ी तो छात्रावासों, स्टेडियम में कोविड सेंटर खोले जाएंगे।
- कालेजों में 100-100 बैड के कोविड सेंटर खोलने की योजना।
- 80 मेडिकल सिलेंडर प्रतिदिन भरने की क्षमता वाला आक्सीजन प्लांट लगाया जाएगा।
- जांच बढ़ाने के लिए पैथ लैब कंपनियों से करार किया जाएगा।
- 240 आक्सीजन कान्संट्रेटर खरीदे जाएंगे।
- 500 पल्स आक्सीमीटर और 100 थर्मल स्कैनर की भी व्यवस्था की जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने की मदद

- डीयू ने अब तक मृत शिक्षकों के आश्रितों की 48 लाख रुपये की मदद की।
- डीयू ने शुरू किया पोस्ट कोविड केयर पाठ्यक्रम।
- एक हफ्ते के पाठ्यक्रम में सिखाया जाएगा योग, ध्यान।
- जिन छात्रों ने अभिभावक खोया है, उनकी पूरी फीस माफ करेगा डीयू।

बीएमडब्ल्यू-मर्सिडीज कार से आकर महंगे पौधे चुरा रहे लोग

अरविंद कुमार द्विवेदी, नई दिल्ली

- पीडब्ल्यूडी के आर्किटेक्ट ने चोरी करते एक महिला को रंगेहाथ पकड़ा

बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी लग्जरी कारों से आकर पौधे चुराने वालों से पीडब्ल्यूडी के अधिकारी परेशान हैं। लग्जरी कारों वाले इन चोरों की वजह से रिंग रोड की हरियाली व इसके सुंदरीकरण का काम भी प्रभावित हो रहा है। नेहरू नगर, पीजीडीएवी कालेज के सामने चल रहे सुंदरीकरण कार्य के तहत एक तरफ पीडब्ल्यूडी निर्माण कार्य करवाता है, दूसरी ओर चोर पौधे उखाड़ ले जाते हैं। चोर यहां से एलईडी, लैंप हेड, स्विच बोर्ड तक चुरा ले जाते हैं। इस कारण यहां के सब-वे से लेकर फुटओवर ब्रिज व फुटपाथ तक बदहाल हैं। पुर्जे चोरी हो जाने के कारण एस्केलेटर बंद हैं, पौधे चोरी हो जाने से हरियाली नदारद हो रही है।

गौरतलब है कि सुंदरीकरण परियोजना के तहत यहां पर साइकिल ट्रैक, सेल्फी प्वाइंट, आकर्षक चबूतरा आदि बनाया गया है। इसमें डिजाइनर लैंप, बेंच व हरियाली के लिए पौधे भी लगाए गए हैं।

रिंग रोड से सरकारी सामान उड़ाने वाले चोर दो तरह के हैं। पहली श्रेणी के चोर सब-वे से इलेक्ट्रिक आइटम जैसे एलईडी, बिजली की केबल, स्विच बोर्ड, लैंपहेड व लोहे की ग्रिल आदि चुराकर ले जाते हैं और कबाड़ में बेच देते हैं। इनमें ज्यादातर शराबी व नशेड़ी हैं। वहीं, दूसरी श्रेणी के चोर हैं, जो बीएमडब्ल्यू व मर्सिडीज जैसी लग्जरी कारों से आकर महंगे पौधे चोरी करते हैं। गार्ड या कोई स्टाफ उन्हें मना करता है तो ये लोग बहस करते और ऊंची पहुंच की धौंस जमाते हैं। हाल ही में बीएमडब्ल्यू कार से आई एक महिला ने फुटपाथ से पौधा उखाड़कर गाड़ी में रखा, मौके पर मौजूद आर्किटेक्ट ने विरोध किया तो वह बहस करने लगी।

3,570 भारतीय नागरिकों की विदेश में कोरोना से मौत हुई है। इसमें सबसे ज्यादा 1,154 मौतें सऊदी अरब, 894 यूएई में हुई है। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने राज्यसभा में यह जानकारी दी है।

कोरोना के दौर में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक : मोदी

▸ धम्म चक्र दिवस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने बुद्ध की शिक्षाओं का किया गुणगान

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कोरोना से जूझने के दौरान भगवान बुद्ध के विचार अब और भी प्रासंगिक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने दिखाया है कि बौद्ध धर्म के संस्थापक द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर कैसे सबसे कठिन चुनौती का सामना किया जा सकता है।

आषाढ़ पूर्णिमा और धम्म चक्र दिवस कार्यक्रम में अपने संदेश में उन्होंने कहा कि त्रासदी के समय दुनिया ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं की शक्ति को महसूस किया है। उल्लेखनीय है आषाढ़ पूर्णिमा के ही दिन भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बुद्ध की शिक्षाओं पर पूरी दुनिया एकजुटता से आगे बढ़ रही है। इसमें अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ की 'प्रार्थना के साथ देखभाल' की पहल काबिले तारीफ है।

'धम्म पद' का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि शत्रुता को शत्रुता से खत्म नहीं किया जा सकता। इसे प्यार और बड़े दिल से खत्म किया जा सकता है।


नई दिल्ली में शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आषाढ़ पूर्णिमा-धम्म चक्र दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। एएनआइ

उन्होंने कहा कि त्रासदी के समय में, दुनिया ने प्रेम और सद्भाव की इस शक्ति को महसूस किया। जैसे ही भगवान बुद्ध का यह ज्ञान, मानवता का यह अनुभव समृद्ध होता जाएगा, दुनिया सफलता और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुएगी।

बुद्ध की शिक्षाओं का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे मन, भाषण और संकल्प और हमारे कार्य और प्रयास के बीच सामंजस्य हमें कष्टों से दूर और आनंद की ओर ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह हमें अच्छे समय के दौरान सामान्य कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है और कठिन समय का सामना करने की शक्ति देता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बलिदान और धैर्य की अग्नि में तपकर जब भगवान बुद्ध बोलते हैं तो ये केवल शब्द नहीं होते बल्कि धम्म का एक पूरा चक्र शुरू हो जाता है। उनसे बहने वाला ज्ञान दुनिया के कल्याण का पर्याय बन जाता है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया में उनके अनुयायी हैं।

दुनिया को दया और करुणा की जरूरत : कोविन्द

नई दिल्ली : राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने शनिवार को कहा कि दुनिया कोरोना के असर से जूझ रही है और उसे पहले से कहीं ज्यादा करुणा, दया और निस्वार्थता के उपचार की जरूरत है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि बौद्ध धर्म द्वारा प्रचारित इन सार्वभौमिक मूल्यों को सभी को अपने विचारों और कार्यों में अपनाने की जरूरत है।

राष्ट्रपति ने एक वीडियो संदेश के जरिये अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आइबीसी) द्वारा आयोजित वार्षिक आषाढ़ पूर्णिमा-धर्म चक्र दिवस को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रपति भवन के एक बयान के अनुसार, कोविन्द ने कहा कि भगवान बुद्ध के अच्छी तरह से प्रलेखित जीवन में मानवता के लिए अमूल्य संदेश हैं।

बयान में कहा गया कि उन्होंने आशा व्यक्त की कि आज का विश्व भगवान बुद्ध की असीम करुणा से प्रेरित होगा और मानव पीड़ा के सभी स्रोतों को दूर करने का संकल्प लेगा। बयान में कहा गया है कि सुबह-सुबह राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन के बगीचे में बोधि वृक्ष का पौधा लगाया।


नई दिल्ली में शनिवार को आषाढ़ पूर्णिमा-धम्म चक्र दिवस के अवसर पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द। प्रेट्र

विरोध दबाने के लिए राजद्रोह कानून और यूएपीए का हो रहा दुरुपयोग

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के चार पूर्व न्यायाधीशों ने शनिवार को कहा कि विरोध और सरकार से सवाल पूछने वालों की आवाज को दबाने के लिए राजद्रोह कानून और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) का दुरुपयोग किया जा रहा है। चारों पूर्व न्यायाधीशों ने इन दोनों कानूनों को रद करने की वकालत की। फादर स्टेन स्वामी की मौत का उल्लेख करते हुए पूर्व न्यायाधीश आफताब आलम ने कहा कि यूएपीए ने राष्ट्रीय सुरक्षा और संवैधानिक स्वतंत्रता दोनों ही मामलों में हमें विफल किया है। जस्टिस आलम के साथ ही सुप्रीम कोर्ट अन्य पूर्व जस्टिस दीपक गुप्ता, मदन बी लोकुर और गोपाल गौड़ा एक परिचर्चा में बोल रहे थे। जस्टिस लोकुर का कहना था कि गलत तरीके से फंसाए गए लोगों को रिहा होने के बाद मुआवजा मिलना चाहिए। जस्टिस गुप्ता ने कहा कि समय के साथ इन कानूनों का दुरुपयोग बढ़ता गया है और अब इन्हें खत्म करने का समय आ गया है।

न्यूज गैलरी

नासिर कमाल नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के डीजी बने

नई दिल्ली : वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी नासिर कमाल नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक (डीजी) नियुक्त किए गए हैं। कार्मिक मंत्रालय ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। भारतीय पुलिस सेवा के नासिर 1986 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी हैं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने नासिर को 31 जुलाई, 22 तक डीजी के रूप में नियुक्ति की मंजूरी दी है। (प्रेट्र)

मदद लेकर इंडोनेशिया पहुंचा नौसेना का पोत ऐरावत

जकार्ता : भारतीय नौसेना का पोत ऐरावत शनिवार को इंडोनेशिया में जकार्ता बंदरगाह पहुंच गया। यह पोत कोविड-19 संबंधी आवश्यक आपूर्ति लेकर गया है। पोत से महामारी से संघर्ष में इंडोनेशिया की मदद करने के लिए 100 मीट्रिक टन लिक्विड मेडिकल आक्सीजन के पांच क्रायोजेनिक कंटेनर और 300 आक्सीजन कन्सन्ट्रेटर भेजे गए हैं। (एएनआइ)

200 मीट्रिक टन आक्सीजन बांग्लादेश पहुंचाएगा रेलवे

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे पहली बार 10 कंटेनरों में 200 मीट्रिक टन लिक्विड मेडिकल आक्सीजन बांग्लादेश पहुंचाने जा रहा है। 10 कंटेननरों में आक्सीजन लोड करने का काम सुबह 9:25 पर पूरा हो गया। रेल मंत्रालय ने कहा, आक्सीजन एक्सप्रेस बांग्लादेश रवाना होने वाली है। यह पहला मौका है जब आक्सीजन एक्सप्रेस पड़ोसी देश पहुंचेगी। (एएनआइ)

यूएनएससी में जिसका इंतजार था, वह वक्त अब आ गया

भारत को अगस्त में एक माह के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता का मौका

अपने हितों से जुड़े मुद्दों पर खास तवज्जो के लिए बन रही रणनीति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जनवरी, 2021 में दो वर्षों के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का दो वर्षों के लिए अस्थायी सदस्य बनने के बाद जिस वक्त का भारत इंतजार कर रहा था वह अब आने वाला है।

संयुक्त राष्ट्र के नियमों के मुताबिक भारत अगस्त, 2021 में एक महीने के लिए यूएनएससी की अध्यक्षता संभालेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय इस अवसर का भारतीय कूटनीति के लिहाज से भरपूर इस्तेमाल करने की रणनीति बनाने में लगा है। इस दौरान भारत आतंकवाद, आतंकवाद को फंडिंग, समुद्री सुरक्षा और अफगानिस्तान के मुद्दे को खास तौर पर उठाएगा। ये सभी मुद्दे भारत के मौजूदा व दीर्घकालिक हितों से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। इन मुद्दों पर सुरक्षा परिषद के तहत होने वाले आयोजनों में पीएम नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत अपनी तैयारियों को लेकर कितना गंभीर है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विदेश सचिव श्रृंगला हाल ही में न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय का दौरा करके आए हैं। इस दौरान श्रृंगला ने उन देशों के प्रतिनिधियों से खास तौर पर मुलाकात की जिनकी मदद की दरकार भारत को अपनी अध्यक्षता के दौरान विभिन्न मुद्दों पर होगी। उन्होंने भारत के महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार देश फ्रांस की अध्यक्षता में लीबिया पर हुई बैठक में भाग लेकर फ्रांस के साथ अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। इस दौरान उन्होंने फ्रांस के विदेश मंत्री जां-वे ले द्रां के साथ वार्ता की और अगस्त में भारत की अगुवाई में होने वाली बैठकों में हिस्सा लेने के लिए उन्हें आमंत्रित भी किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतेरस के साथ अलग से मुलाकात की और भारत की अध्यक्षता में उठाये जाने वाले मुद्दों के बारे में खास तौर पर चर्चा की। कूटनीतिक सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्री की हाल ही में हुई मास्को यात्रा के दौरान रूस के विदेश मंत्री के साथ भारतीय एजेंडे पर बात हुई है। ब्रिटेन के साथ भी भारत इस बारे में कूटनीतिक संपर्क में है। श्रृंगला ने अमेरिका में ब्रिटेन के विदेश राज्य मंत्री से मुलाकात की थी। अगले हफ्ते जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकेन के बीच की बैठक में भी यह एक अहम मुद्दा रहेगा। यूएनएससी के स्थायी सदस्यों में सिर्फ चीन ही ऐसा देश है जिसके साथ भारत ने इस बारे में अभी तक विमर्श नहीं किया है। अगस्त, 2021 में विदेश मंत्री जयशंकर और विदेश सचिव की अमेरिका यात्रा की भी पूरी संभावना है। ये दोनों भारत के हितों को प्रभावित करने वाली बैठकों की अहमियत के मुताबिक वहां शिरकत करेंगे।

अफगानिस्तान के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया जाएगा

सूत्रों ने बताया है कि अफगानिस्तान एक ऐसा मुद्दा है जिसको लेकर फिलहाल सभी देशों की नजर है और निश्चित तौर पर भारत की कोशिश होगी कि वहां के हालात को विश्व बिरादरी ज्यादा गंभीरता से ले। इसके अलावा सामुद्रिक सुरक्षा के मुद्दा को भी अगले महीने ज्यादा तवज्जो मिलने की संभावना है। ये दोनों ऐसे मुद्दे हैं जो न सिर्फ भारत के हितों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं बल्कि यूएनएससी के सभी स्थायी सदस्य भी इनसे जुड़े हुए हैं। भारत की तैयारियों के बारे में पूछने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि अगस्त में यूएनएससी की अध्यक्षता भारत के पास होगी। इसके लिए हमारी प्राथमिकता की सूची बनाई जा रही है। यह हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण समय है।

लद्दाख में चीन से निपटने को सेना ने तैनात की थी आतंकरोधी डिवीजन

नई दिल्ली, एएनआइ : चीनी सेना से निपटने और पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तैनाती के लिए भारतीय सेना ने कुछ महीनों पहले उत्तरी कमान क्षेत्र में आतंकरोधी अभियानों में लगीं अपनी यूनिटों को निकाल लिया था।

सरकारी सूत्रों ने बताया, 'डिवीजन के आकार की टुकड़ी (करीब 15,000 सैनिकों की फारमेशन) को आतंकरोधी अभियानों से निकालकर लद्दाख में तैनात किया गया था ताकि चीन के किसी भी संभावित आक्रमक प्रयास से निपटा जा सके।' इस टुकड़ी (फारमेशन) की तैनाती से उत्तरी सीमाओं पर अभियानों में लगी सेना को रिजर्व बनाए रखने में मदद मिली। शुगर सेक्टर में तैनात रिजर्व टुकड़ी उच्च पर्वतीय क्षेत्रों की लड़ाई के लिए प्रशिक्षित है और हर साल लद्दाख के बर्फीले इलाकों में युद्धाभ्यास करती है। पिछले साल चीन के साथ गतिरोध से निपटने में वे शामिल थे। इस डिवीजन की अग्रिम मोर्चे पर तैनाती से रिक्त हुए स्थान की पूर्ति सेना ने अपने संसाधनों से की है। भारत ने पूर्वी लद्दाख सेक्टर में करीब 50 हजार सैनिकों को तैनात किया है और इससे वहां बलों की तैनाती को दोगुना करने में मदद मिली है। चीनी आक्रामकता के मद्देनजर लेह में 14वीं कोर के तहत अब दो डिवीजन हैं। इनके अलावा कुछ अतिरिक्त आर्मर्ड यूनिटें भी तैनात की गई हैं।

शाह ने पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों के साथ सीमा विवाद पर की मंत्रणा


केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को शिलांग में इंटर-स्टेट बस टर्मिनस माविर्योंग का उद्घाटन किया। इस दौरान मेघालय के सीएम कोनराड के संगमा ने उनका अभिनंदन किया। प्रेट्र

शिलांग, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अंतरराज्यीय सीमा विवाद और कोरोना से निपटने को लेकर बैठक की। एक अधिकारी ने बताया कि इस बैठक में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों, मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों ने हिस्सा लिया। अधिकारी के अनुसार, शाह को अंतरराज्यीय सीमा विवाद के बारे में जानकारी दी गई, जिसके चलते इस क्षेत्र के राज्यों को लंबे समय से नुकसान उठाना पड़ रहा है। बैठक के दौरान शाह को विभिन्न राज्यों में कोरोना की स्थिति से भी अवगत कराया गया।

बताते चलें कि पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों के बीच सीमा को लेकर विवाद चल रहा है। पिछले कुछ वर्षों में असम और मिजोरम के बीच कई बार हिंसक झड़प हो चुकी है।

इससे पहले शिलांग हवाई अड्डे पर उतरने के बाद मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा और केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने अमित शाह का स्वागत किया। इसके बाद शाह उत्तर-पूर्व अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र की एक बैठक में शामिल हुए।

समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, शाह ने मेघालय के माविर्योंग में अंतरराज्यीय बस टर्मिनस (आइएसबीटी) का उद्घाटन किया। इसके बाद आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बस टर्मिनस से पूर्वोत्तर में सड़क संपर्क बेहतर होगा और यह क्षेत्र आर्थिक केंद्र बनेगा। जहां तक पूर्वोत्तर की बात है क्षेत्र के विकास के लिए संपर्क बहुत जरूरी है।

समयपूर्व रिहाई की नीति के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट विचार को राजी

▸ सवाल यह कि कौन सी नीति लागू हो- दोषी ठहराए जाने के वक्त प्रभावी या आवेदन पर विचार के वक्त प्रभावी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर विचार के लिए राजी हो गया है, जिसमें दोषियों की समयपूर्व रिहाई से जुड़े कानूनी मुद्दे को उठाया गया है। शीर्ष अदालत इस बात पर विचार करेगी कि दोषियों की समयपूर्व रिहाई के लिए विचार करते समय उस वक्त प्रभावी नीति लागू होगी अथवा उसे दोषी ठहराए जाने के वक्त जो नीति प्रभावी थी।

शीर्ष अदालत ने उम्र कैद की सजा भुगत रहे एक दोषी की ओर से दाखिल याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार और अन्य से चार हफ्ते में जवाब तलब किया है। याचिका में राज्य सरकार को उसे इस आधार पर रिहा करने के निर्देश देने की मांग की गई है कि वह रेमिशन (छूट इत्यादि) की अवधि समेत 20 साल से अधिक की सजा भुगत चुका है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसका मामला दोषी ठहराए जाने के वक्त प्रभावी समयपूर्व रिहाई की नीति के तहत आता है।

यह याचिका शुक्रवार को जस्टिस एल. नागेश्वर राव और जस्टिस हृषिकेश राय की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई, जिस पर पीठ ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया। अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा के जरिये दाखिल याचिका के मुताबिक, याचिकाकर्ता और अन्य को ट्रायल कोर्ट ने 1996 में दोषी ठहराया था और सितंबर, 2005 में उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। दोषी ठहराए जाने के वक्त समयपूर्व रिहाई की चार दिसंबर, 1978 की नीति प्रभावी थी। पहली बार इस नीति में 10 जनवरी, 2012 को अहम बदलाव किए गए थे। इसमें यह प्रविधान किया गया था कि समयपूर्व रिहाई के लिए उम्रकैद की सजा भुगत रहे कैदियों को 20 साल की वास्तविक सजा और कुल 26 साल की सजा काटनी होगी। जबकि दिसंबर, 1978 की नीति के मुताबिक, 18 दिसंबर, 1978 के बाद उम्र कैद की सजा पाए दोषियों को समयपूर्व रिहाई के लिए 14 साल की वास्तविक सजा और 20 साल की कुल सजा काटनी होगी।

याचिका के मुताबिक, पिछले साल दिसंबर में अधिकारियों ने दिसंबर, 1978 के बजाय जनवरी, 2012 की नीति के आधार पर समयपूर्व रिहाई के उसके आवेदन को खारिज कर दिया था, जबकि याचिकाकर्ता की समयपूर्व रिहाई के मामले पर चार दिसंबर, 1978 की नीति की रोशनी में विचार होना चाहिए।

वकीलों को जज नियुक्त करने संबंधी जानकारी आरटीआइ के दायरे में नहीं

▸ सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में जज नियुक्त करने के लिए भेजे गए नामों की जानकारी देने से किया इन्कार

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में जजों के रूप में नियुक्ति के लिए शीर्ष अदालत के वकीलों के नाम प्रस्तावित करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पत्र के बारे में सूचना के अधिकारी यानी आरटीआइ अधिनियम के तहत जानकारी देने से इन्कार कर दिया है।

एससीबीए अध्यक्ष विकास सिंह ने इस संबंध में पत्र लिखने का दावा किया था, जिसके बाद वकील अमृतपाल सिंह खालसा ने शीर्ष अदालत से आरटीआइ के तहत इसकी जानकारी मांगी थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जो जानकारी मांगी गई है उसे तीसरे पक्ष की जानकारी होने के नाते आरटीआइ की धारा 8 (1) (ई) और धारा 11 (1) के प्रविधानों के तहत छूट दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट के एडिशनल रजिस्ट्रार और सीपीआइओ अजय अग्रवाल ने कहा, 'रिकार्ड में ऐसा कुछ उपलब्ध नहीं है, जिसके आधार पर मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। अतः कोई सूचना नहीं है।' खालसा ने सीपीआइओ से एससीबीए की तरफ से 31 मई को भेजे गए पत्र के साथ ही ऐसा कोई आदेश, पत्र, दस्तावेज या अन्य संबंधित जानकारी मांगी थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससीबीए के प्रस्ताव को मंजूरी देने की बात कही गई हो।


शीर्ष अदालत के वकीलों के नाम प्रस्तावित करने संबंधी एससीबीए के पत्र के बारे में मांगी गई थी जानकारी। जागरण आर्काइव

संघ प्रमुख के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएगा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

▸ 'सभी भारतीयों का डीएनए एक' को लेकर शुरू कर रहा है एक वर्षीय राष्ट्रीय अभियान

▸ संगठन को मजबूत करने के साथ हिंदू-मुस्लिम सद्भाव को प्रगाढ़ करने की होगी कोशिश

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार 'सभी भारतीयों का डीएनए एक है' को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) जन-जन तक पहुंचाएगा। इसके लिए 15 अगस्त से एकवर्षीय अभियान शुरू किया जा रहा है। इसको 'अपनी जड़ों से जुड़ें', 'बुजुर्गों से जुड़ें' और 'भारतीयता से जुड़ें' नाम दिया गया है। इसके तहत गोष्ठी, सेमिनार, बैठकों और मेलमिलाप के कार्यक्रमों के जरिये एकता के सूत्र प्रगाढ़ किए जाएंगे। बता दें कि इस माह के आरंभ में गाजियाबाद में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर संघ प्रमुख ने कहा था कि हम लोग एक हैं और हमारी एकता का आधार मातृभूमि है। हम सब समान पूर्वज के वंशज हैं।

एमआरएम के राष्ट्रीय संगठन संयोजक गिरीश जुआल ने बताया कि इस अभियान में इतिहासकार, बुद्धिजीवी, सामाजिक और धार्मिक संगठनों को भी जोड़ा जाएगा। इंटरनेट मीडिया का सहारा लिया जाएगा। इसे ग्राम स्तर तक ले जाते हुए मुस्लिम समुदाय में 'हम अलग' की भ्रम की स्थिति को दूर कर उनको वास्तविक पहचान से जोड़ने की कोशिश होगी। इसमें राष्ट्रीयता की भावना का पुट है। इसके साथ-साथ पूरे देश में संगठन को मजबूत करने की दिशा में समानांतर प्रयास होंगे।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में शनिवार को एक वर्चुअल बैठक भी हुई, जिसमें हर जिले में कम से कम 100 ऐसे लोगों की सूची तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है जिनका समाज पर प्रभाव हो। उनसे सार्थक विचार-विमर्श कर इस परायेपन को अपनेपन में बदलने की कोशिश होगी। इस बैठक की अध्यक्षता एमआरम के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार ने की। इसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, राज्य व प्रकोष्ठों के संयोजकों को मिलाकर 100 से अधिक लोग मौजूद रहे। इसमें नौ अगस्त से 24 अगस्त तक पाकिस्तान और चीन द्वारा देश के जमीन कब्जाने के खिलाफ अभियान चलाने का भी निर्णय हुआ है। इसके तहत पूरे पखवाड़े चीन और पाकिस्तान के पुतले जलाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश व बिहार से गए डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों को पाकिस्तान द्वारा नागरिकता न देने और उन्हें मुहाजिर कहने, अल्पसंख्यकों की भयावह स्थिति तथा पख्तून व बलोच समुदाय के साथ नाइंसाफी के खिलाफ आक्रोश जताया जाएगा। 14 अगस्त को विरोध प्रदर्शन अधिक होगा। 15 अगस्त को हर मोहल्ले में झंडारोहण कार्यक्रम कर राष्ट्रीयता की भावना को मजबूत करने का काम होगा।

पहल तेज

शिक्षा मंत्रालय ने डेढ़ से दो महीने में उच्च शिक्षण संस्थानों के शीर्ष खाली पदों को भरने के दिए संकेत

केंद्रीय विवि, आइआइटी व एनआइटी के भरे जाएंगे खाली पद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ-साथ आइआइटी व एनआइटी जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में भी शीर्ष के खाली पड़े पदों को भरने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने पहल तेज की है। साथ ही संकेत दिए हैं कि अगले डेढ़ से दो महीने के भीतर ऐसे सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के शीर्ष के खाली पड़े पदों को भर दिया जाएगा। मौजूदा समय में अकेले आइआइटी जैसे संस्थान में चेयरमैन के आठ व डायरेक्टर के पांच पद खाली पड़े हैं। वहीं, एनआइटी में चेयरमैन के 21 और डायरेक्टर के पांच पद खाली है। इन संस्थानों में शिक्षकों के भी पद बड़ी संख्या में खाली हैं। हालांकि, मंत्रालय का फोकस पहले शीर्ष पदों को भरने का है।

शिक्षा मंत्रालय में यह तेजी नए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आने के बाद दिखाई दे रही है। उन्होंने जिम्मेदारी संभालने के 15 दिनों के भीतर ही 12 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति को अंतिम रूप दिया है। हालांकि, इसके बाद भी जेएनयू, डीयू, बीएचयू सहित 10 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति होनी बाकी है। इस पर भी तेजी से काम चल रहा है। मौजूदा समय में देश में 23 आइआइटी और 31 एनआइटी मौजूद है। वहीं केंद्रीय विश्वविद्यालयों की संख्या करीब 50 है।

मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो उच्च शिक्षण संस्थानों में चेयरमैन सहित खाली पड़े सभी शीर्ष पदों को भरने के लिए जरूरी प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही इन्हें अंतिम रूप देने को कहा गया है। खास बात यह है कि इनकी नियुक्ति में कुछ देरी कोरोना संक्रमण के चलते भी हुई है, क्योंकि इस काल में नियुक्ति से जुड़ी गतिविधियों जैसे-कमेटी का गठन, इंटरव्यू आदि नहीं हो पाया था।

फिलहाल इन सभी में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय इस काम को इसलिए भी प्राथमिकता में रखकर चल रहा है, क्योंकि मौजूदा संसद सत्र में दोनों सदनों में अब तक शीर्ष के खाली पदों से जुड़े करीब आधा दर्जन सवाल पूछे जा चुके हैं।

▸ मौजूदा समय में अकेले आइआइटी में चेयरमैन के आठ और डायरेक्टर के पांच पद हैं खाली

▸ बीएचयू सहित 10 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में होनी बाकी है कुलपति की नियुक्ति


नए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आने के बाद शिक्षा मंत्रालय में दिखाई दे रही है तेजी। जागरण आर्काइव

जेएनयू, डीयू जैसे संस्थानों में शिक्षकों की भारी कमी

उच्च शिक्षण संस्थानों में शीर्ष के खाली पदों के साथ शिक्षकों की भारी कमी भी एक बड़ा विषय है। खासकर देश के शीर्ष संस्थानों में शुमार जेएनयू और डीयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्थिति सबसे खराब है। शिक्षकों की इन संस्थानों में भारी कमी है। संसद को दी गई जानकारी के मुताबिक जेएनयू में मौजूदा समय में शिक्षकों के कुल स्वीकृत पद 926 हैं, जबकि इनमें से 308 पद खाली हैं। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के कुल स्वीकृत पद 1706 है, जबकि 846 पद खाली पड़े हैं।

कह के रहेंगे

माधव जोशी



100 की आबादी वाले गांवों को उत्तराखंड में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने यह जानकारी दी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 25 जुलाई, 2021

गुजरात की राजनीति में फिर सक्रिय हो सकते हैं वजुभाई वाला


वजुभाई वाला। फाइल

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल वजुभाई वाला एक बार फिर गुजरात की राजनीति में सक्रिय हो सकते हैं। करडिया राजपूत समाज के बहाने वह अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने वाले हैं। कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल ने यह भी कहा है कि वह जनसंघ एवं भाजपा के कार्यकर्ता थे, हैं और रहेंगे। गुजरात में भाजपा की जो भी अपेक्षा होगी, वह उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। सितंबर 2014 से जुलाई 2021 तक कर्नाटक के राज्यपाल रह चुके वजुभाई गुजरात की राजनीति में बड़ी हस्ती माने जाते हैं। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के बाद सौराष्ट्र में वजुभाई को दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत केशुभाई पटेल सौराष्ट्र के थे और उनके निधन के बाद उनकी बराबरी का कोई दूसरा पाटीदार नेता खड़ा नहीं हो सका।

वजुभाई के बयान का राज्य की भावी राजनीति पर क्या असर पड़ेगा, कहना मुश्किल है। गुजरात में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि भाजपा में भी काफी उथल-पुथल हो सकती है। पार्टी नेताओं का मानना है कि केंद्रीय आलाकमान कभी भी कोई बड़ा बदलाव कर सकता है। इसके पीछे पाटीदार वोट बैंक की राजनीति की खासी भूमिका रहेगी।

जातीय जनगणना को बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में जदयू

अलग राह ▶ नीतीश बोले, जाति आधारित जनगणना पर फिर से विचार करे केंद्र सरकार

▶ दिल्ली में जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में इस मुद्दे पर हो सकता है विमर्श

राज्य ब्यूरो, पटना

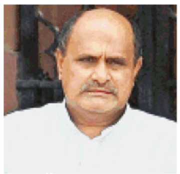
केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना की बात से इन्कार के बाद बिहार में सत्तारूढ़ दो बड़े दलों के रुख अलग-अलग हैं। तीन दिनों की चुप्पी के बाद शनिवार को जदयू ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है, जबकि भाजपा खेमे में अभी भी चुप्पी है। कोई बड़ा नेता इस संवेदनशील मुद्दे पर मुंह खोलने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि जदयू के रवैये से साफ है कि वह इस मुद्दे को बड़े स्तर पर उभारने की तैयारी में है। जदयू की दूसरी-तीसरी पंक्ति के नेताओं के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी साफ-साफ इजहार कर दिया है। 31 जुलाई को दिल्ली में प्रस्तावित जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी इस मसले पर विमर्श हो सकता है।

पटना में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जातिगत जनगणना जरूरी है। केंद्र सरकार अपने निर्णय पर फिर से विचार करे। उन्होंने कहा कि 2019 एवं 2020 में बिहार विधानमंडल में जाति आधारित जनगणना पर सभी दलों की आमराय बनी थी।

उन्होंने कहा कि मेरे दिमाग में तो यह बात 1990 से ही है। इसलिए केंद्र सरकार से आग्रह है कि देश में एक बार जाति आधारित जनगणना जरूर कराई जाए, ताकि अनुसूचित जाति-जनजाति के अलावा अन्य गरीब-गुरबों की संख्या के बारे में जानकारी मिल सके। यह सबके हित में भी होगा। सही संख्या मालूम होने से उनसे संबंधित योजनाएं सही तरीके से बन सकेंगी। उस पर काम हो सकेगा।

मोर-कौए गिने जा रहे पर आदमी नहीं : त्यागी

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि जातिगत जनगणना के मसले पर इस बार आर-पार होगा। यह क्या बात हुई कि मोर और कौए तक गिने जा रहे और देश की 50 फीसद आबादी की संख्या बताने पर आपत्ति है। त्यागी ने कहा कि संसद में इस मसले पर दो दर्जन बार से ज्यादा चर्चा हो चुकी है। त्यागी ने कहा कि जस्टिस जी रोहिणी कमीशन का कार्यकाल 11वीं बार बढ़ाया गया है। हमारी मांग है कि जल्द इसकी रिपोर्ट जारी हो। कांग्रेस और भाजपा की भी सहमति रही है। त्यागी ने कहा कि व्यवस्था के पोषक तत्व जनगणना के आंकड़े से डरते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछड़े व अतिपिछड़े वर्ग के सशक्तिकरण का काम हुआ है। जनगणना हुई तो इनकी संख्या बढ़ेगी। इनके लिए आरक्षण बढ़ाने की मांग भी बढ़ेगी।


केसी त्यागी। फाइल/इंटरनेट मीडिया

भाजपा ने साधी चुप्पी

लोकसभा में केंद्र सरकार के जवाब के बाद बिहार भाजपा में असमंजस की स्थिति है। कोई भी बड़ा नेता इस मुद्दे पर बोलने के लिए तैयार नहीं है। ऐसा इसलिए है कि बिहार विधानमंडल में दो-दो बार जदयू समेत अन्य दलों के स्वर में स्वर मिलाकर भाजपा के सदस्यों ने भी जातिगत जनगणना के पक्ष में अपना समर्थन दिया था। 2019 और 2020 में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने इस संबंध में प्रस्ताव पास कर केंद्र सरकार को भेजा था। किंतु अब केंद्र सरकार के इन्कार के बाद प्रदेश भाजपा के नेताओं ने चुप्पी साध ली है। प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल और राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी से जब बात की गई तो उन्होंने किसी भी प्रकार की टिप्पणी से इन्कार कर दिया।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर दुविधा में नेतृत्व

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

यूं तो कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है लेकिन पहले कुछ पार्टी नेताओं के उतावलेपन ने और फिर प्रकृति ने इस प्रक्रिया को थोड़ा थाम दिया है। हालांकि खुद मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की ओर से बार-बार संदेश दिया जा रहा है कि आलाकमान के निर्देश का तत्काल पालन होगा। लेकिन जिस तरह कुछ इलाकों मे बाढ़ की स्थिति है और कुछ नेता अपने बयानों के कारण कठघरे में हैं उसके बीच बदलाव को उचित नहीं माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल कोई समय सीमा तय नहीं है।

पिछले हफ्ते येदियुरप्पा के दिल्ली दौरे और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद उन्होंने विधायक दल की बैठक बुलाई थी उससे माना जाने लगा था कि संभवतः उसी दिन प्रदेश सरकार में नेतृत्व बदलाव की घोषणा भी होगी। लेकिन जिस तरह येदियुरप्पा सरकार के कुछ मंत्री, कथित तौर पर प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील समेत कुछ नेताओं के भड़काऊ बयान सामने आए उससे स्थिति बिगड़ गई।

भाजपा नेतृत्व की सोच यह थी कि मुख्यमंत्री का बदलाव इस कदर हो कि येदियुरप्पा से जुड़े प्रभावी लिंगायत समुदाय की संवेदना न आहत हो। प्रदेश के नेताओं के उतावलेपन ने उस पर पानी फेर दिया। दरअसल वहां कई नेता खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल मान रहे हैं। येदियुरप्पा के समर्थन में लिंगायत धर्मगुरु उतरे तो सरकार के कुछ मंत्रियों ने उनकी भी आलोचना कर दी। यह जानते समझते हुए कि प्रदेश की राजनीति में मठों की खासी भूमिका होती है। रही सही कसर प्रकृति ने पूरी कर दी। कर्नाटक के कई स्थानों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति है। येदियुरप्पा की आयु का हवाला तो दिया जा रहा है लेकिन वह खुद सक्रियता के साथ दौरा करने में जुटे और सभी मंत्रियों व विधायकों को भी निर्देश दे दिया कि वे अपने अपने जिलों में राहत कार्य की निगरानी करें। एक दिन पहले ही वे अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ बंगलुरु स्मार्ट सिटी निर्माण की समीक्षा करने भी पहुंच गए। सरकार के दो साल पूरे होने पर बुलाई गई विधायक दल की बैठक पहले ही स्थगित की जा चुकी है। संदेश साफ है कि येद्युरप्पा को जबरन हाशिए पर नहीं डाला जा सकेगा। हालांकि 2011 से परे इस बार येदियुरप्पा कोई हठ नहीं दिखाना चाहते हैं लेकिन पार्टी नेतृत्व को उन्हें न सिर्फ विश्वास में लेना होगा बल्कि ऐसा दिखाना भी होगा। देर सबेर नेतृत्व परिवर्तन होना है लेकिन इसमें येदियुरप्पा को शामिल करना होगा। ऐसे में उन कुछ लोगों की बलि भी चढ़ सकती है जिनका बड़बोलापन पूरी योजना पर पानी फेर रहा है।

बतौर मुख्यमंत्री सोमवार को अंतिम दिन संभव : येदियुरप्पा

बेंगलुरु, प्रेट्र : राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि बतौर मुख्यमंत्री सोमवार को उनका अंतिम दिन हो सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के पहले दिन से ही मुझे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से कहा कि उन्हें गर्व है कि शिवमोगा जिले और अपने निर्वाचन क्षेत्र शिकारीपुरा में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर यहां के लोगों का कर्ज चुकाने का प्रयास किया। उन्होंने लोगों से कहा कि सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उनका आखिरी दिन हो सकता है। येदियुरप्पा ने हाल ही में कहा था कि केंद्रीय नेतृत्व उन्हें 25 जुलाई को जो काम सौंपेगा उस पर वे 26 जुलाई से काम शुरू कर देंगे। येद्दियुरप्पा की सरकार 26 जुलाई को दो साल पूरे करेगी। येदियुरप्पा 1983 में पहली बार शिकारीपुरा विस क्षेत्र से चुने गए थे। वे इस सीट से आठ बार चुनाव जीते हैं। मुख्यमंत्री के बड़े बेटे बीवाई राघवेंद्र शिवमोगा लोस क्षेत्र से सांसद हैं।

केंद्रीय नेतृत्व ने नहीं दी कोई जानकारी : प्रल्हाद जोशी

हुबली, प्रेट्र : केंद्रीय कोयला, खनन और संसदीय मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के स्थान पर उनकी ताजपोशी के बारे में केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें कोई जानकारी नहीं दी है। इस बारे में मीडिया में ही चर्चा हो रही है। यह पूछे जाने पर कि यदि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो क्या होगा इस पर उन्होंने कहा कि अवधारणा पर आधारित इस तरह के सवालों का वह कोई जवाब नहीं देना चाहते। एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए कहा गया है। भाजपा में भी हाईकमान है लेकिन यह पार्टी का शीर्ष नेतृत्व है। हमारी पार्टी में शीर्ष पर अलग-अलग समय में अलग-अलग नेता रहे हैं। कभी राजनाथ सिंह थे तो उनके बाद नितिन गडकरी ने कमान संभाली। उसके बाद अमित शाह और अब जेपी नड्डा है। इन सबसे ऊपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। यही लोग कर्नाटक पर कोई निर्णय लेंगे।

उत्तर प्रदेश के सत्ता संग्राम में अब छिड़ा 'धर्म-युद्ध'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सत्ता के लिए छिड़ा संग्राम उत्तर प्रदेश की राजनीति को अचानक धर्म-आस्था की राह पर ले आया है। गुरु पूर्णिमा हो या कोई भी अन्य पर्व, भाजपा उनमें हमेशा सक्रिय रही है, लेकिन इस बार जिस तरह से अभियान चलाकर एक-एक पदाधिकारी अनिवार्यता के साथ मठ-मंदिर पहुंचा और संत-महंत, धर्मगुरुओं की चरणवंदना की, उसके राजनीतिक निहितार्थ स्पष्ट हैं। खास बात तो यह है कि अपनी सेक्युलर छवि के लिए ही हमेशा चिंतित रहीं सपा और बसपा में भी इन दिनों राम और परशुराम की वंदना के लिए होड़ मची है।

2022 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव सभी दलों के लिए बेहद खास हैं। भाजपा को दोबारा सत्ता हासिल कर अपने सुशासन पर जनता की मुहर लगवानी है तो बसपा और कांग्रेस के सामने अस्तित्व के संकट से उबरने की चुनौती है। इधर, समाजवादी पार्टी को भी खिसकी जमीन फिर से पाने की चाहत है। ऐसे में सभी पार्टियां पूरा दमखम लगाना चाहती हैं, हर दांव आजमाना चाहती हैं। कृषि कानून विरोधी आंदोलनों को खूब हवा देने के बावजूद जिला पंचायत चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत को विरोधी दल रोक नहीं पाए। इधर, विकास कार्य और जनहित की नीतियों के अतिरिक्त सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ भाजपा अपनी जड़ें लगातार मजबूत करने के प्रयास में है। अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर, प्रयागराज में हुआ भव्य कुंभ और मथुरा-वृंदावन में कृष्णलीला सहित धार्मिक स्थलों का विकास कर सत्ताधारी दल बड़े वर्ग को धर्म-सूत्र में बांधकर अपने पाले में रखना चाहता है। इसी क्रम में पिछले दिनों भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में रणनीतिकारों ने गुरु पूर्णिमा के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर दी थी। उसी के तहत शनिवार को गुरु पूर्णिमा पर भाजपा के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को बतौर अभियान जिम्मेदारी सौंपी गई कि उनके क्षेत्र में जो भी मठ-मंदिर, धर्म स्थल हो, वहां जाकर संत-महंत, गुरुजन और धर्मगुरु का वंदन-सम्मान कर आशीर्वाद लेंगे। बेशक, पार्टी इसे पारंपरिक कार्यक्रम बता रही है, लेकिन वास्तव में इतने वृहद स्तर पर प्रायोजित तरीके से गुरु पूर्णिमा पहली बार मनाई गई है।

भाजपा का यह आयोजन इसलिए भी ध्यान खींचता है, क्योंकि बहुजन समाज पार्टी भी धर्म का दांव मजबूती से चलना चाहती है। शुक्रवार से ही ब्राह्मणों को जोड़ने के लिए पार्टी के महासचिव ने अयोध्या से प्रबुद्ध वर्ग गोष्ठियों की शुरुआत की है। उन्होंने न सिर्फ रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन किए, बल्कि कार्यक्रम के पोस्टर पर भगवान परशुराम का चित्र लगाते हुए उसे भगवा रंग में रंग डाला। इससे पहले समाजवादी पार्टी भी घोषणा कर चुकी है कि वह भगवान परशुराम की प्रतिमा लगवाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बीते दिनों चित्रकूट सहित कई मंदिरों में जाकर हिंदू समाज को संदेश देने का प्रयास कर चुके हैं। इसी तरह कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने भी साफ्ट हिंदुत्व की डगर पकड़ी है। वह प्रयागराज जाकर संगम में डुबकी लगा चुकी हैं। वह सहारनपुर स्थित शाकुंभरी देवी मंदिर में भी दर्शन को पहुंची थीं। इन सभी दलों के बीच छिड़ा धर्म-युद्ध भाजपा के वोटबैंक में सेंध का प्रयास माना जा रहा है।


लखनऊ में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हनुमान सेतु मंदिर में साधु-संतों के चरण पखार उनका अभिनंदन कर आशीर्वाद लेते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह। सौ. भाजपा मीडिया सेल

बौद्ध मंदिर और गुरुद्वारे भी गए स्वतंत्रदेव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार सुबह लखनऊ में लाटूश रोड के बौद्ध मंदिर, लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा और बड़ी काली जी मंदिर चौक में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। यहां साधु-संतों का आशीर्वाद लेकर उन्हें अंग वस्त्र व फूलमाला पहनाकर सम्मान-अभिनंदन किया। दोपहर में हनुमान सेतु मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने साधु-संतों व महात्माओं के चरण पखारे। उन्होंने कहा कि गुरुजन व साधु-संत, व्यक्ति और समाज के पथ प्रदर्शक होते हैं। देश व राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में साधु-संतों का अभिनंदन-वंदन करते हुए आशीर्वाद ले रहे हैं। स्वतंत्र देव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अयोध्या, मथुरा, काशी, विंध्य, चित्रकूट सहित धर्म व आध्यात्मिक चेतना के प्रमुख केंद्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक कदम उठाए हैं। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित भी उनके साथ थे।

ममता को 2024 में लगेगा 2019 से भी बड़ा झटका : दिलीप घोष

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी को शिकस्त देने के लिए विपक्षी दलों को गोलबंद करने में जुटीं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने शनिवार को करारा हमला बोला।

घोष ने कहा कि ममता इससे पहले भी विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद कर चुकी हैं, लेकिन इसका क्या परिणाम निकला यह पूरा देश जानता है। ममता को 2024 में 2019 से भी बड़ा झटका लगेगा, उसके लिए वह अभी से तैयार हो जाएं। यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में घोष ने कहा कि ममता ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरे देश भर से विपक्षी दलों के नेताओं को बुलाकर कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में महारैली की थी। इसके बाद क्या चुनाव नतीजे आए, यह सबके सामने हैं। तृणमूल लोकसभा में 34 सीटों से सिमट कर 22 पर आ गई। जो नेता यहां आए थे उसमें से कई दलों का तो अस्तित्व ही खत्म हो गया और वे वजूद बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले को ममता भेजेंगी रास

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल में राज्यसभा की एक सीट पर नौ अगस्त को होने वाले उपचुनाव के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शनिवार को अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी। तृणमूल ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर इसकी जानकारी दी है। पार्टी ने पूर्व आइएएस अधिकारी और प्रसार भारती के पूर्व सीईओ जवाहर सरकार को उम्मीदवार बनाया है।


जवाहर सरकार। सौ. इंटरनेट मीडिया

विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले दिनेश त्रिवेदी के त्यागपत्र के बाद बंगाल से राज्यसभा की यह सीट खाली हुई थी। बंगाल चुनाव में प्रचंड जीत के बाद से लगातार अटकलें चल रही थीं की तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी इस सीट से वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को राज्यसभा में भेज सकती हैं, जो चुनाव से पहले पार्टी में शामिल हुए थे। सिन्हा के अलावा मुकुल राय के नाम की भी चर्चा थी। मगर तृणमूल ने पूर्व नौकरशाह जवाहर सरकार के नाम की घोषणा कर सबको चौंका दिया है।

बताते चलें कि जवाहर सरकार केंद्र की मोदी सरकार के आलोचक माने जाते हैं। वह इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर आपत्तिजनक भाषा और प्रतीकों का इस्तेमाल भी करते रहे हैं। माना जा रहा है कि इसी सब को देखते हुए मोदी सरकार व भाजपा की धुर विरोधी ममता ने राज्यसभा के लिए जवाहर सरकार को नामित कर बड़ा दांव चला है। बता दें कि आंकड़ों के हिसाब से सरकार का राज्यसभा में जाना अब तय माना जा रहा है, क्योंकि यह सीट तृणमूल के ही पास थी। हालांकि भाजपा भी उम्मीदवार उतारेगी, जिसकी घोषणा वह पहले ही कर चुकी है। यदि चुनाव की भी नौबत आती है तो माना जा रहा है कि सरकार आसानी से जीत जाएंगे।

कांग्रेस ने भूपेन बोरा को असम प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने राज्यसभा सदस्य रिपुन बोरा को हटाते हुए भूपेन बोरा को पार्टी की असम इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। विभिन्न इकाई में बदलाव जारी रखते हुए पार्टी विज्ञप्ति में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भूपेन बोरा को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही राणा गोस्वामी, कमलाख्या देवी पुरकायस्थ और जाकिर हुसैन सिकदर को कार्यकारी अध्यक्ष नामित किया है। पार्टी ने अध्यक्ष पद से अलग हुए रिपुन बोरा के योगदान की सराहना की है। भूपेन बोरा और राणा गोस्वामी को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सचिव पद से मुक्त कर दिया गया है।

विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद प्रदेश इकाई में सांगठनिक बदलाव किए जा रहे हैं। भाजपा को सत्ता में दोबारा आने से रोकने के लिए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बरुद्दीन अजमल की अगुआई वाली एआइयूडीएफ और कुछ अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन किया था।

उत्तराखंड में चुनावी चेहरे पर निर्णय लेगा कांग्रेस हाईकमान

▶ पांच अध्यक्षों को आगे कर सबको साधने की कोशिश चेहरे पर अटकी

राज्य ब्यूरो, देहरादून

उत्तराखंड में पांच अध्यक्षों को आगे कर सबको साधने की कांग्रेस की कोशिश चुनावी चेहरे के सवाल पर उलझने लगी है। चेहरे को लेकर पिछले लंबे समय से चल रही तकरार प्रदेश कांग्रेस में बड़े बदलाव के बाद भी थमती नहीं दिख रही है। हालात ऐसे ही रहने की स्थिति में पार्टी हाईकमान के स्तर से निर्णायक फैसले की नौबत आ सकती है।

विधानसभा चुनाव का वक्त जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, प्रदेश में कांग्रेस के भीतर चेहरे को लेकर लड़ाई और तेज होने लगी है। हालांकि पार्टी हाईकमान नए बदलाव के साथ कई संकेत दे चुका है। चुनाव प्रचार की कमान पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय महासचिव को सौंपकर पार्टी ने जता दिया है कि उसे राज्य में अपने इसे बड़े चेहरे पर भरोसा है। साथ ही पार्टी ने सामूहिक नेतृत्व को लेकर अपना पुराना रुख भी बरकरार रखा है। प्रदेश संगठन में बड़े बदलाव के समीकरण बैठाते वक्त पार्टी नेतृत्व ने गुट विशेष की जगह सभी को साथ लेकर चलने पर जोर दिया है।

उत्तराखंड के भीतर उठने वाले शोर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अंजाम दी गई कसरत के बावजूद पार्टी की उलझन कम नहीं हुई है। चुनावी चेहरे के सवाल पर पार्टी खेमों में बंटी है। चुनाव प्रचार समिति की कमान हरीश रावत को सौंपे जाने और उनकी पसंद को प्रदेश अध्यक्ष पद पर तरजीह मिलने के बाद रावत खेमा खासा उत्साहित है। रावत समर्थकों का मानना है कि पार्टी ने अगले विधानसभा चुनाव की बागडोर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के सुपुर्द कर दी है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल कह चुके हैं कि हरीश रावत प्रदेश में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं। प्रदेश अध्यक्ष पद से हटने के बाद नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में आए प्रीतम सिंह दोहरा रहे हैं कि पार्टी अगला चुनाव किसी चेहरे के बजाय सामूहिक नेतृत्व में लड़ेगी।

कैप्टन से मतभेद वाले मुद्दे हाईकमान के 18 सूत्रीय एजेंडे में शामिल : सिद्धू

जागरण टीम, रूपनगर : पंजाब कांग्रेस के नए अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ उनका मतभेद केवल मुद्दों को लेकर था। इन सभी मुद्दों को कांग्रेस हाईकमान ने 18 सूत्रीय एजेंडे (कार्यक्रम) में शामिल कर उन्हें पूरा करने के लिए सरकार को कहा है। सिद्धू ने दावा किया कि इन मुद्दों और वादों को पूरा करके 2022 में पंजाब में फिर कांग्रेस की सरकार बनाई जाएगी। वह यहां कैबिनेट मंत्री चरनजीत सिंह चन्नी के आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे।

सिद्धू ने कहा कि उनके पास पंजाब को खुशहाल बनाने वाला पंजाब माडल है, जिसके आगे गुजरात और दिल्ली माडल फेल हैं। इस पर जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के आरोपितों, बड़े नशा तस्करों और रेत माफिया को सजा दिलाना उनका मुख्य उद्देश्य है। बेअदबी मामले में धरना दे रहे दो सिख युवाओं की गोली लगने से हुई मौत के लिए तत्कालीन अकाली सरकार जिम्मेदार है। अगर वह गुरु की बेअदबी करने वालों को सजा न दिला सके तो फिर उनके अध्यक्ष होने के कोई मायने नहीं होंगे।

सिद्धू ने कार्यकारी अध्यक्ष कुलजीत नागरा व अन्य नेताओं सहित चमकौर साहिब में ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री कत्लगढ़ साहिब और मोरिंडा के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री कोतवाली साहिब में माथा टेका। उन्होंने कहा कि यह धरती सब कुछ कुर्बान करने की प्रेरणा देती है।

किसान मुद्दों पर बोलते हुए सिद्धू ने कहा कि किसान उनकी पगड़ी हैं। न्योता मिलने पर वह नंगे पैर आंदोलन में जाकर किसानों से आशीर्वाद लेंगे। और कृषि कानूनों को रद करवाने के लिए पूरा जोर लगा देंगे।

किसानों ने दिखाए काले झंडे

परंतु दूसरी तरफ मोरिंडा से चमकौर साहिब जाते समय रास्ते में किसानों ने काले झंडे दिखाकर सिद्धू का विरोध किया। किसानों के अलावा ठेका मुलाजिम संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने भी सिद्धू और चन्नी के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, चन्नी ने कहा कि विरोध करने वाले किसान नहीं हैं। आप और अकाली दल ने विरोध के लिए किसानों के रूप में इन लोगों को भेजा है।

रणनीति

बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान काफी लोकप्रिय हुआ था यह नारा, अब लोकसभा चुनाव में इसे जीत का मंत्र बनाना चाहती हैं ममता

'खेला होबे' के नारे से दिल्ली फतह की जुगत

विशाल श्रेष्ठ, कोलकाता

जिस 'खेला होबे' के नारे से तृणमूल कांग्रेस को बंगाल विधानसभा चुनाव में जबरदस्त सफलता मिली, उस नारे को अब मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत का मंत्र बनाना चाहती हैं। गत 21 जुलाई को शहीद दिवस पर अपने वर्चुअल संबोधन में ममता ने इसके साफ संकेत दे दिए हैं। उन्होंने कहा था-'एबार दू हजार चौबीसे खेला होबे यानी अब 2024 में खेल होगा।' इतना ही नहीं, उन्होंने बंगाल में 16 अगस्त को 'खेला होबे' दिवस के तौर पर मनाने की भी घोषणा की है।

सियासी विश्लेषकों का कहना है कि देश के चुनावी इतिहास में यह पहला मौका होगा, जब विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल किए गए किसी नारे का लोकसभा चुनाव में प्रयोग करने की तैयारी चल रही है। दिलचस्प बात यह है कि विधानसभा चुनाव में इस नारे का इस्तेमाल सत्ता बचाने के लिए किया गया था, जबकि लोकसभा चुनाव में इसे सत्ता से हटाने के लिए प्रयोग में लाया जाएगा।

सियासी विश्लेषक हालांकि इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि बंगाल में बेहद असरदार साबित हुआ यह नारा लोकसभा चुनाव में कितना प्रभावी रहेगा। कुछ राज्यों में अभी से इसका इस्तेमाल होना शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश के कानपुर और वाराणसी में समाजवादी पार्टी की तरफ से 'खेला होई' लिखे पोस्टर लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है।

कहते हैं कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। अगर वहां यह नारा कारगर साबित हो जाता है तो लोकसभा चुनाव में भी यह असर दिखा सकता है।

बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान यह नारा इतना लोकप्रिय हुआ था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तक अपने चुनावी भाषणों में इसका इस्तेमाल किए बिना नहीं रह पाए थे। मगर इस पर सिर्फ तृणमूल कांग्रेस का कापीराइट हो गया है।


ममता बनर्जी ने बंगाल में 16 अगस्त को 'खेला होबे' दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा की है। फाइल/इंटरनेट मीडिया

क्या है 'खेला होबे'

'खेला होबे' मूल रूप से बांग्लादेशी नारा है। वहां की पार्टी अवामी लीग के सांसद शमीम उस्मान ने यह नारा दिया था। इस नारे को बंगाल के देबांग्शु भट्टाचार्य नामक युवक ने गाने का रूप दे दिया, जो हिट हो गया। तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल ने इस नारे को बंगाल में छेड़ा, जो धीरे-धीरे जोर पकड़ने लगा और चुनावी मौसम में पूरी तरह छा गया। देबांग्शु वर्तमान में तृणमूल नेता हैं और वह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इस गाने का हिंदी संस्करण तैयार कर रहे हैं।

राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार माह के अंत में होने की उम्मीद

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान में अशोक गहलोत मंत्रिमंडल का विस्तार इस माह के अंत में होने की उम्मीद है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी अजय माकन रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से चर्चा करेंगे। संभव है कि नए बनने वाले मंत्रियों की संख्या और उनके नाम पर फैसला हो जाए।

सूत्रों के अनुसार पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दिल्ली जाने का कार्यक्रम था, लेकिन अब वेणुगोपाल और माकन जयपुर में ही उनके साथ चर्चा करेंगे। दोनों नेता सचिन पायलट के साथ दिल्ली में बैठक कर चुके हैं। अब वे पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का संदेश लेकर रविवार को गहलोत से बात करेंगे। सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही राजनीतिक नियुक्तियों के लिए नाम भी तय होने की उम्मीद है। दरअसल, पायलट खेमे के लगातार दबाव और प्रभारी मानक के बार-बार आश्वासन के बावजूद मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों पर तैयार नहीं थे। अब सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद वह तैयार हो गए हैं। हालांकि मंत्रियों की संख्या को लेकर खींचतान बरकरार है।

200 सदस्यीय विधानसभा के 15 फीसद के हिसाब से सरकार में 30 मंत्री बनाए जा सकते हैं। वर्तमान में सीएम के अतिरिक्त 20 मंत्री हैं। यानी नौ नए मंत्री बनाए जा सकते हैं। गहलोत चाहते हैं कि पायलट की बगावत के समय उनके साथ रहने वाले बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए छह में से दो और 13 निर्दलीय विधायकों में से दो को मंत्री बनाया जाए। वह कांग्रेस के दो से तीन समर्थक विधायकों को भी मंत्री बनाना चाहते हैं। वह पायलट खेमे को दो या तीन से ज्यादा मंत्री पर देने के मूड में नहीं हैं। दूसरी तरफ, पायलट खेमा चार से पांच मंत्री मांग कर रहा है।

8 महीने में मिशन रोजगार के तहत उप्र में 33,700 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की ओर से शनिवार को विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया गया।

बांडीपोरा के जंगल में छिपे तीन आतंकी ढेर

कार्रवाई ▶ लश्कर के आंतकियों से मुठभेड़ में एक सैनिक घायल, बचे आतंकियों को भी सुरक्षाबलों ने घेरा

आपरेशन में खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली, बांडीपोरा में दो वर्षों के दौरान पहली मुठभेड़

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

सुरक्षाबलों ने शोकबाबा (बांडीपोरा) में शनिवार को लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकियों को मार गिराया। इस दौरान एक सैन्यकर्मी भी जख्मी हो गया। फिलहाल, मारे गए आतंकियों के जिंदा बचे साथियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। बांडीपोरा में दो वर्षों के दौरान यह पहली मुठभेड़ है। इससे पूर्व 11 नवंबर 2019 को बांडीपोरा क्षेत्र में मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए थे।

जानकारी के अनुसार, अरीन सुमलर से सटे शोकबाबा जंगल में आतंकियों के छिपने की सूचना पर तड़के पुलिस ने सेना की 13 व 14 आरआर और सीआरपीएफ के जवानों के साथ तलाशी अभियान चलाया। जंगल में तलाशी लेते हुए जवान जब आगे बढ़ रहे थे तो वहां छिपे आतंकियों ने देख लिया और गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें सेना का एक जवान जख्मी हो गया। घायल जवान को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।



जम्मू-कश्मीर के बांडीपोरा में शनिवार को आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान मोर्चा संभालते सेना के जवान। एएनआइ

> शोकबाबा जंगल में जारी मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गए हैं। उनकी पहचान का पता लगाया जा रहा है। इस दौरान सेना का एक जवान भी जख्मी हुआ है। जंगल में कुछ और आतंकियों के छिपे होने की आशंका के आधार पर यह अभियान जारी रखा गया है। -विजय कुमार, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर

सुबह छह बजे शुरू हुई मुठभेड़ में अगले तीन घंटे में दो आतंकी मारे गए। इसके साथ ही आतंकियों की तरफ से गोलीबारी बंद हो गई। जवानों ने सावधानीपूर्वक आगे बढ़ते हुए तलाशी ली तो उन्हें वहां गोलियों से छलनी दो आतंकियों के शव और हथियार मिले। मुठभेड़स्थल पर एक जगह बड़ी मात्रा में खून भी बिखरा पड़ा मिला। इसके आधार पर जवानों ने अनुमान लगाया कि मारे गए आतंकियों का कोई साथी जख्मी है और उसे अन्य साथी अपने साथ लेकर भागे हैं। जवानों ने खून के धब्बों के आधार पर जंगल में अपना तलाशी अभियान जारी रखा। इसमें खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद भी ली गई।

दोपहर साढ़े तीन बजे जवानों ने पहले मुठभेड़स्थल से करीब छह-सात किलोमीटर की दूरी पर आतंकियों को दोबारा घेर लिया। इसके साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। शाम करीब छह बजे एक आतंकी और मारा गया है।

बारूदी सुरंग में विस्फोट से जवान शहीद, एक जख्मी

जागरण संवाददाता, पुंछ

पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में शुक्रवार की रात को नियंत्रण रेखा पर बारूदी सुरंग फटने से सेना का एक जवान शहीद हो गया। हादसे में एक अन्य जवान जख्मी भी हुआ है। उसे सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, सेना का एक गश्ती दल कृष्णा घाटी सेक्टर में रात को नियंत्रण रेखा के नजदीक इलाके में गश्त कर रहा था। इसी दौरान जवान कमल देव वैद्य का पैर गलती से बारूदी सुरंग पर पड़ गया। इससे सुरंग में विस्फोट हो गया। भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ को रोकने के लिए नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंगें बिछा रखी हैं। इन्हीं में से एक सुरंग में विस्फोट हुआ है। हादसे में कमल देव और एक अन्य जवान जख्मी हो गए। हादसे के तुरंत बाद साथी जवानों ने दोनों को सैन्य चिकित्सा केंद्र में पहुंचाया। यहां 27 वर्षीय कमल को शहीद घोषित कर दिया गया। वह हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर जिले के रहने वाले थे। वहीं, इस हादसे में घायल जवान सेना के अस्पताल में भर्ती है। हादसे के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।



जम्मू कश्मीर के मनकोट सेक्टर में बारूदी सुरंग फटने से शहीद हुए हमीरपुर जिले के जवान कमलदेव का फाइल फोटो। सौ. स्वजन

पाकिस्तानी ड्रोनों को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ही मार गिराने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- डीआरडीओ की एंटी ड्रोन प्रणाली का जम्मू संभाग में अगले पखवाड़े में होगा परीक्षण
- सेना ने पुंछ में एलओसी पर कुछ जगह इलेक्ट्रो आप्टिक ड्रोन प्रणाली लगाई

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने वाले पाकिस्तानी ड्रोनों को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ही मार गिराने की तैयारी शुरू हो गई है। ड्रोन हमलों के खतरे से निपटने लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित एंटी ड्रोन प्रणाली का जम्मू संभाग में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण के आधार पर ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) इसे स्थापित करने के बारे में अंतिम फैसला लेगा। यह परीक्षण अगले पखवाड़े में पूरा कर लिया जाएगा।

डीआरडीओ की मौजूदा एंटी ड्रोन प्रणाली चार किलोमीटर के दायरे में उड़ रहे ड्रोन का पता लगाने और दो किलोमीटर के दायरे में इसे जाम करने और एक से दो किलोमीटर की रेंज में उसे मार गिराने में सक्षम है। इस बीच, सेना ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कुछ जगहों पर इलेक्ट्रो आप्टिक ड्रोन प्रणाली स्थापित की है। यह प्रणाली करीब डेढ़ किलोमीटर की रेंज में ड्रोन का पता लगाकर उसका संचार तंत्र (सिग्नल) अवरुद्ध करने, उसे हवा में ही मार गिराने में सक्षम है। इसमें लेजर तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि डीआरडीओ द्वारा विकसित एंटी ड्रोन प्रणाली का जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक परिस्थितियों और बीएसएफ व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की आवश्यकता के अनुसार 'रियल टाइम आन ग्राउंड' परीक्षण होगा। अगर यह परीक्षण कामयाब रहा तो ही इसे स्थापित किया जाएगा। वहीं, परीक्षण में खामियां मिलने पर उनमें सुधार भी किया जाएगा।

कठुआ से लेकर जम्मू तक स्थान चिह्नित : सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ ने जम्मू संभाग में कठुआ से लेकर जम्मू जिले के कानाचक तक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुछ विशेष स्थानों को एंटी ड्रोन प्रणाली लगाने के लिए चिह्नित कर लिया है। इन स्थानों पर एंट्री ड्रोन प्रणाली को स्थापित करने से पहले इसका परीक्षण होगा। बीएसएफ ने इसके लिए डीआरडीओ को औपचारिक आग्रह करते हुए पत्र भी भेजा है। यह परीक्षण संभवतः सांबा सेक्टर में या इसके आसपास होगा।

बीएसएफ की यह हैं जरूरतें

- बीएसएफ चाहती है कि उसके पास जो एंटी ड्रोन प्रणाली हो वह अकेले या समूह में आने वाले अवांछित अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) का 10 सेकेंड में पता लगाकर उसे निशाना बनाने में सक्षम हो।
- यह प्रणाली स्टैंड एलोन प्लेटफार्म आधारित हो और रिचार्जेबल बैटरी से चलाए जाने में भी सक्षम हो।
- यह मल्टीकाप्टर, फिक्स्ड विंग यूएवी और रिमोट कंट्रोल से संचालित होने वाले यूएवी को किसी भी मौसमी परिस्थिति में रियल टाइम स्कैन करने, पता लगाने, पीछा करने और उसे मार गिराने की क्षमता रखती हो।
- एंटी ड्रोन प्रणाली ड्रोन के रेडियो सिस्टम और जीपीएस को पूरी तरह अवरुद्ध करने और उसे जमीन पर उतरने को मजबूर करने वाले संकेत जारी करने में समर्थ होनी चाहिए।

पंजाब में हो चुका परीक्षण : अधिकारी ने बताया कि डीआरडीओ की मौजूदा ड्रोन प्रणाली का गत वर्ष नवंबर-दिसंबर में अमृतसर के पास एक बार परीक्षण हो चुका है। हालांकि, नेशनल सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने भी इसका परीक्षण किया है, लेकिन वह इस समय इजराइल और अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराई गई एंटी ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर में बढ़ा है ड्रोन का खतरा : ड्रोन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। जम्मू कश्मीर में कई लोगों के पास ड्रोन हैं। हालांकि, प्रशासन ने इन पर रोक लगा दी है, लेकिन आतंकी तत्व कभी भी इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा सरहद पार से भी ड्रोन की घुसपैठ आए दिन हो रही है। इसलिए इस खतरे से निपटने लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां लगातार अत्याधुनिक तकनीक और उपकरणों के विकल्प को तलाश रही हैं।

बार-बार ड्रोन भेजने पर बीएसएफ की पाक को चेतावनी

जागरण संवाददाता, जम्मू : जम्मू में बार-बार साजिश के तहत पाक के ड्रोन भेजने और बढ़ती आतंकी गतिविधियों पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान रेंजर्स को खबरदार किया है। शनिवार को पाक रेंजर्स के आग्रह पर आरएसपुरा के सुचेतगढ़ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सेक्टर कमांडर स्तर की बैठक हुई। बीएसएफ से डीआइजी सुरजीत सिंह और पाक रेंजर्स से सेक्टर कमांडर सियालकोट सेक्टर ब्रिगेडियर मुराद हुसैन शामिल हुए। सरहद पर संघर्ष विराम समझौते की पुनः सहमति के बाद यह पहली सेक्टर कमांडर स्तर की बैठक थी। दोनों देशों के अधिकारियों ने सरहद पर शांति बहाली रखने पर भरोसा दिया। बीएसएफ अधिकारियों ने पाकिस्तानी रेंजर्स से भारतीय इलाकों में बार-बार ड्रोन, हथियार, मादक पदार्थ भेजे जाने की हरकतों पर कड़ा एतराज जताया। बैठक में पाक क्षेत्र से आतंकियों की घुसपैठ और सुरंग खोदने के मामलों को भी उठाया। बीएसएफ ने कहा कि इस तरह की साजिश से दोनों देशों के बीच शांति के प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा। यह निर्णय लिया कि जब भी आवश्यक हो, संचालन मामलों को हल करने के लिए फील्ड कमांडरों के बीच तत्काल संचार को सक्रिय किया जाए।

न्यूज गैलरी

मणप्पुरम गोल्ड दफ्तर में ढाई करोड़ रुपये के सोने की लूट

जालंधर: जालंधर में मणप्पुरम गोल्ड लोन के दफ्तर में छह लुटेरों ने करीब ढाई करोड़ रुपये का सोना और 2.35 लाख रुपये की नकदी लूट ली। लुटेरे 19 मिनट में वारदात को अंजाम देकर वहां से फरार हो गए। हथियारों से लैस लुटेरे ग्राहक बनकर मणप्पुरम गोल्ड लोन के दफ्तर में आए और कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इसके बाद वह दफ्तर में रखा सोना और नकदी लेकर फरार हो गए। (जासं)

कर्नाटक में बच्चे ने गणेश की मूर्ति निगली

बेंगलुरु: करीब पांच सेंटीमीटर लंबी गणेश की मूर्ति निगल लेने वाले तीन वर्षीय बच्चे को डाक्टरों ने चमत्कारिक रूप से बचा लिया। खेलते समय मूर्ति निगल लेने के बाद बच्चे के सीने में दर्द होने लगा और कुछ भी निगलने में कठिनाई हो रही थी। डाक्टरों ने फ्लेक्सिबल इंडोस्कोपिक तरीके का इस्तेमाल कर मूर्ति निकालने की योजना बनाई। एक घंटे के भीतर उसे इंडोस्कोपी सूट में ले जाया गया और एनेस्थेसिया देकर मूर्ति निकाल ली गई। तीन घंटे बाद वह खाने लगा। (एएनआइ)

इसरो जासूसी मामले में दाखिल की रिपोर्ट

नई दिल्ली: पूर्व इसरो विज्ञानी नंबी नारायणन को जासूसी के मामले में फंसाने में केरल के कुछ पुलिस अधिकारियों की कथित संलिप्तता से जुड़ी जांच की स्थिति रिपोर्ट सीबीआइ ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंप दी। (एएनआइ)

मुंबई में इमारत की सर्विस लिफ्ट गिरी, चार की मौत

मुंबई: नव निर्मित बहुमंजिली इमारत के निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सर्विस लिफ्ट के गिर जाने से चार लोगों की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बीएमसी की आपदा नियंत्रण इकाई ने जानकारी दी। (आइएएनएस)

इंजीनियर की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

मुंबई: अदालत ने एक अमेरिकी प्रतिष्ठान को उड़ाने की साजिश रचने के आरोपित साफ्टवेयर इंजीनियर अनीस अंसारी की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अनीस को अक्टूबर 2014 में गिरफ्तार किया गया था। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते ने कोर्ट को बताया कि जब अनीस एक निजी कंपनी में काम कर रहा था तब उसने एक फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया था और आपत्तिजनक सामग्री प्रकाशित की थी। (प्रेट्र)

महाराष्ट्र में लापता लोगों को तलाश रहा दल

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं नौसेना की टीमें जुटी हुई है राहत कार्य में
- पश्चिम महाराष्ट्र के 90 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

पिछले चार दिनों से हो रही मूसलधार बारिश के कारण बाढ़ग्रस्त पश्चिम महाराष्ट्र के तीन जिलों से 90,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दूसरी ओर गुरुवार को कई स्थानों पर हुईं भूस्खलन की घटनाओं में अब भी दर्जनों लोग लापता हैं। राहत एवं बचाव में लगी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं नौसेना की टीमें उन्हें तलाशने में लगी हैं।

भारी बारिश के कारण पश्चिम महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली एवं सतारा जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सतारा जिला स्थित हिल स्टेशन महाबलेश्वर में पिछले चार दिनों में 1,859 मिमी. बारिश रिकार्ड की गई है। पश्चिम महाराष्ट्र एवं उससे सटे कोंकण क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी भारी बारिश हुई है। इस कारण इस क्षेत्र की दो प्रमुख नदियां कृष्णा एवं कोयना उफान पर हैं। इन नदियों का जलस्तर बढ़ने से कोल्हापुर, सांगली एवं सतारा में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इन जिलों के सैकड़ों गांव जलमग्न हैं। अब तक बाढ़ग्रस्त सांगली से 42,573, कोल्हापुर से 40,882 एवं सतारा से 734 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। कोल्हापुर में पंचगंगा नदी के राजाराम बांध का जलस्तर कल के 56.3 फुट से कुछ नीचे आया है। लेकिन स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। राज्य के जल आपूर्ति मंत्री जयंत पाटिल के अनुसार कर्नाटक ने अपने अलमाट्टी बांध से पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। इससे कोल्हापुर में बाढ़ की स्थिति में एक-दो दिन में सुधार हो सकता है। बता दें कि पश्चिम महाराष्ट्र से जल का बहाव कर्नाटक के अलमाट्टी बांध की ओर होता है। लोगों को बाढ़ से राहत दिलाने के लिए एनडीआरएफ की तीन और यूनिट एवं सेना की एक यूनिट कोल्हापुर पहुंच गई हैं। केंद्र की ओर से एनडीआरएफ की चार और टीमें कोल्हापुर पहुंच रही हैं।



महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शनिवार को बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान चलाया गया। एपी

दूसरी ओर कोंकण एवं पश्चिम महाराष्ट्र के जिलों में बुधवार एवं गुरुवार को हुई भूस्खलन की घटनाओं में अब भी दर्जनों लोग लापता बताए जा रहे हैं। रत्नागिरी के खेड़ गांव में अभी 13, सतारा के आंबेघर में छह एवं रायगढ़ के तालिये गांव में 41 लोग लापता हैं। भूस्खलन से तालिये गांव ही सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है। यहां अब तक 41 शव निकाले जा चुके हैं। आइएएनएस के अनुसार, महाराष्ट्र के नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने एलान किया कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को मुफ्त खाद्य सामग्री और केरोसिन मुहैया कराएगी।

प्रत्येक व्यक्ति का समुचित पुनर्वास सुनिश्चित करेगी सरकार : उद्धव

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को मुख्य सचिव सीताराम कुंटे एवं कुछ अन्य मंत्रियों के साथ तालिये गांव का दौरा किया। उन्होंने गांव के लोगों से कहा कि आपने बड़ी विपदा सही है। अब आप अपना ख्याल रखिए। बाकी सब सरकार पर छोड़ दीजिए।

जेईई-मेन देने वाले महाराष्ट्र के छात्रों को शिक्षा मंत्री ने दी बड़ी राहत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भारी बारिश और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं से घिरे महाराष्ट्र के सात जिलों के छात्रों को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को बड़ी राहत दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि ऐसे संकट के समय में जो छात्र 25 जुलाई से शुरू हो रही इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश की संयुक्त प्रवेश परीक्षा-मुख्य (जेईई-मेन) के तीसरे सत्र में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, वे बिल्कुल भी चिंता न करें। उन्हें परीक्षा के दूसरे अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जल्द ही इसके कार्यक्रम का एलान करेगी। देश भर में 25 जुलाई से शुरू हो रही है।

बंगाल की युवती से अनूप ने दुष्कर्म किया और उसके पैसे छीने : पुलिस

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

दिल्ली से सटे बहादुरगढ़ (झज्जर) के टीकरी बार्डर पर स्थित आंदोलनस्थल पर बंगाल की युवती से दुष्कर्म के आरोपितों में से एक अनूप सिंह की अग्रिम जमानत याचिका का हरियाणा सरकार ने विरोध किया है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में दायर स्टेटस रिपोर्ट में कहा है कि अनूप ने युवती से दुष्कर्म किया और उसके पैसे भी छीन लिए, ताकि कहीं जा न सके। मुख्य आरोपित अनिल मलिक ने पूछताछ में इसे स्वीकार किया है। दुष्कर्म के कुछ दिन बाद पीड़िता की कोरोना संक्रमण के कारण मौत हो गई थी।

स्टेटस रिपोर्ट के मुताबिक अनिल मलिक ने पुलिस को बताया है कि अनूप ने युवती से दुष्कर्म किया व वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। उसने कई बार उसका यौन शोषण किया। अनूप ने युवती से उसके पैसे भी छीन लिए थे ताकि वह कहीं जा न सके। अनूप व उसके साथी युवती को कई अन्य स्थान पर लेकर गए व उसका यौन शोषण किया। नेताओं को भी इसकी जानकारी थी।

किसानों का आंदोलन निरर्थक, वार्ता के लिए सामने आएं : तोमर

नईदुनिया, ग्वालियर : केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन निरर्थक है। किसानों को वार्ता के लिए सामने आना चाहिए। सरकार उनसे बातचीत कर उनकी हर गलतफहमी को दूर करने के लिए तैयार है। केंद्रीय कृषि मंत्री शनिवार को यहां मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि कानून किसानों के हित में हैं, इसलिए इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। ये आम सहमति से कानून बने हैं। अगर किसान यूनियनों को कुछ संशय है तो सरकार बातचीत करने को तैयार है।

सोनू सूद के लिए मोगा नगर निगम ने ताक पर रखे नियम

जागरण संवाददाता, मोगा: कोरोना काल में लोगों की मदद कर सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता सोनू सूद पर मोगा नगर निगम मेहरबान नजर आ रही है। सोनू के लिए सभी नियम ताक पर रख दिए गए हैं। दरअसल, सोमवार सोनू के पिता शक्ति सूद के कपड़ों के शोरूम की जगह अब पिज्जा का बिजनेस शुरू किया जा रहा है। पिता के शोरूम को तुड़वाकर यहां नई इमारत तैयार की गई है, लेकिन निगम से इसका कंपलीशन सर्टिफिकेट नहीं लिया गया है। खुद सोनू सूद सोमवार को इसकी शुरुआत कर सकते हैं। इस इमारत के मामले में निगम सोनू सूद के परिवार से पहले कंपाउंड फीस वसूल चुका है परंतु उसके बाद से अनदेखी जारी है। सोनू सूद के बहनोई गौतम सच्चर ने मोगा के डीसी से 20 व 21 अप्रैल को इस इमारत का लेंटर डालने की अनुमति मांगी थी। रात नौ बजे तक लेंटर डालने की अनुमति मिली, लेकिन देर रात तक लेंटर डाला गया।

शिल्पा ने राज कुंद्रा को निर्दोष बता उनके बहनोई पर दोष मढ़ा

मुंबई, एएनआइ : अश्लील फिल्में बनाकर एप के जरिये लोगों को दिखाने के मामले दिन नई जानकारी सामने आ रही है। इस मामले में गिरफ्तार राज कुंद्रा की पत्नी और फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपने पति को निर्दोष बताते हुए इस मामले का ठीकरा राज के लंदन निवासी बहनोई पर फोड़ दिया है।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने शुक्रवार को मुंबई पुलिस को बताया कि राज के लंदन निवासी बहनोई प्रदीप बख्शी ही हाटशाट एप और इसके कामकाज से जुड़े थे। शिल्पा ने कहा कि हाटशाट एप की सामग्री के बारे में सटीक पता नहीं था। उन्होंने यह भी दावा है कि इस एप से उनका या उनके पति का कोई लेना-देना नहीं है। मेरे पति निर्दोष हैं।

उल्लेखनीय है यह एप अश्लील फिल्मों के निर्माण से जुड़ा है। इस मामले में शिल्पा के पति राज कुंद्रा मुख्य आरोपित हैं और इस समय पुलिस की हिरासत में हैं। मुंबई पुलिस के सूत्रों ने कहा कि शिल्पा शेट्टी ने यह भी उल्लेख किया कि इरोटिका की सामग्री पोर्नोग्राफी से अलग होती है। पूछताछ में उन्होंने अन्य ओटीटी प्लेटफार्मों पर इरोटिका सामग्री की भरमार होने के बारे में भी बताया, जिसे पोर्न नहीं माना जाता है।

उल्लेखनीय है मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के आवास पर छापेमारी की थी। इस दौरान पुलिस ने उनके आवास से एक हार्ड डिस्क और एक कंप्यूटर जब्त किया। सूत्रों के मुताबिक, मुंबई पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या शिल्पा शेट्टी ने पूरे पोर्न रैकेट में सक्रिय भूमिका निभाई थी, जिसमें उनके पति मुख्य आरोपित हैं।

मुंबई पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि पोर्न रैकेट से कमाए गए पैसे शिल्पा शेट्टी के खाते में गए या नहीं। मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को अभिनेता शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा और उनके सहयोगी रयान थोरपे को अश्लील फिल्मों के निर्माण से जुड़े एक मामले में 27 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया था। मुंबई पुलिस ने अदालत को बताया था कि उन्हें संदेह है कि पोर्नोग्राफी से अर्जित धन का इस्तेमाल आनलाइन सट्टेबाजी के लिए किया गया। अश्लील फिल्मों के मामले में गिरफ्तार राज कुंद्रा पर आरोप लगाने वाली माडल माडल सागरिका शोना सुमन ने शुक्रवार को मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। माडल का आरोप है कि कुंद्रा के खिलाफ आरोप लगाने के बाद लोग उन्हें दुष्कर्म और हत्या करने तक की धमकी दे रहे हैं।

कुंद्रा पर पीएमएलए, फेमा के तहत दर्ज हो सकता है मामला : शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को जल्द ही उनके खिलाफ मनी लांड्रिंग और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के मामलों का सामना करना पड़ेगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही इन अधिनियमों के तहत मामले दर्ज करने पर विचार कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि इस मामले में केंद्रीय एजेंसी 26 जुलाई के बाद कभी भी इस महीने के अंत तक धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और फेमा के तहत कुंद्रा के खिलाफ मामला दर्ज कर सकती है। मुंबई पुलिस प्रोटोकाल के अनुसार ईडी को इस मामले में वित्तीय अनियमितताओं की जांच करने के लिए सूचित करेगी।

शिकंजा कसा

- पुलिस कर रही जांच, अश्लील फिल्मों की कमाई कहीं शिल्पा के खातों में तो नहीं गई
- ईडी भी जल्द मामले दर्ज कर शुरू करेगी गहन जांच पड़ताल



मुसीबत में शिल्पा व राजकुंद्रा। फाइल फोटो

मई में लिए गए थे राज कुंद्रा से जुड़े बैंक खातों के स्टेटमेंट

जागरण संवाददाता, कानपुर : पोर्न फिल्मों को लेकर पिछले कुछ दिनों से चर्चा में आए बिजनेसमैन राज कुंद्रा के तार कानपुर से भी जुड़ गए हैं। यहां उनसे जुड़े लोगों के बैंक खातों के स्टेटमेंट मई के पहले सप्ताह में संबंधित शाखाओं से लिए गए थे। हालांकि, तब किसी बैंक कर्मचारी को यह नहीं पता था कि मामला क्या है। इन बैंक खातों को लेकर अफसर अभी तक अनजान ही हैं। उनका कहना है कि जिन खातों को सीज करने की बात कही जा रही है, उनके लिए कोई भी शाखा में नहीं आया। ऐसा कोई खाता है तो उसे मुंबई से ही होल्ड किया गया होगा। इसके बाद उस खाते से कोई ट्रांजेक्शन नहीं हो सकता। राज कुंद्रा के एप से आने वाला धन कानपुर के दो बैंक के खातों में आने और उन खातों को मुंबई क्राइम ब्रांच की ओर से सीज कराए जाने की बात सामने आने पर बैंक अधिकारी भी हतप्रभ हैं। बैंक अधिकारियों ने भी अपने शाखा प्रबंधकों से बात की, लेकिन शाखा प्रबंधकों ने बताया कि बैंक में किसी तरह की कोई टीम नहीं आई है। वहीं, सूत्रों के मुताबिक दो बैंक खातों में एक पीएनबी की बर्रा में और दूसरा एसबीआइ की कैंट शाखा में है। इनमें पीएनबी के खाते में बैंक शाखा को लेकर भी अलग-अलग जानकारी है। भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक नीलेश द्विवेदी के मुताबिक, अगर किसी खाते को होल्ड किया गया होगा तो वह मुंबई से ही हुआ होगा। उसके लिए शहर आने की जरूरत नहीं होती।

बेरोजगारी

कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में शवों को संभालने के लिए निकली है भर्ती, आवेदनकर्ताओं में करीब 100 इंजीनियर, 500 स्नातकोत्तर और 2,200 स्नातक उम्मीदवार

डोम के छह पद के लिए आठ हजार आवेदन

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

कोलकाता में एक सरकारी अस्पताल में शवों को संभालने के लिए प्रयोगशाला सहायक (डोम) के छह पदों पर निकली भर्ती के लिए आवदेन करनेवाले 8000 आवेदकों में इंजीनियर, स्नातक और परास्नातक उम्मीदवार शामिल हैं। मुर्दाघर में बोलचाल की भाषा में प्रयोगशाला सहायक को 'डोम' भी कहा जाता है। चिकित्सा प्रतिष्ठान के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नील रतन सरकार चिकित्सा कालेज सह अस्पताल के फोरेंसिक मेडिसिन एंड टाक्सीकोलाजी विभाग में 'डोम' के छह पदों पर भर्ती के लिए आवेदन देने वालों में करीब 100 इंजीनियर, 500 स्नातकोत्तर और 2,200 स्नातक उम्मीदवार हैं। अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि कुल आवेदकों में से 84 महिला उम्मीदवारों समेत 784 को एक अगस्त को होने वाली लिखित परीक्षा के लिए बुलाया गया है। पिछले साल दिसंबर में निकली भर्ती की अधिसूचना के अनुसार, इस पद की अहर्ता कम से कम आठवीं पास और उम्र सीमा 18-40 साल है। वहीं, मासिक वेतन 15,000 रुपये है। अधिकारी ने बताया कि कई आवेदक नौकरी की योग्यता के हिसाब से ज्यादा पढ़े-लिखे हैं। यह अचंभित करने वाला है कि इंजीनियरिंग, परास्नातक और स्नातक की डिग्री रखनेवालों ने इस पद के लिए आवेदन किया। ऐसा पहली बार हुआ। हमें आम तौर पर उन्हीं लोगों के आवेदन मिलते हैं, जिनके परिवार के लोग पहले से ही 'डोम' के रूप में काम कर रहे हैं।



नील रतन सरकार चिकित्सा कालेज। फाइल फोटो

दिलीप घोष ने पर ममता को घेरा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने मामले में ममता सरकार को घेरा और विकास के दावे पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि जब राज्य सरकार कह रही है कि लाखों करोड़ का निवेश हुआ है तो नौकरी कहां गई? घोष ने दावा किया कि बंगाल में बेरोजगारी दर 26 फीसद हो गई है और उसने आसपास के सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ममता दीदी तो पीएम बनने के लिए दिल्ली जा रही हैं, लेकिन बंगाल के बेरोजगार युवा कहां जाएंगे?

ठीक हुए मरीजों से ज्यादा मिले नए केस, कोरोना के सक्रिय मामले बढ़े

चिंता की बात ▸ पहली लहर के अंत में ठहराव आ गया था, बाद में अचानक बढ़े थे मामले

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना महामारी की दूसरी लहर में मामलों में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। कई दिनों के बाद पिछले 24 घंटे में ठीक होने वाले मरीजों से ज्यादा नए मामले पाए गए और इसके चलते सक्रिय मामलों में करीब साढ़े तीन हजार की वृद्धि दर्ज की हुई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक वैसे तो कुल मिलाकर स्थिति कोई चिंताजनक नहीं है। परंतु, संक्रमण के मामलों में एक ठहराव सा आ गया है। प्रतिदिन 30 से 40 हजार के बीच मामले मिल रहे हैं। इस लिहाज से यह स्थिति चिंताजनक है कि पहली लहर के अंत में भी इस साल जनवरी और फरवरी के बीच संक्रमण के मामलों में ठहराव आ गया था और उसके बाद अचानक मामले बढ़ने लगे थे। फिलहाल दैनिक और साप्ताहिक संक्रमण दर नियंत्रण में है। दैनिक संक्रमण दर पिछले 33 दिनों से तीन फीसद के नीचे बनी हुई है। मरीजों के उबरने की दर में भी सुधार हो रहा है और मृत्युदर भी लगभग स्थिर बनी हुई है।


बेंगलुरु में सिटी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सैंपल लेती स्वास्थ्यकर्मी। प्रेट्र

अब तक 42.78 करोड़ डोज लगाई गईः मंत्रालय ने कहा कि सुबह सात बजे तक की अस्थायी रिपोर्ट के मुताबिक देश में कोरोना रोधी वैक्सीन की कुल 42.78 करोड़ डोज लगाई जा चुकी हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान 42.67 लाख डोज लगाई गईं। इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास अभी वैक्सीन की 2.98 करोड़ डोज बची हैं। केंद्र सरकार की तरफ से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक 44.53 करोड़ डोज मुहैया कराई गई हैं और जल्द ही इन्हें 85.58 लाख डोज और उपलब्ध करा दी जाएंगी।

देश में कोरोना की स्थिति

24 घंटे में नए मामले	39,097
कुल सक्रिय मामले	4,08,997
24 घंटे में टीकाकरण	42.67 लाख
कुल टीकाकरण	42.78 करोड़

शनिवार सुबह आठ बजे तक कोरोना की स्थिति

नए मामले	39,097
कुल मामले	3,13,32,159
सक्रिय मामले	4,08,977
मौतें (24 घंटे में)	546
कुल मौतें	4,20,016
ठीक होने की दर	97.35 फीसद
मृत्यु दर	1.34 फीसद
पाजिटिविटी दर	2.40 फीसद
सा. पाजिटिविटी दर	2.22 फीसद
जांचें (शुक्रवार)	16,31,266
कुल जांचें	45.45 करोड़

कुंभ कोरोना जांच फजीवाड़े की रिपोर्ट शीघ्र देने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, देहरादून : स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने जिलाधिकारी हरिद्वार को कुंभ के दौरान कोरोना जांच में हुए फर्जीवाड़े की रिपोर्ट जल्द सौंपने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कोरोना की तीसरी लहर की आशंका देखते हुए तैयारियां पूरी करने और अस्पतालों में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ने के निर्देश दिए।

शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कुंभ के दौरान कोरोना जांच में हुई गड़बड़ी की जांच डीएम हरिद्वार को दी गई। हाल ही में वह हरिद्वार के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी हरिद्वार को जल्द जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन सौंपने के निर्देश दिए हैं। दरअसल विपक्ष कोरोना जांच फर्जीवाड़े में लीपापोती का आरोप सरकार पर लगा रहा है। जवाब में उन्होंने कहा कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सभी अस्पतालों में आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। वह छह जिलों के 19 अस्पतालों का निरीक्षण कर चुके हैं। वैक्सीनेशन के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 31 दिसंबर तक शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन कराना है।

बगैर परीक्षा के घोषित नतीजों में भी कई हो गए फेल


कोलकाता में परीक्षा परिणामों की घोषणा के बाद सफलता की खुशी मनाते छात्र। प्रेट्र

सीआइएससीई बोर्ड

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआइएससीई) ने आइसीएसई (10वीं) और आइएससी (12वीं) कक्षा के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी है। शनिवार को बोर्ड की वेबसाइट पर डाले गए नतीजों के मुताबिक 10वीं में 99.98 प्रतिशत और 12वीं 99.76 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। कोरोना के कारण इस साल भी मेरिट सूची जारी नहीं हुई। कोरोना महामारी के कारण इस साल आइसीएसई और आइएससी परीक्षाएं आयोजित नहीं हुई थीं, इसलिए इवैल्यूएशन पालिसी के आधार पर परिणाम तैयार किया गया है। इसमें 2020 और 2021 में स्कूल में आयोजित टेस्ट और स्कूल द्वारा प्रयोगात्मक परीक्षा में दिए गए नंबरों के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

दोबारा करा सकेंगे मूल्यांकनः इस बार परीक्षा नहीं होने के कारण विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका का पुनरीक्षण नहीं करा सकते, लेकिन मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर उनकी आपत्तियों पर विचार होगा। इसके लिए छात्र अपने स्कूल को आवेदन देकर अपनी आपत्तियां बताएंगे, जिससे संतुष्ट होने पर स्कूल सीआइएससीई के पास भेजेंगे। काउंसिल ने स्कूलों को पहली अगस्त तक का वक्त दिया है।

10 वीं का परिणाम	
शामिल परीक्षार्थी	2,19,499
सफल	2,19,454(99.98%)
गत वर्ष	99.34 %
12वीं का परिणाम	
शामिल परीक्षार्थी	94,011
सफल	93,781 (99.76 %)
गत वर्ष	96.84%

राजस्थान बोर्ड के 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

जासं, जयपुर : राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। बोर्ड के 64 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि 12वीं कक्षा के विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय का परिणाम एक साथ जारी हुआ। विज्ञान में 99.52, कला में 99.19 और वाणिज्य संकाय में 99.73 फीसद परीक्षा परिणाम रहा। कोरोना के कारण सरकार ने विद्यार्थियों को प्रमोट करने का निर्णय लिया था।

हरिद्वार में बार्डर सील, डेढ़ हजार यात्री वापस भेजे

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

शनिवार से कांवड़ यात्रियों के लिए बार्डर सील कर दिए हैं। बार्डर पर कांवड़ यात्रियों को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया है। इसके साथ ही सभी बार्डर पर सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी होगी। वहीं, पुलिस ने शनिवार को उत्तरप्रदेश से लगने वाले रुड़की क्षेत्र के सभी बार्डर से करीब डेढ़ हजार यात्रियों को वापस भेजा। इस दौरान कुछ जगहों पर वाहन सवार यात्रियों की पुलिस से मामूली कहासुनी भी होती रही।

रविवार से सावन शुरू हो रहा है। कोविड संक्रमण को लेकर सरकार ने पहले ही कांवड़ यात्रा पर रोक लगाई है। ऐसे में अब रविवार से कांवड़ यात्रियों के लिए बार्डर सील कर दिया गया। हालांकि उप्र के बार्डर से पहले की तरह यात्री सामान्य रूप से आते रहेंगे। इन यात्रियों को कोविड जांच रिपोर्ट लेकर आना होगा। भगवानपुर के तीनों बार्डर के अलावा नारसन व झबरेड़ा बार्डर पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। वहीं, गांव से आने वाले रास्ते भी बैरिकेडिंग लगाकर बंद किए गए हैं। सावन से एक दिन पहले पुलिस ने बार्डर से 284 वाहन वापस भेजे। इनमें भगवानपुर के काली नदी, मंडावर चेक पोस्ट और तेज्जुपुर चेकपोस्ट से 208 वाहन वापस भेजे गए। वहीं, झबरेड़ा से करीब 60 यात्री वाहन वापस भेजे गये। नारसन बार्डर से भी 16 वाहन लौटाए गए। एसपी देहात प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि कांवड़ यात्रियों को बार्डर पार करने नहीं दिया जाएगा।

जनमत मुद्दा

क्या कोविड-19 महामारी की पहली और दूसरी लहर के पीड़ादायक अनुभवों के बाद तीसरी लहर के लिए हम तैयार हैं?

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं।

कोवैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल को ब्राजील ने किया निलंबित

हैदराबाद, प्रेट्र : ब्राजील ने भारत बायोटेक की कोरोना रोधी वैक्सीन कोवैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल को निलंबित कर दिया है। ब्राजील ने यह कदम भारत बायोटेक द्वारा दो ब्राजीली कंपनियों के साथ वैक्सीन सप्लाई के लिए किए गए करार को रद करने के बाद उठाया है।

भारत बायोटेक ने शुक्रवार को ब्राजील की कंपनी प्रेसिसा मेडिकैमेंटोस और एनविक्सिया फार्मास्युटिकल्स एलएल.सी के साथ कोवैक्सीन की सप्लाई के लिए किए गए समझौते को तत्काल प्रभाव से रद करने की घोषणा की थी। भारतीय कंपनी ने ब्राजील सरकार को कोरोना वैक्सीन की दो करोड़ डोज सप्लाई करने के लिए करार किया था, लेकिन इसको लेकर दक्षिण अमेरिकी देश में विवाद पैदा हो गया था। ब्राजील ने सौदे पर फिलहाल रोक लगा थी और उसकी जांच भी शुरू कर दी थी। ब्राजीली दवा नियामक अनविसा ने कहा कि भारतीय कंपनी ने ब्राजीली कंपनी के साथ करार खत्म करने की उसे जानकारी दी है। इसके बाद ब्राजील में कोवैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल को निलंबित करने का फैसला किया गया है।

बिना जांच रिपोर्ट 11 राज्यों से उप्र आने वालों पर रहेगी रोक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

यूपी में ज्यादा पाजिटिविटी रेट वाले 11 राज्यों से आ रहे लोगों के लिए कोरोना की आरटीपीसीआर जांच की निगेटिव रिपोर्ट व टीकाकरण प्रमाण पत्र दिखाने पर ही प्रवेश दिया जाएगा। शनिवार से यह व्यवस्था लागू कर दी गई। सभी हवाई अड्डे, बस व रेलवे स्टेशन पर बाहर से आ रहे लोगों की सख्ती के साथ स्क्रीनिंग की जा रही है। अगर उनके पास निगेटिव रिपोर्ट या फिर प्रमाण पत्र नहीं है तो यूपी में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। 31 जुलाई तक इन राज्यों से आ रहे लोगों पर सख्ती की जाएगी। फिर पाजिटिविटी रेट के अनुसार राज्यों की नई सूची अपडेट होगी।

महानिदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) डा. डीएस नेगी ने बताया कि जिन 11 राज्यों से आने वाले लोगों पर सख्ती की जा रही है उनमें मेघालय, त्रिपुरा, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, गोवा व अरुणांचल प्रदेश शामिल है। इन राज्यों में पाजिटिविटी रेट तीन प्रतिशत से ज्यादा है। इन्हें 20 से 23 जुलाई के बीच की कोरोना जांच रिपोर्ट दिखानी होगी। एक से 15 अगस्त तक किन-किन राज्यों से आने वाले लोगों पर सख्ती की जाएगी इसकी सूची जल्द तैयार की जाएगी।

एक दिन में 10.06 लाख टीके लगाकर उप्र ने बनाया रिकार्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : कोरोना से बचाव के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान में यूपी ने नया रिकार्ड बनाया है। शनिवार को एक दिन में 10.06 लाख वैक्सीन लगाई गई। इससे पहले प्रदेश में बीती 27 जून को करीब 10 लाख टीके लगाए गए थे। देश में सबसे ज्यादा 4.43 करोड़ वैक्सीन उप्र में लगाई गई हैं। इसमें 3.71 करोड़ ने वैक्सीन की पहली और 72 लाख लोगों ने दूसरी डोज लगवाई है। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र में 4.11 करोड़ टीके लगाए गए हैं। उप्र में 1.98 करोड़ टीके 18 से 44 वर्ष तक की आयु के लोगों ने लगवाए हैं। 45 से 60 वर्ष तक की उम्र के 1.47 करोड़ लोगों ने टीके लगाए हैं।


दवा, मास्क और सैनिटाइजर से सजा मंदिर...

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बेंगलुरु में साईं बाबा मंदिर दवा, मास्क और सैनिटाइजर से सजा नजर आया। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को कोरोना प्रोटोकाल के प्रति भक्तों को सजग करना था। एएफपी

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

शीतलकूची कांड में छह जवानों को फिर भेजा समन

कोलकाता : बंगाल के कूचबिहार जिले में शीतलकूची में मतदान के दौरान केंद्रीय बल की फायरिंग में चार लोगों की मौत के मामले की जांच सीआइडी कर रही है। इस मामले में सीआइडी ने एक बार फिर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के छह जवानों को पूछताछ के लिए तलब किया है। जवानों को समन भेजा है। (राब्यू)

बार्ज पी305 मामले के तीन आरोपितों को जमानत नहीं

मुंबई : मुंबई के सत्र न्यायधीश यूएम पडवाड ने शुक्रवार को पीएपीएए शिपिंग के प्रशासनिक अधिकारी प्रसाद राणे, निदेशकों में शुमार नितिन सिंह व कंपनी के तकनीकी अधीक्षक अखिलेश तिवारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। मुकदमे के अनुसार, बार्ज पी305 ने मुंबई के पास गहरे समुद्र में लंगर डाल रखा था। चक्रवात के कारण उसका लंगर अलग हो गया और असंतुलित होता हुआ जहाज समुद्र में डूब गया था। (प्रेट्र)

लिव इन पार्टनर की गुमशुदगी में पुलिस निरीक्षक पर शिकंजा

अहमदाबाद : गुजरात के पुलिस निरीक्षक अजय देसाई के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही 37 वर्षीय स्वीटी पटेल की गुमशुदगी मामले में शासन का रुख सख्त होता जा रहा है। इस बीच पुलिस को कच्छ के एक गांव से मानव शरीर के जले हुए अवशेष व अजय के करजण स्थित घर के बाथरूम में खून के धब्बे मिले हैं। दोनों नमूनों को फोरेंसिंग जांच के लिए भेजा गया है। (राब्यू)

राजनीतिक साजिश है केरल पुलिस का आरोप पत्र : भाजपा

तिरुअनंतपुरम : केरल भाजपा ने शनिवार को कथित कोडाकारा हवाला राशि डकैती मामले में विशेष जांच दल (एसआइटी) की तरफ से दाखिल आरोप पत्र को राजनीतिक संकल्प पत्र और साजिश करार दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि पुलिस असल में आरोपित को बचाने की कोशिश कर रही है। (प्रेट्र)

'गर्भवती की सजा टालने से आसमान नहीं टूट पड़ेगा'

विधि संवाददाता, शिमला

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय शिमला ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की सजा को यदि बच्चे के जन्म से पहले व उसके बाद लगभग एक साल तक के लिए टालने से समाज पर कोई फर्क नहीं पड़ जाएगा। गर्भवती महिलाओं की जेल की सजा टालने से आसमान नहीं टूट पड़ेगा। गर्भावस्था काल, प्रसव समय व जन्म देने से कम से कम एक साल तक महिला को तनावमुक्त वातावरण की जरूरत होती है। वहीं, कोर्ट ने मादक पदार्थों की तस्करी में षड्यंत्र रचने के आरोपों का सामना करने वाली सात माह की गर्भवती महिला को अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश जारी किया है।

न्यायमूर्ति अनूप चिटकारा ने अग्रिम जमानत याचिका स्वीकारते हुए कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी दंडनीय अपराध है, लेकिन एक गर्भवती महिला का अपराधी होना अजन्में बच्चे के लिए पूरी उम्र घातक साबित हो सकता है, यदि उसका जन्म जेल में हो। जेल में जन्म लेने पर बच्चे को तब तब मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है, जब जब उसके जन्म की बात उठेगी। ऐसा आघात उसे सामाजिक जीवन जीने नहीं देगा। अपराध में संलिप्त या आरोपित गर्भवती महिलाओं को भी जेल में पौष्टिक आहार तो मिल सकता है, लेकिन मानसिक तनाव से मुक्ति नहीं। जेल में जन्म देना मां को गहरा आघात पहुंचा सकता है।

> 'हर महिला को मातृत्व काल में गरिमापूर्ण जीवन जीने का हक है। गर्भवती महिलाओं को जेल नहीं बेल की जरूरत है। अदालतों को गर्भवती महिलाओं की मातृत्व समय में उनकी पावन स्वतंत्रता बहाल करनी चाहिए। अपराध कितना भी बड़ा हो उन्हें कम से कम ऐसे समय में अस्थायी बेल तो दी ही जानी चाहिए।' –हाईकोर्ट की टिप्पणी

चार साल तक मूक बने रहे नौकर ने मालिक समेत दो को मार डाला

जासं, कन्नौज : घर के बाहर सो रहे किसान समेत दो लोगों की नौकर ने मुंगरी (कपड़ा धुलाई में काम आता है) से पीट-पीटकर हत्या कर दी। मामला उप्र के कन्नौज का है। चीख सुनकर स्वजन और ग्रामीण पहुंचे। आरोपित की पिटाई कर उसे पुलिस को सौंप दिया। मामले में किसान की पत्नी ने मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रामीण तब हैरत में पड़ गए जब चार साल से कुछ न बोलकर इशारों में बात करने वाला नौकर पिटाई होने पर बोल कर गुहार करने लगा।

किसान संतोष कुमार शुक्रवार रात घर के बाहर चबूतरे पर चारपाई डालकर सो रहे थे। बगल की चारपाई पर पड़ोस में दामाद के यहां आए कानपुर देहात के बरोला निवासी बुजुर्ग प्रताप सिंह भी सो रहे थे। देर रात करीब 11:30 बजे नौकर धर्मेंद्र ने मालिक संतोष के सिर पर मुंगरी से वार कर दिया। बचाने की कोशिश पर प्रताप पर भी हमला कर दिया।

झारखंड सरकार गिराने की साजिश, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, रांची

- पकड़े गए लोगों पर विधायकों की खरीद-फरोख्त की साजिश में शामिल होने का आरोप
- बेरमो विधायक अनूप सिंह की शिकायत पर पुलिस ने रांची के एक होटल से की गिरफ्तारी

झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार को गिराने की साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। रांची पुलिस ने बेरमो के विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह की शिकायत पर साजिश रचने के आरोप में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। तीनों के पास से दो लाख रुपये नकद व कई दस्तावेज मिले हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि सरकार गिराने की साजिश में कौन-कौन लोग शामिल हैं और विधायकों की खरीद-फरोख्त करने की क्या योजना थी और किन-किन विधायकों को खरीदने की कोशिश की जा रही थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पकड़े गए लोगों के मोबाइल से भी कुछ राज सामने आ सकते हैं।

गिरफ्तार आरोपितों में पलामू के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के जपला सीमेंट फैक्ट्री निवासी अभिषेक कुमार दुबे, बोकारो के सेक्टर-2सी, क्वार्टर नंबर-4 निवासी अमित सिंह व बोकारो के ही हरला थाना क्षेत्र के वैधमारा स्थित चिटाही बस्ती निवासी निवारण प्रसाद महतो शामिल हैं। अभिषेक कुमार दुबे वर्तमान में रांची के रातू रोड देवी मंडप रोड स्थित जगदीश इंक्लेव में रहता है। वहीं, अमित सिंह मूल रूप से बिहार के सिवान जिले के बिठुना गांव का रहने वाला है। इनके पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल व दो लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। तीनों आरोपितों को शनिवार को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राजनीतिक षड्यंत्र को अंजाम देने के लिए रांची में हुआ था जुटानः बेरमो के विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने 22 जुलाई को रांची के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस से शिकायत की थी कि झारखंड में चल रही झामुमो, कांग्रेस व राजद के गठबंधन की सरकार को अस्थिर करने की सूचना कई महीने से मिल रही थी। पहले भी कई विधायकों की छवि को धूमिल करने की कोशिश की जाती रही है।

इसी क्रम में उन्हें सूचना मिली जो परेशान करने वाली थी। उन्हें सूचना मिली कि अलग-अलग जगहों के कुछ लोग राजनीतिक षड्यंत्र को अंजाम देने के लिए रांची में कैंप किए हुए हैं और हवाला के जरिये बड़े पैमाने पर लेनदेन की सूचना आ रही है। इन सारे तथ्यों की जांच करवाई जा रही है।

उन्हें यह भी जानकारी मिली कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों की खरीद-फरोख्त और पैसे के लेनदेन के लिए बातचीत चल रही है, ताकि विधायकों की खरीद-फरोख्त कर सरकार गिराई जा सके। कुछ बहुत ही रसूखदार लोग व फाइनेंसर छद्म नाम से कई होटलों में ठहरे हुए हैं और विधायकों के संपर्क में हैं। वे चाहते हैं कि विधायकों को प्रलोभन देकर सरकार के विरुद्ध साजिश कर सरकार को गिरा सकें।

गुजरात में सिलेंडर विस्फोट में चार बच्चों समेत नौ की जान गई

अहमदाबाद, प्रेट्र : अहमदाबाद शहर के बाहरी इलाके में एक कमरे में एलपीजी सिलेंडर लीक होने के बाद हुए विस्फोट और आग में झुलसने से चार बच्चों और पांच अन्य की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 20 जुलाई की रात में हुई। पीड़ितों में मजदूर और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं। वे मध्य प्रदेश के रहनेवाले थे।

अस्लाली थाने के इंस्पेक्टर पीआर जाडेजा ने कहा, जिस समय गैस लीक हुई, मजदूर और उसके परिवार के सदस्य छोटे से कमरे में सो रहे थे। एक पड़ोसी के दस्तक देने पर एक ने लाइट जलाने का प्रयास किया जिससे स्पार्क होने से आग लग गई और विस्फोट हुआ। झुलस गए लोगों में उन्हें सावधान करने आया पड़ोसी भी शामिल था। कुलसिंह भैरवा नामक 30 वर्षीय यह व्यक्ति राजस्थान के करौली में कुडागांव का रहने वाला है और उसका इलाज चल रहा है।

विभाग और अधिकारी बिहार के, पर उत्तर प्रदेश के पड़रौना में चलता है कार्यालय

जागरण संवाददाता, बगहा (पश्चिम चंपारण)

बिहार का सरकारी विभाग, अधिकारी यहीं के, लेकिन कार्यालय उत्तर प्रदेश (यूपी) के पडरौना में चलता है। एक दर्जन अभियंता समेत 20 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी वहीं रहते हैं। वहीं से गंडक पार के चार प्रखंडों पिपरासी, भितहां, ठकराहां और मधुबनी में बाढ़ की स्थिति की मानीटरिंग होती है। इससे चारों प्रखंडों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार बाढ़ के कारण हालात बिगड़ने पर अभियंताओं का पता ही नहीं होता है।

मधुबनी प्रखंड के बगहवा टांड़ में जल संसाधन विभाग के कार्यालय की 1972 में स्थापना हुई थी। उस समय आवागमन की सुविधा नहीं थी। बिजली की आपूर्ति तक नहीं थी। 1977 की बाढ़ ने पूरे इलाके को चपेट में ले लिया। विवश होकर कार्यालय को 25 किलोमीटर दूर पडरौना में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। बिहार के राज्यपाल के नाम से वहां एक एकड़ जमीन खरीदी गई। उसी साल जल संसाधन विभाग से जुड़े तीन कार्यालय स्थापित किए गए।

छह महीने में बनकर तैयार हो जाएगा पक्का कार्यालय

इस समय पडरौना में बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल संख्या एक, दो और अधीक्षण अभियंता के कार्यालय के लिए पक्के भवन का निर्माण चल रहा है। भवन करीब छह महीने में तैयार हो जाएगा। ऐसे में लोगों का सवाल है कि जब गंडक पार के चारों प्रखंडों में बिजली व सड़क की व्यवस्था हो चुकी है, तब कार्यालय को इधर लाने की पहल क्यों नहीं हो रही है।

इस तरह परेशानी का करते सामना : धनहां के रामनाथ यादव और मधुआ के दिनेश राय बताते हैं कि पडरौना में कार्यालय होने से अभियंताओं से समन्वय स्थापित करने में काफी परेशानी होती है। कई बार बांध पर कटाव जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में अभियंताओं को सूचना देने के लिए हमें पडरौना का रुख करना पड़ता है। यदि कार्यालय की स्थापना स्थानीय स्तर पर हो जाए तो फिर बेहतर समन्वय बनेगा। जल संसाधन विभाग से जुड़े अभियंताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बरसात के चार महीने उन्हें कार्यालय छोड़ यहीं रहना पड़ता है। इन अभियंताओं की जिम्मेदारी पिपरा-पिपरासी सहित अन्य तटबंधों के देखरेख की होती है। कागजी खानापूरी में भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। पडरौना से जिला मुख्यालय तक आने में समय के साथ खर्च भी अधिक होता है।

बिहार के जहानाबाद में ग्रामीणों का उपद्रव, फायरिंग

जागरण टीम, जहानाबाद

- कैदी की मौत के बाद शव के साथ एनएच जाम कर रहे थे ग्रामीण
- भीड़ को तितर-बितर करने पुलिस ने भी की चार राउंड फायरिंग

शराब मामले में गिरफ्तार किए गए बिहार के जहानाबाद जिले के गोविंद मांझी की औरंगाबाद में हुई मौत के बाद शव पहुंचने पर गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को जहानाबाद- अरवल राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। नेहालपुर के समीप नेशनल हाईवे (एनएच) पर जाम हटाने पहुंची पुलिस पर ग्रामीण ईंट-पत्थर और लाठी-डंडे लेकर टूट पड़े। ग्रामीणों के उग्र रूप को देखकर उल्टे पांव पुलिस के भागने पर भगदड़ मच गई जिसमें महिला हवलदार कांति देवी (54) की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं पथराव में दस पुलिसकर्मियों को गंभीर रूप चोटें आई हैं। उपद्रवियों ने इस दौरान कई चक्र गोलियां भी चलाईं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने भी चार राउंड फायरिंग की।

उग्र भीड़ द्वारा पुलिस बल को दौड़ाने पर वाहन की चपेट में आकर मरने वाली महिला हवलदार पटना जिले के नौबतपुर के आदमपुर पिपलावां गांव की निवासी थीं। एसपी दीपक रंजन ने बताया कि इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। उपद्रव फैलाने वाले असामाजिक तत्वों की वीडियो फुटेज के आधार पर पहचान की जा रही है। सभी को प्राथमिकी में नामजद कर गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। जानकारी के अनुसार, परसबिगहा (जहानाबाद) थाना क्षेत्र के 25 वर्षीय पुत्र गोविंद मांझी को शराब के मामले में 19 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। वह नशे का आदी था। गुरुवार को उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई। इलाज के दौरान उसकी शुक्रवार को मौत हो गई।

आइटीसी को 3300 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली : आइटीसी लिमिटेड ने शनिवार को अपने तिमाही नतीजे जारी किए। कंपनी का मुनाफा 30.24 फीसद बढ़कर 3,343.44 करोड़ पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष की इस अवधि में कंपनी का मुनाफा 2,567.07 करोड़ रुपये रहा था। (प्रेट्र)



ई-कामर्स का बढ़ता दायरा प्रत्येक खुदरा विक्रेता के लिए एक अवसर है। यह ट्रेंड चलता रहेगा। रिटेलर इस डिजिटल चैनल का उपयोग करके अधिक ग्राहकों तक पहुंच सकते हैं।

–संजीव गोयनका, चेयरमैन, स्पेंसर रिटेल

एक नजर में

मोबाइल पर समय बिताने के मामले भारत तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली : ब्राजील और इंडोनेशिया के बाद भारत में लोग सबसे ज्यादा मोबाइल पर समय बिताते हैं। जेडडीनेट के मुताबिक देश में औसतन 4.9 घंटे, मैक्सिको में 4.7 घंटे, तुर्की में 4.5 घंटे स्मार्टफोन पर व्यतीत करते हैं। वाट्सएप उपयोग की बात की जाए तो यहां पर भी ब्राजील पहले स्थान पर है। प्रतिमाह एक यूजर 30.3 घंटे व्यतीत करता है। (आइएएनएस)

लाभ सीमित करने पर 620 उत्पादों के दाम घटे

नई दिल्ली : पल्स आक्सीमीटर और डिजिटल थर्मामीटर जैसे पांच जरूरी चिकित्सा उपकरणों पर मार्जिन को 70 फीसद पर सीमित करने के बाद अब तक 620 ब्रांडों की कीमतों में कमी आई है। यह सीमा 20 जुलाई से लागू की गई है। कोरोना के इलाज और रोकथाम में इन चिकित्सा उपकरणों का व्यापक तौर पर इस्तेमाल होता है। गत 13 जुलाई को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने पांच चिकित्सा उपकरणों आक्सीमीटर, ग्लूकोमीटर, बीपी मानिटर, नेबुलाइजर और डिजिटल थर्मामीटर के व्यापार मार्जिन पर सीमा लागू कर दी थी। (प्रेट्र)

130 अरब डालर पर पहुंच जाएगा दवा बाजार

हैदराबाद : डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज के चेयरमैन के सतीश रेड्डी ने कहा है कि वर्ष 2030 तक भारतीय दवा बाजार 130 अरब डालर तक पहुंच जाएगा। वर्तमान में यह बाजार 42 अरब डालर के आसपास है। (प्रेट्र)

सीमा शुल्क दलालों को नहीं कराना होगा लाइसेंस का नवीनीकरण

नई दिल्ली : केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने सीमा शुल्क दलालों और अधिकृत कैरियर को जारी लाइसेंस/पंजीकरण के नवीनीकरण की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। यह एक ऐसा कदम जो व्यापार के लिए अनुपालन के बोझ को कम करेगा। सीबीआइसी ने कस्टम ब्रोकर्स लाइसेंसिंग रेगुलेशन, 2018 और सी कार्गो मेनिफेस्ट एंड ट्रांसशिपमेंट रेगुलेशन, 2018 में संशोधन किया है। (प्रेट्र)

मानसून के बिगड़े मिजाज से पिछड़ी खरीफ की खेती

देश के 50 फीसद हिस्से में सामान्य से कम हुई बारिश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : दक्षिण-पश्चिम मानसून के बिगड़े मिजाज से खरीफ की बोआई के देर से होने की आशंका ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। जून के अंतिम सप्ताह से मध्य जुलाई तक सूखे जैसे हालात से बोआई थम सी गई थी। मानसूनी बारिश केवल खेती का आधार नहीं होती, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए अहम होती है। देश के 50 फीसद हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है, जिसका असर खरीफ सीजन की खेती पर पड़ सकता है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक एक से 18 जुलाई के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून से हुई बारिश सामान्य से 26 फीसद कम हुई है। हालांकि बीते सप्ताह मानसून एक बार फिर कई राज्यों में सक्रिय हुआ है। इस सप्ताह देश के 694 जिलों में सामान्य से 35 फीसद कम बरसात हुई है। जबकि इसके पहले वाले सप्ताह में 42 फीसद की कमी थी। शोध एजेंसी क्रिसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक 23 जून से 12 जुलाई के बीच मानसून से होने वाली बारिश 55 फीसद कम हुई है। जबकि राजस्थान में 58 फीसद और गुजरात में 67 फीसद की कमी रही है।



प्रभावित होगी उत्पादकता • फाइल फोटो

मानसून की इस गड़बड़ चाल से खरीफ सीजन की खेती पर विपरीत असर पड़ा है। दलहनी और तिलहनी फसलों की बोआई पूरी तरह थम गई है। बोआई में होने वाली देरी का असर फसलों की उत्पादकता पर पड़ता है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक आने वाले दो तीन सप्ताह खरीफ सीजन की खेती के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं।

जुलाई में मानसून की बेरुखी का असर खेती पर पड़ा है। 23 जुलाई तक कुल फसलों की बोआई का आंकड़ा 7.21 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंच गया है। जबकि पिछले साल की इसी अवधि तक 7.92 करोड़ हेक्टेयर में बोआई हो चुकी थी। बोआई लगभग नौ फीसद पीछे चल रही है। उड़द की बोआई पिछले साल के मुकाबले 23% पीछे है। इसी तरह मूंग की बोआई 18% पीछे है और बाजरा 29.16% पीछे चल रहा है।

एफडीआइ आकर्षित करना जारी रखेगा भारत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, प्रेट्र : वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को विश्वास व्यक्त किया कि भारत चालू वित्त वर्ष में भी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) को आकर्षित करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, भारत ने वैश्विक स्तर पर निवेश में कमी आने के बावजूद कोरोना से प्रभावित वर्ष 2020 में अब तक का सबसे अधिक एफडीआइ प्राप्त किया है। 2020-21 में देश में एफडीआइ 19 फीसद बढ़कर 59.63 अरब डालर हो गया। अगर इसमें सभी तरह का एफडीआइ (इक्विटी, री-इन्वेस्टड अर्निंग और कैपिटल) शामिल कर लिया जाए तो 2020-21 के दौरान यह 10 फीसद बढ़कर 81.72 अरब डालर पर पहुंच गया है। जबकि 2019-20 में यह 74.39 अरब डालर था।

सीआइआइ-होरासिस इंडिया मीटिंग मीटिंग वेबिनार में गोयल ने कहा, 'हमें पूरा विश्वास है कि इस बार हम सबसे अधिक एफडीआइ हासिल करेंगे।' उन्होंने कहा कि भारत का निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है।

इलेक्ट्रिक कारों पर घटे आयात शुल्क तो लगाएंगे फैक्ट्री : मस्क

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भारत की तरफ से आयातित वाहनों पर लगाए जाने वाले शुल्क का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। इस बार मुद्दा बन रहा है इलेक्ट्रिक कारों पर आयात शुल्क का और इसको उठाया है इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला के चीफ एक्जीक्यूटिव एलन मस्क ने। उन्होंने शुक्रवार को एक ट्वीट कर भारत में पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक कारों के आयात पर डीजल और पेट्रोल कारों के समान ही शुल्क लगाने की नीति की आलोचना की। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी इस बारे में भारत सरकार से बात हो रही है।



एलन मस्क • फाइल फोटो

अमेरिकी कंपनी टेस्ला के चीफ एक्जीक्यूटिव एलन मस्क बोले, कम से कम तात्कालिक तौर पर घटा दें आयात शुल्क

दरअसल, एक भारतीय ने शुक्रवार को ट्विटर पर मस्क से कहा था कि वह भारत में जल्द अपनी कारों की बिक्री शुरू करें। इस पर मस्क ने जबाव दिया कि उनकी कंपनी ऐसा करना चाहती है, लेकिन भारत में जो आयात शुल्क लगाया जाता है वह दुनिया में सबसे ज्यादा है। यहां डीजल और पेट्रोल कारों की तरह ही पर्यावरण के लिए अनुकूल कारों पर भी शुल्क लगाया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत में कम से कम इलेक्ट्रिक कारों पर अस्थायी तौर पर शुल्क घटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कंपनी आयातित कारों के साथ सफल होती है तो वह फैक्ट्री लगा सकती है।

40% हो आयात शुल्क : मस्क द्वारा लाबिंग किए जाने से पहले टेस्ला ने नीति आयोग और कुछ दूसरे मंत्रालयों को इस संदर्भ में पत्र लिखा है और भारत में पूरी तरह से तैयार आयातित इलेक्ट्रिक कारों पर शुल्क को 40% करने की बात कही है। भारत में 40 हजार डालर तक की कारों पर 60% का आयात शुल्क लगता है जबकि इससे ज्यादा की कीमत की कारों पर 40% आयात शुल्क का प्रविधान है। टेस्ला कह चुकी है कि वह वर्ष 2021 के अंत तक भारत में अपनी कारों की मार्केटिंग और बिक्री शुरू कर देगी।

ट्रंप भी उठा चुके हैं ज्यादा आयात शुल्क का मुद्दा : इससे पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोपहिया कंपनी हार्ले डेविडसन की बाइकों पर भारत में ज्यादा आयात शुल्क लगाने का मुद्दा उठाया था। भारत ने इस पर आयात शुल्क घटा भी दिया था, लेकिन कंपनी ने यहां से अपना कारोबार समेटने का एलान कर दिया है।

भविष्य में किसी भी मुकदमे का विषय नहीं हो सकेगा एजीआर

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल सहित दूरसंचार कंपनियों पर बकाया एडजस्टेड ग्रास रेवेन्यू (एजीआर) भविष्य में किसी भी मुकदमे का विषय नहीं हो सकेगा। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने एजीआर की गणना में कथित त्रुटियों को दूर करने की मांग से जुड़ी कंपनियों की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा, एजीआर से संबंधित विवाद काफी लंबे समय से अदालतों में लंबित रहा है और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर बकाया राशि को लेकर आगे किसी भी मुकदमे में विचार नहीं किया जाएगा। फैसले में कहा गया कि कंपनियों पर बकाया एजीआर राशि में बदलाव करने से जुड़ी किसी भी याचिका को मंजूरी देने से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के एक सितंबर, 2020 के पिछले फैसले पर पुनर्विचार को लेकर संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। दूरसंचार कंपनियों ने अपनी याचिका में एजीआर की दोबारा गणना की मांग करते हुए कहा था कि गणना में अंकगणितीय 'त्रुटियों' को ठीक किया जाए। उनका कहना था कि गणना में प्रवृष्टियों को दोहराया भी गया है।

एनसीएलटी से जुड़ी पीआइएल खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने उस जनहित याचिका (पीआइएल) पर सुनवाई से इन्कार कर दिया, जिसमें यह घोषित करने का अनुरोध किया गया था कि नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) शीर्ष अदालत के फैसलों के संबंध में अपीलीय अधिकरण के रूप में काम नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ व न्यायमूर्ति एमआर शाह की पीठ ने कहा, अनुच्छेद-32 के तहत इस पर विचार की कोई वजह नहीं है।

आर्थिक विकास के लिए भारतीय माडल जरूरी : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी का मानना है कि भारत में तीन दशक में हुए आर्थिक सुधारों का लाभ सभी नागरिकों को नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि समाज के सबसे निचले तबके के आर्थिक विकास के लिए भारतीय माडल जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2047 में हम अपनी आजादी के सौ साल का जश्न मनाएंगे। इससे बड़ा सपना और क्या होगा कि उस समय तक हम अमेरिका और चीन के समकक्ष होंगे।

देश में आर्थिक उदारीकरण के 30 साल पूरे होने के मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने एक लेख में कहा कि आर्थिक सुधारों की वजह से 1991 में जो हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 266 अरब डालर था, आज वह दस गुना बढ़ चुका है। वर्ष 1991 में हमारी अर्थव्यवस्था



रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी • फाइल फोटो

तीन दशक में हुए आर्थिक सुधारों का लाभ नागरिकों को नहीं मिला, 2047 तक देश के अमेरिका और चीन के बराबर पहुंचने का भरोसा

कमियों से जूझ रही थी, लेकिन 2021 आते-आते इसमें पर्याप्त सुधार हुआ है। अब हमें 2051 तक एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है जो ना केवल टिकाऊ हो बल्कि जिसमें सभी के लिए आगे बढ़ने की संभावना हो। उन्होंने कहा, 'सरकार ने निजी क्षेत्र को भी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में प्रभावशाली ऊंचाई पर रखा। पिछले चार दशकों में यह स्थान सिर्फ सार्वजनिक क्षेत्र को हासिल था।' उन्होंने कहा कि इन सुधारों से भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सका।

बुनियादी ढांचा हमारी सोच से कहीं अधिक सुधरा : अंबानी ने कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा हमारी सोच से कहीं अधिक सुधरा है। हमारे एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और बंदरगाह विश्वस्तरीय हैं। कुछ ऐसा ही हमारे उद्योगों और सेवाओं के साथ है। अब यह कल्पना मात्र लगेगा कि कभी लोगों को टेलीफोन या गैस कनेक्शनों के लिए लाइनों में लगना पड़ता था। या कंप्यूटर खरीदने के लिए सरकार की मंजूरी लेनी होती थी।

ईमानदार करदाताओं को मिले सम्मान : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि ईमानदार करदाताओं को जिम्मेदारी से अपने कर का भुगतान करने के लिए सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने विभिन्न सुधारों के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आयकर विभाग की सराहना की। वित्त मंत्री ने 161वें आयकर दिवस पर दिए अपने संदेश में विभिन्न प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए काम करने को लेकर विभाग की सराहना की।

उन्होंने कहा, प्रक्रियाओं के सरलीकरण से विभाग का कामकाज अड़चन मुक्त, पक्षपात रहित और पारदर्शी हुआ है। उन्होंने कहा, ईमानदार करदाताओं का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि वे अपने हिस्से का कर्तव्यपूर्वक भुगतान करके राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने महामारी के कारण पैदा हुई मुश्किलों के बावजूद अनुपालन की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए भी करदाताओं की सराहना की। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा, विभाग की ज्यादातर प्रक्रियाएं और अनुपालन की जरूरतें आनलाइन माध्यम पर स्थानांतरित हो गई हैं। राजस्व सचिव तरुण बजाज ने भी खुद को अर्थव्यवस्था में आए बदलावों के अनुरूप ढालने के लिए आयकर विभाग की सराहना की।



161वें आयकर दिवस पर प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए विभाग को वित्त मंत्री सीतारमण ने सराहा • फाइल फोटो

खेल जागरण

आज टोक्यो में भारतीय महिलाओं का सुपर संडे

पीवी सिंधू, मेरी कोम, मनु व सानिया-अंकिता आज करेंगी अपने सफर का आगाज

नई दिल्ली, जेएनएन : रविवार का दिन टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय महिला खिलाड़ियों के लिए खास रहेगा क्योंकि देश की स्टार महिला खिलाड़ी अपने-अपने खेलों में अपने अभियान का आगाज करेंगी। रियो ओलिंपिक की रजत पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मेरी कोम, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा व अंकिता रैना और निशानेबाज मनु भाकर अपनी-अपनी स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगी। हालांकि रविवार को भारतीयों के लिए पदक का खेल निशानेबाजी होगी, जिसमें पुरुष और महिला निशानेबाज खेलेंगे।

बैडमिंटन : रियो में सिंधू ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन फाइनल में वह कड़े मुकाबले में हार गई थीं और उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा था। यह भारतीय इस बार स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए बेताब होगी। वह अपना अभियान ग्रुप-जे में शुरू कर रही हैं जिसमें चेयुंग एनगान यि (34वीं रैंकिंग) और सेनिया पोलिकारपोवा (58वीं रैंकिंग) शामिल हैं। गत चैंपियन कैरोलिना मारिन की अनुपस्थिति में सिंधू स्वर्ण पदक की दावेदारों में शामिल हैं।

निशानेबाजी : मनु भाकर विश्व की दूसरे नंबर की निशानेबाज हैं और उन्होंने विश्व कप में 13 पदक अपने नाम किए। वह अभी 19 वर्ष की हैं। वह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में उतरेंगी। उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें भी रहेंगी। उनके अलावा यशस्वनी देसवाल भी इसी स्पर्धा में उतरेंगी। वहीं, पुरुषों में दीपक कुमार, दिव्यांश सिंह पंवार 10 मीटर एयर राइफल क्वालीफिकेशन में उतरेंगे।

टेनिस : भारत की अनुभवी टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा युवा खिलाड़ी अंकिता रैना के साथ मिलकर महिला डबल्स के पहले दौर का मुकाबला खेलने उतरेंगी तो उनकी कोशिश अपने सफर को पदक तक ले जाने की रहेगी। सानिया का यह आखिरी ओलिंपिक कहा जा रहा है और वह इसे यादगार बनाना चाहेंगी।

मुक्केबाजी : भारत के पदकों के दावेदारों में शामिल विकास कृष्णन के टोक्यो ओलिंपिक से बाहर होने के बाद अब मेरी कोम के कंधों पर भारत के पदकों का भार और भी बढ़ गया है। मेरी कोम ओलिंपिक पदक विजेता हैं और छह बार की चैंपियन भी हैं, वह दबाव की स्थिति को अच्छे से संभालना जानती भी हैं। उनके अलावा मनीष कौशिक भी अपने अभियान का आगाज करेंगे।

रोइंग : इस खेल में पुरुषों में लाइट वेट डबल्स डबल्स स्कल्स रेपचेज राउंड 2 में भारतीय खिलाड़ी अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह खेलेंगे।



ओलिंपिक डायरी

बेल्जियम की जिम्नास्टिक्स टीम के साथ अभ्यास करते नोवाक जोकोविक • ट्विटर

गोल्डन स्लैम के लिए जोकोविक ने बढ़ाया पहला कदम

टोक्यो : नोवाक जोकोविक ने शनिवार को बोलीविया के 139वीं रैंकिंग के ह्यूगो डेलियन को 6-2, 6-2 से हराकर गोल्डन स्लैम के लिए अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। साल 2021 के पहले ही तीन ग्रैंडस्लैम जीत चुके जोकोविक अगर ओलिंपिक में स्वर्ण पदक और इसके बाद यूएस ओपन भी जीत लेते हैं तो गोल्डन स्लैम (चार ग्रैंडस्लैम और ओलिंपिक स्वर्ण) पूरा करने वाले दुनिया के पहले पुरुष टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। इस तरह का कारनामा साल 1988 में जर्मनी की महिला टेनिस खिलाड़ी स्टेफी ग्राफ ने किया था।

पहला पदक स्विट्जरलैंड ने जीता

टोक्यो : स्विट्जरलैंड की नीना क्रिस्टन ने कांस्य पदक के रूप में टोक्यो ओलिंपिक का पहला पदक जीता। वह पदक जीतने के बाद उछल पड़ी और इससे उनके देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। उन्होंने यह पदक महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता। इस स्पर्धा का रजत रूस की अनास्तासिया गैलाशिना और स्वर्ण चीन की युवा निशानेबाज यांग कियान ने अपने नाम किया। इस तरह इस ओलिंपिक का पहला स्वर्ण यांग कियान ने चीन की झोली में डाला।

जीत के दावेदार के तौर पर उतरेगी टीम इंडिया

कोलंबो, प्रेट्र : शिखर धवन की अगुआई में वनडे सीरीज 2-1 से जीतने वाली भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में भी जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। हालांकि, आइपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों से सजी इस भारतीय टीम में पहले टी-20 मैच में रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पदार्पण का मौका मिल सकता है।

कोच राहुल द्रविड़ इस सीरीज में चक्रवर्ती को आजमाना चाहेंगे। चक्रवर्ती आफ ब्रेक, कैरम बाल और दायें हाथ के बल्लेबाजों के लिए लेग ब्रेक भी कर लेते हैं। वह आइपीएल में अपनी इस काबिलियत का अच्छा नमूना पेश कर चुके हैं। वह खराब फिटनेस और चोटिल होने के कारण आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जा पाए थे और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीजरी में भी नहीं खेले थे, लेकिन भारतीय टीम यूएई में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले एक स्पिनर की तलाश में हैं और ऐसे में इस 29 वर्षीय गेंदबाज को यहां आजमाया जा सकता है।

इसके अलावा देवदत्त पडीक्कल और रुतुराज गायकवाड़ में से भी किसी एक को पदार्पण का मौका मिल सकता है। इशान किशन और संजू सैमसन दोनों को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। मनीष पांडे को मध्यक्रम से बाहर किया जा सकता है जबकि पांड्या बंधुओं हार्दिक और क्रुणाल का चयन तय है। भुवनेश्वर कुमार और दीपक चाहर एक मैच में विश्राम के बाद नई गेंद संभालने के लिए तैयार होंगे, जबकि स्पिन विभाग में चक्रवर्ती और क्रुणाल के साथ युजवेंद्र सिंह चहल को रखा जा सकता है।

राष्ट्रीय फलक

बंगाल में पुलिस पर दुष्कर्म पीड़िता को धमकी देने का आरोप

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल के बीरभूम जिले में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता को तृणमूल कांग्रेस नेताओं के विरुद्ध शिकायत दर्ज करने पर पुलिस ने कथित रूप से धमकी दी है। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा ने ट्वीट करते हुए कहा, शांतिनिकेतन के पुलिस अधिकारी शुक्रवार को पीड़िता के घर पहुंचे और कथित तौर पर उसे धमकी देते हुए कहा, वह शुक्रवार रात ही उसे पुलिस स्टेशन ले जाएंगे, क्योंकि उसने तृकां नेताओं के खिलाफ शिकायत की है। दिल्ली विवि में प्रोफेसर व सामाजिक कार्यकर्ता डा. श्रुति मिश्रा ने एक आडियो क्लिप साझा की है, जिसमें पीड़िता ने आपबीती सुनाई है। श्रुति मिश्रा ने अपने ट्वीट में कहा कि बंगाल में संविधान, कानून, मूल अधिकार, इंसानियत सब कुछ दांव पर लगा हुआ है। पीड़िता को इंसाफ दिलाने की जगह पुलिस उल्टा पीड़िता को गिरफ्तार करने पहुंची है, वह भी रात को आठ बजे।

बंगाल में भाजपा नेता की हत्या मामले में दो और गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- अभिजीत सरकार की हत्या मामले में अब तक सात आरोपितों की हो चुकी गिरफ्तारी
- हाईकोर्ट ने भाजपा नेता के शव का दूसरी बार पोस्टमार्टम कराने का दिया था आदेश

बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के दौरान भाजपा नेता अभिजीत सरकार की कथित हत्या के मामले में पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कोलकाता के फूलबागान इलाके के रहने वाले भाजपा के श्रमिक प्रकोष्ठ के नेता सरकार की दो मई को राज्य में चुनाव नतीजे के बाद भड़की हिंसा के दौरान कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर है।

इधर, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले की प्राथमिकी में नामजद दो और आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। इनके साथ प्राथमिकी में नामित आठ लोगों में से अब तक सात को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपितों की पहचान संजय डे (26) और अभिजीत डे (25) के रूप में हुई है। दोनों कोलकाता के नारकेलडांगा इलाके के रहने वाले हैं, जिन्हें हुगली जिले के चंदन नगर इलाके में उनके रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया गया। बताते चलें कि इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने बीते दो जुलाई को मृतक भाजपा नेता अभिजीत सरकार के शव का दूसरी बार पोस्टमार्टम करने का आदेश दिया था।

हाई कोर्ट ने यह पोस्टमार्टम कोलकाता में सेना के कमांड अस्पताल में करने को कहा था। पोस्टमार्टम के बाद फिर 13 जुलाई को हाई कोर्ट की पीठ ने मृतक के भाई की अपील पर अभिजीत के शव की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराने का भी निर्देश दिया था।

पति से विवाद में महिला ने चार बेटियों को तालाब में फेंका, तीन की मौत

जासं, कटेया (गोपालगंज) : बिहार में गोपालगंज जिले के कवलरही गांव में पैसे के लिए पति से झगड़े के बाद गुस्से में आकर महिला ने अपनी चार बेटियों को तालाब में फेंक दिया। पता चलने पर आसपास के लोगों ने एक को बचा लिया, लेकिन डूबने से तीन लड़कियों की मौत हो गई। ग्रामीणों के प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया।

कवलरही गांव का असलम गुजरात में एक निजी कंपनी में काम करता है। घर पर उसकी बूढ़ी मां, पत्नी नूरजहां खातून व चार बच्चियां गुलाबसा (9), हरफीना (6), नूरसबा (4) व तैरबा (2) रहतीं हैं। शुक्रवार की शाम पति से फोन पर बात के बाद नूरजहां ने अपनी चारों बच्चियों को साथ लेकर मायके जाने की बात सास से कही। बच्चियां जाने से इन्कार कर रही थीं, पर वह मारते-पीटते चारों को लेकर निकल गई। रास्ते में नूरजहां ने बच्चियों को तालाब में फेंक दिया और भाग निकली।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 25 जुलाई, 2021 से शनिवार 31 जुलाई, 2021 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
मन में विचारों की अधिकता होगी, धनार्जन के प्रति प्रयास, निजी संबंधों में तनाव, वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप लक्ष्य प्राप्त करें, व्यवसाय क्षेत्र में अनुभव और कुशलता से कार्य करें, संतान का सहयोग, अनुबंध की प्राप्ति, खानपान का ध्यान रखें, दांपत्य में सुख, शुभ अंक 1

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो)
व्यापार में सफलता तथा भौतिक लाभ के योग, नए क्षेत्र में संपर्क बनेंगे, व्यापार में सफलता, श्रम से नए व्यापार में उन्नति, निजी संबंधों में मतभेद, साधनों की पूर्ति, शिक्षा में एकाग्रता, चयन में सफलता, मित्रों से सहयोग, त्वचा विकार, नेत्र विकार योग, जीवनसाथी का मिलन, शुभ अंक 2

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा)
पारिवारिक जीवन में सफलता, धनागम में सुधार, दिनचर्या व्यस्ततम होगी, कार्य क्षेत्र में प्रयास करें, मानसिक, भावनात्मक सामांजस्य बनाएं, अतिविश्वास से बचकर यथार्थ को जानें, आवश्यक कार्य को करने हेतु प्रयास, खानपान का ध्यान रखें, शत्रु पक्ष से सावधान, शुभ अंक 4

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
व्यावसायिक एवं पारिवारिक जीवन में आत्मविश्वास से कार्य करें, आप साहसी हैं, विदेश कार्य में प्रयास से सफलता, चिंता का समाधान, साधनों की पूर्ति, भूमि-भवन कार्य में देरी, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, वाहन मे सावधानी, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
आत्मसंयम से सफलता की प्राप्ति, धनागम में सफलता, साहस से परिस्थिति का समाधान, निजी संबंधों में सुधार, भवन साजसज्जा, वाहन योग, संतान के लिए योजना, शत्रु पक्ष परास्त, वाद-विवाद से बचें, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, राज्यपक्ष से लाभ, शुभ अंक 6

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो)
कार्य क्षेत्र में परिवर्तन से लाभ, पूंजी निवेश में सावधानी, स्वजन का सहयोग, निर्णय सलाह से करें, पारिवारिक चिंता का समाधान, अपने कार्य क्षेत्र में सबकी सहभागिता लें, जीवन के क्षेत्र में उत्साही बनें, वाद-विवाद से बचें, दांपत्य में सुख, वाहन में सावधानी, शुभ अंक 7

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
व्यापार में स्थिरता के साथ धनागम में सुधार, धन के आवागमन में सावधानी, विदेश कार्य में सफलता, पारिवारिक जीवन में शांति, लेखन-बौद्धिक कार्य में सफलता, मित्रों से सहयोग, शत्रुपक्ष परास्त,जीवनसाथी का मिलन, धर्म में रुचि, स्थान पद परिवर्तन, शुभ अंक 8

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
आत्मविश्वास की वृद्धि, धनागम में सफलता, अति महत्वाकांक्षा से बचें, स्वजन के प्रति चिंता, अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें, विशेष व्यक्ति से सहयोग, मित्रों से लाभ, चयन में सफलता, शिक्षा से सफलता, शत्रुपक्ष प्रभावी, क्रोध-ईर्ष्या से बचें, अधिकारी से सहयोग, शुभ अंक 9

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
व्यापारिक कार्य में वर्तमान परिस्थिति के अनु सार कार्यरत हों, पूंजी निवेश में सावधानी, पारिवारिक सहयोग से प्रसन्नता, सामाजिक जीवन में यश, अति कल्पना से बचें, संतान के प्रति योजना, स्वास्थ्य पर ध्यान दें, भ्रमण के अवसर आएंगे, शुभ अंक 1

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
कार्य के क्षेत्र में साहस एवं नई विधि से कार्यरत होंगे, व्यापार के नए क्षेत्रों में संपर्क बनेगा, विदेश कार्य में सफलता मिलेगी, धन के लेनदेन में सावधानी, कार्य में अन्य लोगों का सहयोग लें, चयन में सफलता, राज्यपक्ष से सावधान, धर्म में रुचि, शुभ अंक 2

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा)
निजी एवं व्यापारिक जीवन में सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, कार्यों में सिद्धांत तथा मूल्यों का पालन करें, सामाजिक परिवर्तन में यश, भूमि-भवन कार्यों में देरी, संतान से सहयोग, मित्रों से लाभ, खानपान का ध्यान रखें, जीवनसाथी का मिलन, शुभ अंक 4

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
अति कल्पना से बचें, व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे, निर्णय सलाह से करें, दिनचर्या व्यस्ततम होगी, विचारों की अधिकता के कारण तनाव होगा, निजी संबंधों में प्रेम होगा, चयन में सफलता, क्रोध पर नियंत्रण, वाद-विवाद से बचें, राजनीतिक अपयश, शुभ अंक 5

दैनिक जागरण
एकाग्रता सफलता और आनंद का आधार है

जाति और जनगणना

केंद्र सरकार की ओर से जाति आधारित जनगणना कराने से इन्कार किए जाने पर विभिन्न राजनीतिक दलों की आपत्ति सामने आने पर हैरानी नहीं। आपत्ति जताने और जाति आधारित जनगणना को जरूरी बताने वालों में केंद्र सरकार में साझीदार दल जनता दल-यू भी है। आने वाले दिनों में कई अन्य राजनीतिक दल भी जाति आधारित जनगणना के पक्ष में आवाज बुलंद कर सकते हैं, क्योंकि यह एक पुरानी मांग है। भले ही केंद्र सरकार यह तर्क पेश कर रही हो कि पहले भी जाति आधारित जनगणना न होने के कारण आगे भी ऐसा न किया जाना ठीक होगा, लेकिन यह कोई ठोस आधार नहीं। आखिर जब अनुसूचित जातियों और जनजातियों की जनगणना हो सकती है तो शेष वर्गों की क्यों नहीं? यह धारणा सही नहीं कि जाति आधारित जनगणना होने से सामाजिक तानाबाना प्रभावित होगा। जब अनुसूचित जातियों और जनजातियों की जनगणना से सामाजिक समरसता प्रभावित नहीं होती तो फिर इस नतीजे पर पहुंचने का क्या मतलब कि अन्य जातीय समुदायों की जनगणना से ऐसा हो जाएगा? जाति भारतीय समाज की एक सच्चाई है, जिसकी कोई अनदेखी नहीं कर सकता-सरकारें भी नहीं। हमारे समाज और राजनीति में जाति से ही तमाम चीजें तय होती हैं। क्या केंद्र सरकार इससे परिचित नहीं कि सभी राजनीतिक दल किस तरह जातीय समीकरण देखकर अपनी चुनावी रणनीति बनाते हैं? सबसे बड़ी बात तो यह है कि आरक्षण की समस्त नीति ही जाति पर आधारित है।

आखिर यह कहां की समझदारी है कि अन्य पिछड़े वर्गों के आरक्षण का निर्धारण उस आंकड़े के आधार पर किया जाए, जो अंग्रेजों के जमाने में की गई जाति आधारित जनगणना से हासिल हुआ था? जातियों के दशकों पुराने आंकड़ों के आधार पर आरक्षण की नीति तय करना एक तरह से अंधेरे में तीर चलाना है। क्या यह आवश्यक नहीं कि आरक्षण का निर्धारण ताजा आंकड़ों के आधार पर किया जाए? ऐसा करने से आरक्षण की नीति को और अधिक तार्किक बनाने में मदद मिलेगी। जाति आधारित जनगणना न केवल विभिन्न जातीय समूहों के संख्याबल को रेखांकित करेगी, बल्कि यह भी बताएगी कि उनकी आर्थिक स्थिति कैसी है? चूंकि जाति आधारित जनगणना भारतीय समाज की वास्तविक तस्वीर सामने रखने का काम करेगी इसलिए यह काम किया ही जाना चाहिए। उचित यह होगा कि केंद्र सरकार जाति आधारित जनगणना न कराने के अपने फैसले पर नए सिरे से विचार करे, क्योंकि तमाम नीतियों का सही तरह निर्धारण तभी हो पाएगा, जब यह पता चलेगा कि हमारे समाज में विभिन्न जातियों की क्या स्थिति है? भारतीय समाज में विभिन्न पंथों की तरह तमाम जातियां समाहित हैं, इस सच से इन्कार करने का कोई मतलब नहीं।

सच की स्वीकारोक्ति

पंजाब कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने यह स्वीकार कर लिया है कि वहां के लोगों को कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी तरह चार्ज कर भेजा था। यह पंजाब के मुख्यमंत्री की बड़ी उपलब्धि है। इससे यह बात भी स्पष्ट हो गई कि गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में हुई हिंसा के बाद पंजाब से जुड़े आंदोलन के नेताओं ने हरियाणा के युवाओं पर हिंसा का आरोप लगाया था, वह सोच समझकर लगाया था, जिससे हरियाणा बदनाम हो। आंदोलनकारियों को पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा चार्ज कर भेजने की बात से स्पष्ट है कि पूरी योजना के साथ उन्हें उग्र विरोध के लिए कहा गया था। आरंभ में हरियाणा में प्रवेश के समय जब पंजाब के आंदोलनकारी बवाल कर रहे थे, तब हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को बात करने के लिए सात बार फोन किया था, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री ने फोन नहीं उठाया था। मनोहर लाल ने जब यह बात कही तो अमरिंदर ने कहा था कि उन्हें हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कोई फोन नहीं किया था, लेकिन हरियाणा के मुख्यमंत्री कार्यालय से पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय को किए गए फोन की डिटेल जारी कर दी गई तो अमरिंदर मौन साध गए थे। जाखड़ की स्वीकारोक्ति से यह भी स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस का आंदोलन को पूरा सहयोग है। इसमें नई बात मात्र इतनी है कि पंजाब के किसी बड़े कांग्रेसी नेता ने इसे स्वीकार किया है, अन्यथा जब से आंदोलन आरंभ हुआ है, तब से ही पंजाब के आंदोलनकारी हरियाणा के लोगों के लिए समस्या पैदा करते रहे हैं। उनको इससे मतलब नहीं होता कि उनके रास्ता रोकने से हरियाणा के किसानों का नुकसान हो रहा है। यदि वे वास्तव में हरियाणा के किसानों को भाई मानते हैं तो उन्हें पंजाब सरकार पर दबाव डालकर हरियाणा के किसानों के हिस्से का पानी दिलाना चाहिए। वे पंजाब से इस तरह की कोई मांग नहीं करते, क्योंकि उन्हें हरियाणा के किसानों के हितों से कोई लेना-देना नहीं।

> जाखड़ के कथन से स्पष्ट है कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने आंदोलनकारियों को हरियाणा को अशांत करने के लिए भेजा था

जासूसी मामले की सच्चाई



संजय गुप्त

> पेगासस साफ्टवेयर के जरिये सरकार ने जासूसी की, इसका विपक्ष के पास फिलहाल कोई सुबूत ही नहीं है

मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल और पेरिस की संस्था फारबिडेन स्टोरीज द्वारा किए गए इस दावे ने देश-विदेश में राजनीतिक माहौल गर्मा दिया है कि इजरायली कंपनी एनएसओ के पेगासस साफ्टवेयर से दुनिया के कई देशों के साथ भारत में भी तीन सौ से अधिक लोगों के मोबाइल फोन को हैक करके जासूसी की गई। जिस तरह संसद के मानसून सत्र के ठीक पहले यह सनसनीखेज दावा किया गया, उससे संदेह नहीं कि यह सिर्फ मानसून सत्र की कार्यवाही बाधित करने के मकसद से किया गया। हालांकि एमनेस्टी इंटरनेशनल ने यह साफ कर दिया है कि उसके दावे से इसकी पुष्टि नहीं होती कि फोन हैक कर जासूसी की ही गई। अगर यह सच है तो फिर पूरा मामला बिना बात का बतंगड़ बन जाता है। पेगासस साफ्टवेयर बनाने वाली इजरायली कंपनी ने भी इस दावे को बेबुनियाद बताया है। मोरक्को ने तो जासूसी का दावा करने वालों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की बात कही है। इसके बाद भी भारत में विपक्ष जासूसी के मामले में मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहा है। यह दावा संसद सत्र शुरू होने के कुछ ही घंटों पहले किया गया। इस पर सरकार ने भी अपना पक्ष रखा और पूरे मामले को निराधार बताया, फिर भी विपक्ष संसद में हंगामा कर रहा है। राज्यसभा में जब आइटी मंत्री इस मामले पर अपना बयान दे रहे थे तो तृणमूल कांग्रेस के सांसद ने उनके हाथ से कागज छीनकर फेंक दिए। इस अशोभनीय हरकत के कारण उन्हें संसद के शेष सत्र से निलंबित कर दिया गया, लेकिन विपक्ष शांत होने का नाम नहीं ले रहा है।

विपक्ष के हमलावर रुख के बाद भी सरकार यही कह रही है कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं और उसने किसी की जासूसी नहीं की। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने इस मामले को एक अंतरराष्ट्रीय साजिश करार देते हुए कहा कि इसका मकसद प्रस्तावित डाटा सुरक्षा विधेयक को कानून बनने से रोकना है। सच जो भी हो, इसमें दो राय नहीं कि विदेशी मीडिया समेत कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भारत का बढ़ता हुआ कद रास नहीं आ रहा है। उन्हें न तो मोदी सरकार पसंद है और न ही उसकी विदेश नीति। हैरानी नहीं कि मीनाक्षी लेखी की बात में सच्चाई हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान विदेशी मीडिया के एक हिस्से की ओर से किस तरह भारत को नीचा दिखाने और उसे बदनाम करने की कोशिश के तहत बेहद नकारात्मक रिपोर्टिंग की गई।

जहां तक जासूसी की बात है तो यह कोई नई बात नहीं है। शायद मानव इतिहास के प्रारंभ से ही जासूसी चलती आ रही है। प्राचीन काल में चाहे राजा रहे हों या आज की सरकारें, उन्हें जनता की टोह लेने या पड़ोसी देश की सैन्य शक्ति की जानकारी हासिल करने के लिए जासूसी का सहारा लेना पड़ता है। जासूसी के बल पर न जाने कितने युद्ध जीते गए होंगे। शायद ही कोई ऐसा देश हो जिसकी जासूसी करने की कोई औपचारिक संस्था न हो। देश के अंदर भी आंतरिक सुरक्षा का आकलन करने के लिए जासूस सक्रिय रहते हैं। यह काम खुफिया संस्थाएं करती हैं। इसके अलावा सादे कपड़ों में पुलिस को भी यह जिम्मेदारी दी जाती है। जबसे टेलीफोन का अविष्कार हुआ तभी से फोन टैपिंग का भी सिलसिला शुरू हो गया था। संदिग्ध लोग, देश विरोधी तत्व, अपराधी और आतंकी तत्व फोन पर किससे क्या बात करते हैं, अगर सरकारें फोन टैपिंग करके इसका पता न लगाएं तो वे अपने नागरिकों को सुरक्षित नहीं रख सकतीं। आज तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि बेहतर जासूसी करना आसान होता जा रहा है। इसका प्रमाण पेगासस जैसे साफ्टवेयर भी हैं।

पेगासस जैसे साफ्टवेयर महज फोन को हैक कर लोगों की बात ही नहीं सुन सकते, बल्कि मैसेज, ईमेल आदि भी पढ़ सकते हैं। ऐसे साफ्टवेयर भी आ गए हैं जो आपके फोन से किसी दूसरे को संदेश भेज देंगे और आपको पता भी नहीं चलेगा। वास्तव में मोबाइल फोन की क्रांति ने जहां लोगों को सहूलियत दी है, वहीं उनकी निजता के लिए खतरा भी पैदा कर दिया है। आज लोगों की निजी जानकारी का डाटा चोरी होना आम बात हो गई है। यह किसी से छिपा नहीं कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिये कंपनियां लोगों को अपने उत्पाद या सेवाएं खरीदने या उनकी पसंद बदलने के लिए किस तरह प्रेरित कर रही हैं। ब्रिटेन की कैंब्रिज एनालिटिका पर यह आरोप लगे अधिक दिन नहीं हुए कि उसने फेसबुक से लोगों का डाटा हासिल कर कई देशों के चुनाव प्रभावित किए। आज मोबाइल फोन के डाटा पर जिन कंपनियों का नियंत्रण है, वे उसका आसानी से उपयोग कर रही हैं।

जहां हर नागरिक की निजता सुरक्षित रहनी चाहिए, वहीं सरकारों को अपराधी-आतंकी और समाज विरोधी तत्वों की टोह लेने के लिए उनकी जासूसी भी करनी होगी। तभी वे देश को सुरक्षित रख सकती हैं। जहां डाटा के इस्तेमाल से विश्व के अधिकतर नागरिकों के जीवन को बेहतर और सुरक्षित बनाया जा रहा है, वहीं इस पर भी बहस चल रही है कि इस डाटा का बेजा इस्तेमाल लोगों की निजता में सेंध लगा रहा है। यह बात सभी दलों को समझ लेनी चाहिए कि जहां डाटा से लोगों के जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है, वहीं जासूसी भी की जा सकती है। पेगासस के जरिये सरकार ने जासूसी की, इसका विपक्ष के पास फिलहाल कोई सुबूत नहीं है। लिहाजा संसद में शोर मचाने से बात बनने वाली नहीं है। आखिर कमल नाथ किस आधार पर यह कह रहे हैं कि मध्य प्रदेश में उनकी सरकार गिराने में पेगासस का इस्तेमाल हुआ या राहुल गांधी कैसे यह दावा कर रहे हैं कि सरकार उनके फोन टैप कर रही है। अगर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या अन्य किसी तकनीक के सहारे लोगों के डाटा का इस्तेमाल उनके जीवन को सुखद बनाने में हो तो भला किसे आपत्ति होगी। फोन टैपिंग से वे सफेदपोश लोग जरूर असहज होंगे जो कच्ची बात करने के आदी हैं। डिजिटल तकनीक के कारण डाटा के बेजा इस्तेमाल से लोगों की निजता भंग होती है। इससे लोगों का चिंतित होना लाजिमी है।



अवधेश राजपूत

response@jagran.com

एक कला है निलंबित होना

हास्य-व्यंग्य





कमल किशोर सक्सेना

> निलंबित होना न केवल हर पहलू से फायदेमंद है, बल्कि जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी है

जो लोग आज तक निलंबित नहीं हुए हैं, वे अब भी प्रयास कर लें तो देर नहीं कहलाएगी, क्योंकि निलंबन रूपी रत्न के बिना नौकरी रूपी ताज की आभा अधूरी रहती है। सुबह दस से शाम पांच बजे तक कलम या कंप्यूटर का माउस घसीटकर अपना फंड, ग्रेच्युटी और बीमा तो बहुत से लोग पा जाते हैं, पर बिना काम किए आधी तनख्वाह का सुख तो नसीब वाले ही उठा पाते हैं। निलंबन के लिए भ्रष्टाचार बहुत जरूरी है। यह माना जाता है कि जो निलंबित हुआ है, वह भ्रष्ट होगा। कभी-कभी ईमानदार लोग भी निलंबित हो जाते हैं। ऐसे मामलों में निलंबित करने वाला भ्रष्ट होता है।

हालांकि निलंबित होना भी एक कला है। जो लोग इसे जानते हैं, सुखी रहते हैं। जानकार लोग जब तक नौकरी करते हैं, कमाते हैं। फिर निलंबित होकर बाकायदा उसका सुख भोगते हैं। हमारे एक मित्र हैं, जो कोई न कोई हथकंडा अपनाकर हर साल मई-जून में सस्पेंड हो जाते थे और बीवी-बच्चों को किसी हिल स्टेशन पर घुमा लाते थे। पिछले महीने लाकडाउन खुलने पर हमें मिले। बताया कि दफ्तर जा रहे हैं तो और आश्चर्य हुआ। काफी कुरेदने पर उन्होंने बताया, 'यार नया बास बहुत घाघ है। सोचा था कि अबकी गर्मियों में गांव वाला मकान बनवा लूंगा। मगर साहब ने सस्पेंड ही नहीं किया।' मुझे आश्चर्य हुआ कि मित्र जैसा अनुभवी व्यक्ति सस्पेंड होने में मात खा जाए तो नए लोगों का क्या होगा? मित्रवर ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया, 'निलंबित होने के लिए मैंने क्या-क्या नहीं किया। अफसर को हिस्सा दिए बिना टेंडर पास करवाया। मगर उसने सस्पेंड करने के बजाय अगले टेंडर से मेरा कमीशन हड़प लिया। फिर मैंने सरेआम उसे गालियां दीं, पर उसने कोई कार्रवाई करने के बजाय अपने कानों में रुई ठूंस ली।' 'तुमने उसे झापड़ क्यों नहीं मारा?' मैंने अदनी-सी राय दी। 'वह भी मारकर देख लिया, पर कुछ नहीं हुआ। उसने भी पलटकर मुझे जड़ दिया।' मित्र ने खिसियाकर आगे बताया, 'कहता है कि लोकतंत्र में सबको सस्पेंड होने का समान अधिकार है। यह क्या बात हुई कि हमेशा आप ही मौज करें। खूबचंद को लड़की की शादी करनी है। बटोही को आंख का आपरेशन करवाना है। पल्हड़ जी को अपने मां-बाप को माता वैष्णो देवी के दर्शन करवाने हैं। क्या इन लोगों को सस्पेंड होने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए।'

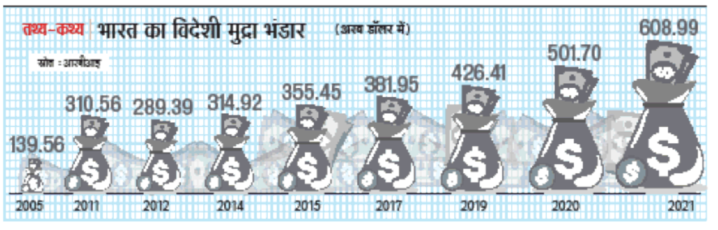
मित्र की यह करुण कथा नौकरी रूपी पुस्तक का एक दुखद अध्याय है, जो कभी न कभी अनचाहे पढ़ना पड़ ही जाता है, पर इसका यह अर्थ नहीं कि कोशिश करनी छोड़ दी जाए। गीता में भी कहा गया है कि मनुष्य को कर्म अवश्य करना चाहिए। निलंबन रूपी फल अफसर के हाथ में है। हां, यह जरूर है कि जिन लोगों की अपने अफसर के साथ अच्छी ट्यूनिंग होती है, उन्हें बिना नंबर के भी निलंबन सुख अप्रत्याशित रूप से मिलता रहता है। अर्थात निलंबित होने के लिए अफसर की गुड बुक में रहना जरूरी है।

निलंबित कर्मचारी की दिनचर्या कुछ अलग हो जाती है। पहले तो दफ्तर पहुंचने की हड़बड़ी होती थी, किंतु निलंबनोपरांत बड़ा इत्मीनान रहता है। जब बाकी दुनिया मशीन बनी ऑफिस भाग रही होती है तो निलंबित कर्मचारी चैन से अखबार पढ़ता मिलता है और मूंछों पर ताव देकर मन ही मन कहता है, 'नौकरी करोगे तो ऐसे ही कोल्हू के बैल बने रहोगे।' निलंबित कर्मचारी की पत्नी भी प्रायः उससे खुश रहती है, क्योंकि पति महोदय घर के कामों में भी उसका हाथ बटा लेते हैं। इस अवधि में घर के नौकरों को छुट्टी दे दी जाती है। बच्चों को पढ़ाने के लिए काफी समय होता है, नतीजा ट्यूटर की भी छुट्टी। निलंबन अवधि में आर्थिक बचत भी हो जाती है। जो लोग पहले मुलाकात न होने का उलाहना देते थे, उनकी शिकायत इस हद तक दूर हो जाती है कि वे मनाने लगते हैं, 'हे ईश्वर! अब तो इन्हें बहाल कर दो।'

कुल मिलाकर निलंबित होना न केवल हर पहलू से फायदेमंद है, बल्कि जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी है। इसलिए हे कर्मचारियों! अपनी नौकरी में मिले निलंबन रूपी विशेषाधिकार को पहचानो।

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (अरब डॉलर में)



ऊर्जा

पिंड और ब्रह्मांड

भारतीय दर्शन के अनुसार, जो इस शरीर में है वही इस ब्रह्मांड में है। दोनों के सृष्टि उपादान एक हैं और सृष्टिकर्ता भी। जिस विधाता ने पंचमहाभूतों से इस ब्रह्मांड की रचना की। उसी ने उन्हीं से इस शरीर की भी। ऐसे में किसी भिन्नता का कोई औचित्य नहीं। जिस प्रकार एक पिता से उत्पन्न सभी संतानों का डीएनए एक होता है उसी प्रकार एक विधाता की रचना में अंतर कैसे हो सकता है। जैसे सूर्य-चंद्र, ग्रह-नक्षत्र, असंख्य तारागण और आकाशगंगाएं ब्रह्मांड में स्वतः संचालित हैं। उसी तरह नेत्र रूप में सूर्य, मन रूप में चंद्र आदि सभी प्राकृतिक शक्तियां इस पिंड (शरीर) में भी विद्यमान हैं। ऋग्वेद का पुरुष सूक्त इसका प्रमाण है जिसमें परमात्म स्वरूप एक विराट पुरुष के विभिन्न अंगों से लोकों की सृष्टि का वर्णन है। उदाहरणार्थ-नेत्रों से सूर्य, मन से चंद्रमा, मुख से अग्नि, प्राण से वायु, कर्ण कुहरों से आकाश, सिर से द्युलोक, चरणों से पृथ्वी आदि उत्पन्न हुए।

इस कारण दोनों की क्रियाविधियों में भी समानता स्वाभाविक है। गति के जो नियम ब्रह्मांड के लिए निर्धारित हैं वही इस पिंड के लिए भी। तमाम ग्रह-नक्षत्रादि जब तक अनुशासन बद्ध हो अपने-अपने मार्ग पर गति करते हैं तभी तक उनका अस्तित्व है और ब्रह्मांड का भी। अन्यथा एक पल के लिए भी पथ भ्रष्ट होने पर न किसी ग्रह का अस्तित्व बचेगा, न ब्रह्मांड का। यही बात इस पिंड के लिए भी सत्य है, क्योंकि दोनों का पथ एक है और पाथेय भी। किसी प्रकार का टकराव दोनों के स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं। अपना वजूद बनाए रखने के लिए अनुशासन, एकता और सामंजस्य दोनों के लिए जरूरी हैं। अन्यथा इतिहास गवाह है आपसी टकराव ने मानवता को बहुत गहरे घाव दिए हैं। अहंकार में टकराव की ओर बढ़ी चली जा रही दुनिया को इस खुबसूरत ब्रह्मांड की ओर निहारना होगा, उसका यह मौन संदेश पढ़ना होगा और शांति पथ पर लौटना होगा।

डा. सत्य प्रकाश मिश्र

कहीं एलियंस हमें देख तो नहीं रहे!

मुकुल व्यास

> विज्ञानियों ने 1,715 तारा प्रणालियों की पहचान की है जहां से पारलौकिक पर्यवेक्षक पृथ्वी पर नजर रख रहे होंगे

यदि पारलौकिक दुनिया में सचमुच जीवन है तो मुमकिन है कि वहां के प्राणियों की नजर हमारे ऊपर हो। खगोल विज्ञानियों ने निकटवर्ती तारा प्रणालियों की सूची तैयार की है जहां परिक्रमारत ग्रहों पर रहने वाले प्राणी पृथ्वी पर जीवन देखने के लिए सर्वोत्तम स्थिति में हैं। विज्ञानियों ने हमारे ब्रह्मांडीय पड़ोस में 1,715 तारा प्रणालियों की पहचान की है जहां से पारलौकिक पर्यवेक्षक पृथ्वी पर नजर रख रहे होंगे। हो सकता है कि उन्होंने पिछले 5,000 वर्षों के दौरान पृथ्वी को सूरज के सामने से गुजरते हुए देख लिया हो। जो तारा प्रणालियां सूरज के सम्मुख पृथ्वी के पारगमन का पर्यवेक्षण करने की सही स्थिति में हैं, उनमें से 46 तारा प्रणालियों के ग्रह हमारे इतने करीब हैं कि वे मानव के अस्तित्व के संकेत ग्रहण कर सकते हैं। ये संकेत रेडियो और टीवी प्रसारणों के हैं, जिनकी शुरुआत करीब 100 साल पहले हुई थी। अनुमान है कि 29 आवास योग्य ग्रह सूरज के सम्मुख पृथ्वी के पारगमन को देखने और मनुष्य के रेडियो और टीवी प्रसारण सुनने की सबसे अच्छी स्थिति में हैं। इनके आधार पर पारलौकिक पर्यवेक्षक पृथ्वीवासियों के बुद्धिमत्ता के स्तर का अंदाजा लगा सकते हैं। क्या ये प्रसारण किसी उन्नत सभ्यता को पृथ्वी वासियों से संपर्क के लिए बाध्य करेंगे, यह एक विचारणीय प्रश्न है।

पृथ्वी के खगोल विज्ञानी अब तक सौरमंडल से बाहर हजारों ग्रहों का पता लगा चुके हैं। इनमें से करीब 70 प्रतिशत का पता तब चला जब पारलौकिक ग्रहों ने अपने मेजबान तारे के सामने से गुजरते हुए खगोल विज्ञानियों की दूरबीनों पर पहुंचने वाली कुछ रोशनी को बाधित कर दिया। भविष्य में अंतरिक्ष में भेजी जाने वाली दूरबीनें बाहरी ग्रहों के वायुमंडलों की संरचना का विश्लेषण करके वहां जीवन के चिह्नों की तलाश करेंगी। नासा का जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप इसी साल भेजा जाएगा। इस नई दूरबीन से बाहरी ग्रहों के बेहतर पर्यवेक्षण में मदद मिलेगी। अमेरिका की कार्नेल यूनिवर्सिटी के कार्ल सेगन इंस्टीट्यूट की निदेशक लीसा काल्टेनेगर और उनके सहयोगी डा. जैकी फाहर्टी ने उन निकटवर्ती तारा प्रणालियों की पहचान की है, जो सूरज के सम्मुख पृथ्वी के पारगमन को देखने की अच्छी स्थिति में हैं। इससे उन्होंने 2,034 तारा प्रणालियों की पहचान की जो पृथ्वी से 326 प्रकाश वर्ष के दायरे में हैं। वर्गो नक्षत्र मंडल में रोस 128 नामक एक बौना लाल तारा पृथ्वी से 11 प्रकाश वर्ष दूर है। पृथ्वी के रेडियो प्रसारण सुनने के हिसाब से वह हमारे बहुत करीब है। इस तारे के एक ग्रह का आकार पृथ्वी से दोगुना है। पृथ्वी से करीब 12.5 प्रकाश वर्ष दूर टीगार्डंस स्टार का भी उल्लेख किया जा सकता है। यदि इस तारे के दो ग्रहों में से एक पर बुद्धिमान प्राणियों का वास है तो वह 29 वर्ष में पृथ्वी के पारगमन को देखने के लिए अच्छी स्थिति में होगा।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

चाहत



लोजपा अध्यक्ष राम विलास पासवान अब रहे नहीं। वहां तो घर के अंदर ही इसकी लड़ाई छिड़ी है कि पासवान का नेता कौन है, उनके पुत्र चिराग पासवान या फिर उनके भाई पशुपति पारस? दोनों इस लड़ाई में पहली बार उतरे हैं और खुद को साबित करना बाकी है। ऐसे में कम से कम उत्तर भारत में दलितों के नेता होने और उत्तर प्रदेश में बसपा सुप्रीमो मायावती को चुनौती देने का जो काम पहले राम विलास पासवान करते थे अब उसे आरपीआइ नेता रामदास आठवले ने झटक लिया है। यह आशा भी संजोए बैठे हैं कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में लड़ने को कुछ सीटें मिल जाएं और जीत गए तो बात ही क्या। फिर तो दोनों हाथ भर जाएंगे। दरअसल आठवले लंबे अरसे से केंद्रीय मंत्री बनने की चाहत भी रख रहे हैं, लेकिन करें क्या। राज्यसभा में भी तो वह भाजपा की दरियादिली से ही आए हैं।

यह कैसी हामी?

वर्षों दौड़ते रहे। आवेदन भी पकड़ाते रहे, लेकिन हर बार हां कहने के बाद भी काम नहीं हुआ। आजिज गए। फिर एक दिन मजाक में ही उस विभाग के बड़े मंत्री अनंत गीते से पांडेय जी ने आग्रहपूर्वक पूछ ही लिया। अब काम तो होने से रहा, लेकिन अपना एक गुण जरूर सिखा दीजिए कि हर बार काम करने की हामी भरने के बावजूद ना कैसे संभव हो पाता है? तत्कालीन मंत्री अनंत गीते ने असहज होने के बजाय उस बात को हंसी में उड़ा दिया और फिर हामी भर ली, लेकिन हैरानी तो यह रही कि काम तब भी नहीं हुआ। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में हाल में हुए बदलाव के बाद डा. महेंद्रनाथ पांडेय अब उसी मंत्रालय के मंत्री बना दिए गए हैं। लगता है, अब उनका वर्षों से लंबित काम जरूर हो जाएगा।

राजरंग

नाम का हैवी

केंद्र सरकार का एक मंत्रालय होता था भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय। नाम तो वैसे इसका हैवी है, लेकिन कालातंर में इस मंत्रालय के पास कोई खास काम नहीं बचा था। थोड़ा बहुत जो काम था उस पर भी अब पर्दा गिर गया है और यह मंत्रालय वाकई काफी हल्का हो गया है। कुछ वर्ष पहले तक इसके पास कई सारी कंपनियां थीं, कुछ बिक गईं और जो बची हैं उनमें से अब अधिकांश भारी घाटे में हैं या फिर उनका विनिवेश हो रहा है। अब पिछले दिनों इस मंत्रालय से सार्वजनिक उपक्रम विभाग को भी हटा दिया गया और इसे वित्त मंत्रालय में मिला दिया गया। विनिवेश में रुचि रखने वाली जो कंपनियां पहले उक्त मंत्रालय के चक्कर लगाया करती थीं वे भी अब नार्थ ब्लाक जाने लगी हैं। ऐसे में अब लोग कह रहे हैं कि सिर्फ मंत्रालय का नाम ही हैवी है, काम तो कुछ रहा नहीं।

गए मौज के दिन



केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में इन दिनों में नए मंत्री की आमद से हलचल मची हुई है। खासकर ऐसे अफसर सबसे ज्यादा परेशान हैं, जो महकमे को अब तक टाइम पास करने की जगह मानकर बैठे थे। यही वजह है कि इस मंत्रालय में सबसे ज्यादा गैर-आइएएस अफसरों का जमघट है, पर कैबिनेट में नए बदलाव के बाद जब से नए मंत्री की आमद हुई है, उनके मौज के दिन लद गए हैं। अब उन्हें छुट्टी के दिन भी मंत्रालय में आना पड़ रहा है। फिलहाल ईद के दिन मंत्री जी की बैठक की महकमे में इन दिनों खूब चर्चा है। जिसमें मंत्री जी ने महकमे के एक-एक योजना की गहरी समीक्षा की। साथ ही अफसरों से इन योजनाओं के अंतिम व्यक्ति तक न पहुंचने पर तीखे सवाल भी किए। खबर है कि मंत्री जी के सवालों को सुनकर बैठक में ही कई अधिकारियों के पसीने छूट गए, क्योंकि काम-काज को लेकर कभी कोई ऐसे सवाल भी करेगा इसकी उम्मीद उन्हें नहीं थी। खैर, अपनी धुन के पक्के मंत्री जी ने साफ कर दिया है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही होगा।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

7 क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र हैं पूरे देश में जो केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय से संबद्ध हैं। इसके अलावा, देश में इस तरह के कई और संस्थान हैं संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत जो हमारी संस्कृति को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं।

आजकल

समग्र नीति से ही समृद्ध होगी संस्कृति

केंद्र समेत राज्य सरकारों द्वारा संस्कृति जैसे विषय की अनदेखी की खबरों के बीच उत्तर प्रदेश से एक अच्छी खबर आई है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संदर्भ में एक नई पहल की है। इस राज्य की प्रस्तावित संस्कृति नीति के बारे में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित विशेषज्ञों से बातचीत कर इसे तैयार करने का निर्देश दिया है। लेकिन इस मामले में एक राज्य या फिर कुछ राज्यों की पहल से काम नहीं चलेगा। केंद्रीय स्तर पर एक समग्र संस्कृति नीति बनाने की जरूरत है



अनंत विजय
anant@nda.jagran.com



संस्कृति पर फोकस करते हुए आगे बढ़ रही सरकार : नरेंद्र मोदी। फाइल



संस्कृति नीति तैयार करने की पहल : योगी आदित्यनाथ। फाइल

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संस्कृति को लेकर हाल ही में एक नई पहल की है। खबरों के मुताबिक संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव ने उनके समक्ष प्रदेश की प्रस्तावित संस्कृति नीति के प्रमुख बिंदुओं को रखा। प्रस्तावित संस्कृति नीति के बारे में योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को विषय से जुड़े विशेषज्ञों से बातचीत कर इसको तैयार करने का निर्देश दिया है। यह तो एक राज्य की बात है, लेकिन समय आ गया है कि संस्कृति को लेकर गंभीरता से विचार किया जाए और देशभर की एक संस्कृति नीति बनाई जाए। कई राज्यों में संस्कृति नीति के नाम पर अलग अलग नियम हैं, इसलिए एक समग्र संस्कृति नीति की जरूरत है।

हमारे पूरे देश की संस्कृति एक है। उस एक संस्कृति के विविध रूप हैं जो अलग अलग राज्यों से लेकर अलग प्रदेशों और इलाकों में लक्षित किए जा सकते हैं। स्वाधीनता के 75 साल पूरे होने जा रहे है, परंतु अब तक देश में एक समग्र संस्कृति नीति नहीं है। समग्र संस्कृति नीति के अभाव में राज्यों से लेकर केंद्रीय स्तर पर अलग अलग संस्थाएं कार्यरत हैं। ऐसा लगता है कि जब जरूरत हुई तो संस्कृति से जुड़ी एक संस्था बना दी गई। इन संस्थाओं के कार्यों का विश्लेषण करने पर कई विसंगतियां दिखती हैं। सबसे बड़ी विसंगति तो यही है कि एक ही काम को अलग अलग संस्थाएं कर रही हैं। दिल्ली में केंद्र सरकार की संस्कृति से जुड़ी कई संस्थाएं काम करती हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, साहित्य अकादमी, नेशनल गैलरी आफ माडर्न आर्ट, सांस्कृतिक स्रोत और प्रशिक्षण केंद्र, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राष्ट्रीय संग्रहालय आदि हैं। इनके अलावा, अगर हम संस्कृति मंत्रालय से जुड़ी अन्य संस्थाओं को देखें तो इसमें सबसे बड़ा है क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र। पूरे देश में सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र हैं। बुद्ध अध्ययन से जुड़ी चार संस्थाएं हैं। पांच पुस्तकालय हैं, सात संग्रहालय भी हैं।

उपरोक्त संस्थाओं के कामकाज पर नजर डालें तो एक ही काम अलग अलग संस्थाएं कर रही हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र जो काम कर रहा है उसमें से कुछ काम संगीत नाटक अकादमी भी कर रही है। नेशनल गैलरी आफ माडर्न आर्ट और ललित कला अकादमी के काम भी कई बार एक जैसे होते हैं। ये सब संस्थाएं जो काम कर रही हैं उनमें से कई काम क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र भी कर रहे हैं। क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों की असलियत तो कोरोना महामारी के दौरान खुल गई। उनके पास संबंधित इलाकों के कलाकारों की सूची तक नहीं है। पूर्व संस्कृति मंत्री ये कहते रहे कि कोरोना महामारी से प्रभावित कलाकारों की मदद के लिए क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र सूची तैयार कर रहे हैं। पर मदद तो दूर की बात आज तक सूची की जानकारी भी ज्ञात नहीं हो सकी। किसी भी कलाकार से बात करने पर पता चलता है कि इन क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों में कितना भ्रष्टाचार है और अगर सही तरीके से जांच हो जाए तो समूचा सच सामने आ जाएगा। ये सांस्कृतिक केंद्र जिन उद्देश्यों से बनाए गए थे वो अब पुनर्विचार की मांग करते हैं।

इसके अलावा, राज्यों में कई तरह की अकादमियां हैं जो संस्कृति संरक्षण और उसको समृद्ध करने के काम में लगी हैं। मध्य प्रदेश में भी कला, साहित्य और संगीत से जुड़ी कई संस्थाएं हैं। मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी, आदिवासी लोक कला और बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय, साहित्य अकादमी भोपाल, कालिदास संस्कृत अकादमी, भारत भवन आदि। इन सबके क्रियाकलापों पर नजर डालने से कई बार एक ही तरह के काम कई संस्थाएं करती नजर आती हैं। इसी तरह से बिहार संगीत नाटक अकादमी, बिहार ललित कला अकादमी, भारतीय नृत्य कला मंदिर के अलावा ढेर सारी भाषाई अकादमियां हैं। इन दो राज्यों के अलावा अन्य राज्यों का सांस्कृतिक परिदृश्य भी लगभग ऐसा ही है।

दरअसल कांग्रेस के लंबे शासनकाल के दौरान अपने लोगों को पद और प्रतिष्ठा देने-दिलाने के चक्कर में संस्थान खुलते चले गए। तर्क दिया गया कि विकेंद्रीकरण से काम सुगमता से होगा, लेकिन हुआ इसके उलट। कला-संस्कृति के प्रशासन के विकेंद्रीकरण ने अराजकता को बढ़ावा दिया। ज्यादातर जगहों पर ठोस काम नहीं हो पा रहा है। इस स्तंभ में पहले भी इस बात की चर्चा की जा चुकी है कि साहित्य कला और संस्कृति से जुड़ी ज्यादातर संस्थाएं इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में तब्दील हो गई हैं। वो आयोजन करके ही अपने कर्तव्यों की इतिश्री मान लेते हैं।

वर्तमान परिदृश्य में अब यह बेहद आवश्यक हो गया है कि पूरे देश के लिए एक समग्र संस्कृति नीति बने और उसके आधार पर संस्थाओं का पुनर्गठन हो। राष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहल होनी चाहिए। नीति आयोग इस बारे में संस्कृति के जानकारों, प्रशासकों के साथ मंथन करे और इस संबंध में सरकार को अपना सुझाव भेजे। बेहतर हो कि एक राष्ट्रीय कला केंद्र बने और उसके अंतर्गत अलग अलग विधाओं व क्षेत्रों की शाखाओं का गठन हो। प्रशासनिक कमान एक जगह रहने से कार्यों में दोहराव से बचा जा सकेगा, ठोस काम हो सकेगा। इसको इस तरह से भी समझा जा सकता है कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों का विलय हो जाना चाहिए, ताकि एक समग्र नीति पर लोककलाओं से लेकर अन्य कलाओं को समृद्ध करने का कार्य आरंभ हो। ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी, कथक केंद्र को भी प्रस्तावित राष्ट्रीय कला केंद्र का हिस्सा बना देना चाहिए। इन संस्थाओं में लगभग एक जैसे काम होते हैं। उनको कला केंद्र का हिस्सा बनाकर सीमित स्वायत्तता देने पर भी विचार किया जा सकता है, ताकि वो अपने स्तर पर कार्यों को प्रस्तावित कर सकें, लेकिन प्रशासन का एकीकृत कमांड हो।

सभी संग्रहालयों को किसी एक संस्था के अधीन कर उसका प्रशासनिक दायित्व नियोजित किया जा सकता है। इनको देखनेवाली संस्था का दायित्व हो कि वो समग्र संस्कृति नीति के अनुसार इनके कामकाज को तय करे और फिर उसका उचित क्रियान्वयन करे। इसी तरह नाटक और नाट्य प्रशिक्षण से जुड़ी संस्थाओं को पुनर्गठित करके उसको ज्यादा मजबूती प्रदान की जा सकती है। नृत्य आदि कला से जुड़ी सभी संस्थाओं को भी कला केंद्र में समाहित करके नया और क्रियाशील स्वरूप प्रदान किया जा सकता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत विभिन्न संस्थाओं के पुनर्गठन की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। उसी माडल पर संस्कृति मंत्रालय में भी काम किया जा सकता है, लेकिन यहां के लिए आवश्यक यह होगा कि पहले एक समग्र संस्कृति नीति बने। यह नीति राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को भी आसान कर सकती है। नई शिक्षा नीति यह मानती है कि कला के माध्यम से संस्कृति का प्रसार हो सकता है और इसके लिए उसमें कई बिंदु सुझाए गए हैं। शिक्षा नीति में संविधान में उल्लिखित प्रत्येक भाषा के लिए अकादमी के गठन का भी प्रस्ताव है। इसको साहित्य अकादमी के कार्यक्षेत्र का विस्तार करके किया जा सकता है। भाषा और संबंधित विषयों की संस्थाओं को साहित्य अकादमी के अंतर्गत लाकर बेहतर काम हो सकता है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार संस्कृति मंत्रालय में एक कैबिनेट और दो राज्यमंत्री पदस्थापित किए गए हैं। इससे इस बात का संकेत तो मिलता ही है कि प्रधानमंत्री का फोकस संस्कृति की ओर है।

फिर से

महिलाओं के प्रति समाज का रवैया

सोनम लववंशी

एक तरफ हम चांद और मंगल ग्रह पर मानव जीवन बसाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ हमारे समाज का एक बड़ा तबका अब तक महिलाओं के 'ड्रेसकोड' में ही उलझा हुआ है। अब हम 21वीं सदी में भले पहुंच गए हों, लेकिन महिलाओं के परिधान को लेकर अधिकांश लोगों की सोच नहीं बदली है। हमारे संस्कारों की परिभाषा बदल गई है। सोचने वाली बात यह है कि क्या हमारी संस्कृति इतनी कमजोर है जिसे अब कपड़ों से परिभाषित करना पड़ रहा है?

बीते दिनों मंदिरा बेदी के पति का असमय निधन हो गया। इसके बाद उन्हें ट्रोल किया जाने लगा कि उन्होंने अंतिम संस्कार के समय जींस पहन रखी थी। क्या कोई महिला जिसके पति का निधन हुआ, वह पहले उस कपड़े पर ध्यान केंद्रित करे या फिर पति के निधन का शोक मनाए? यह साधारण सी बात है कि कोई भी व्यक्ति पहले से तो ऐसे दुखद समय के लिए तैयार नहीं रहता। फिर ऐसे अजीबोगरीब सवाल से किसी की आत्मा और हमारे संस्कारों को नीचे क्यों गिराया जाए।

आज के दौर में हमारे समाज को जिन विषयों पर बोलना चाहिए उन पर तो चुप्पी साध लेता है और जिन विषयों पर नहीं बोलना चाहिए, उस पर बेवजह बोलकर बात का बतंगड़ बनाता है। एक तरफ हमारे समाज में महिलाओं का संस्कारी होना उनके कपड़ों के आधार पर तय किया जाता है, वहीं दूसरी ओर समाज के एक वर्ग विशेष के द्वारा महिला का ही सरेआम पल्लू खींचा जाता है। वह भी उस समय जब वह महिला अपने ब्लाक प्रमुख की उम्मीदवारी का पर्चा भरने के लिए जा रही होती है। ऐसे में कई सवाल उठते हैं। लेकिन उन पर गहन मंथन करने वाला कोई नहीं।

लोकतांत्रिक निर्लज्जता की भी हद होती है। एक तरफ तो जो महिला कपड़े पहने हुए है, उसके बदन से कपड़े खींचे जाते हैं और दूसरी तरफ एक अन्य महिला जिस पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है और जिसने असमय अपने पति को खो दिया, उसे कैसे कपड़े पहनने चाहिए और कैसे नहीं उसकी सीख दी जा रही है।

हैरानी की बात यह भी है कि जिन महिलाओं को हम अपना प्रतिनिधि चुनते हैं, उनमें से भी अधिकांश ऐसे प्रसंग सामने आने पर मौन धारण कर लेती हैं। महिला आयोग भी कुछ खास नहीं कर पाता। केंद्र से लेकर राज्यों की सरकारों में तमाम महिला मंत्रियों के होते हुए भी इस तरह के मामलों पर संज्ञान नहीं लिया जाना तो यही साबित करता है कि सत्ता की राजनीति से जुड़ी महिलाएं इस तरह के मामलों में दिलचस्पी नहीं लेना चाहती हैं।

समाज का कोई भी वर्ग हो महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार हर परिस्थिति में होता रहा है। महाभारत काल की ही बात करें तो द्रौपदी का चीरहरण भरी सभा में किया गया और सारा हस्तिनापुर मौन रहा। ऐसे में आज की परिस्थितियों को देखकर यही प्रतीत होता है, मानो एक बार फिर देश-समाज महिलाओं पर होते अत्याचार के खिलाफ आंखें बंद करके तमाशबीन बन गया है। समाज में महिलाओं को बराबरी के हक दिए जाने की बात का ढिंढोरा बड़े जोर-शोर से गूंजता है, लेकिन जब वही महिला अपनी रूढ़िवादी परंपराओं से बाहर निकलने का प्रयास करती है तो बड़ी आसानी से उन पर लांछन लगा दिया जाता है।

समाज को इस प्रकार के सेलेक्टिव अप्रोच से बाहर निकलना होगा। हर महिला को एक दृष्टिकोण से देखना होगा। महिला कोई भी हो, अमीर या गरीब घर की, हर महिला का सम्मान होना चाहिए। कपड़े हमारी पहचान नहीं बन सकते, पहचान हमारा अपना व्यक्तित्व ही होता है। हमारे देश की परंपरा तो सदियों से नारी को पूजने की रही है। फिर क्यों आज नारी की अस्मिता पर चोट करने से समाज पीछे नहीं हटता?

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

ट्वीट-ट्वीट

पांच साल की बेइंतहा मेहनत, लक्ष्य पाने का जुनून और मौका मिलने पर कुछ क्षण की एकाग्रता ने मीराबाई चानू को हिंदुस्तान का गौरव बना दिया। जय हिंद।
रूबिका लियाकत@RubikaLiyaquat



जिंदगी दूसरा मौका जरूर देती है, लेकिन सिर्फ उन्हीं को जो हार को कभी स्वीकार नहीं करते। रियो से टोक्यो ओलिंपिक तक का मीराबाई चानू का सफर प्रेरणा देने वाला है।
सुनंदा वशिष्ठ@sunandavashisht

अभी तक एक ही मीराबाई को जानते थे आज दूसरी मीराबाई को भी जान लिया। देश को आप पर गर्व है। आशीष यादव@aashishsy

बचपन में जलाने वाली लकड़ी का गट्ठर उठाने से लेकर टोक्यो ओलिंपिक तक का मीराबाई चानू का सफर छोटी जगहों से आने वाले हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरक है जिसने बड़े ख्वाब देखे हैं।
अखिलेश आनंद@akhileshanandd

10वीं/12वीं के रिजल्ट्स आने वाले हैं। बहुत अच्छा हुआ तो 'सिर' पर मत लेना, बहुत अच्छा नहीं हुआ तो 'दिल' पर मत लेना। आगे मौके मिलेंगे उनको ध्यान में रखना।
अवनीश शरण@AwanishSharan

अच्छा हुआ भगवान श्री राम लंका में वानर सेना लेकर गए थे। यदि इंसानों को ले गए होते तो, सोने की लंका देखकर आधे तो रावण के पक्ष में हो गए होते। अरुण गोविल@arungovil12

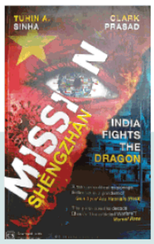
भारत का जब भी कोई नेता हिमालयी क्षेत्र का दौरा करता है तो चीन प्रतिक्रिया देता है। गत दिनों चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग अरुणाचल-तिब्बत सीमा से लगते क्षेत्र का दौरा कर आए, लेकिन भारत ने अभी तक उस पर एक शब्द भी नहीं बोला है। यहां पक्ष-विपक्ष अभी तुच्छ राजनीति में ही घिरे हुए हैं। चीन के विपरीत मोदी ने अभी तवांग का दौरा तक नहीं किया है।
ब्रह्मा चेलानी@Chellaney

रचनाकर्म

चीन की कुटिलता की कहानी

ब्रजबिहारी

स्वयं को सबसे शक्तिशाली देश बनाने के साथ ही दुनिया भर में अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए चीन के घातक मंसूबों को कथासूत्र में पिरोया गया है इस उपन्यास में...



पुस्तक : मिशन शेंगझान : इंडिया फाइट्स द ड्रैगन
लेखक : तुहिन ए सिन्हा और क्लार्क प्रसाद
प्रकाशक : ब्लूम्सबरी पब्लिकेशन प्रा. लिमिटेड
मूल्य : 599 रुपये

चीन पूरी दुनिया पर राज करना चाहता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि वह विश्व में अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। अपने लक्ष्य के आगे मानवीय मूल्यों, नीति और नैतिकता का उसके लिए कोई मोल नहीं है। वह यह भी बखूबी जानता है कि इस पृथ्वी के सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली देश बनने के उसके इस लक्ष्य में भारत सबसे बड़ा रोड़ा है। इसलिए कुटिल चीन छल-कपट के सहारे भारत सहित अपने दूसरे दुश्मनों को परास्त करने की साजिश रच रहा है। वह दुनिया के बाकी देशों के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है, लेकिन मुश्किल यह है कि परंपरागत हथियारों के बजाय वह अदृश्य हथियारों का सहारा ले रहा है। दुनिया भर में फैली कोरोना महामारी भी उसका एक हथियार ही है। चीन की इस साजिश के बारे में सब कुछ जानना है तो भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मशहूर लेखक तुहिन ए सिन्हा और लेखक क्लार्क प्रसाद की ताजा कृति 'मिशन शेंगझान : इंडिया फाइट्स द ड्रैगन' को पढ़ना जरूरी है।

यह उपन्यास एक जासूसी थ्रिलर है। इसकी कथा का विस्तार बहुत व्यापक है और रचना शैली अत्यंत आकर्षक। पाठक एक बार इसे पढ़ना शुरू करेगा तो खत्म किए बिना नहीं रहेगा। पाठकों को बांध कर रखने के सारे तत्व इसमें मौजूद हैं। इसकी गति इतनी तेज है कि पाठक को सोचने का मौका नहीं मिलता है, लेकिन जब वह इसे पढ़ना खत्म करता है तो उसके दिमाग में आशंकाओं के बवंडर चलने लगते हैं। उसके मन में यह स्वाभाविक सवाल उठता है कि क्या एक देश की महत्वाकांक्षा के कारण सचमुच यह दुनिया किसी खतरनाक मुहाने पर खड़ी है।

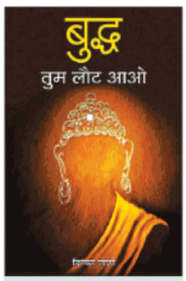
दुनिया भर में अपनी सत्ता कायम करने के लिए क्या है चीन की साजिश? क्या यह दुनिया निर्दयी चीन के बुने तिकड़म के जाल में फंसकर उसके अधीन हो जाएगी या फिर भारत उसकी इस साजिश की काट तलाशने और मानवता की रक्षा करने में कामयाब होगा? इन सवालों का जवाब जानने के लिए इस पुस्तक का आस्वादन जरूरी है। इसको पढ़ते हुए स्पष्ट हो जाता है कि इसे लिखने में काफी श्रम किया गया है। गहरे शोध के बाद ही ऐसी पुस्तकों की रचना संभव है। वर्तमान में घट रही घटनाओं से भविष्य का तानाबाना बुनना आसान काम नहीं है। इसके लिए सिर्फ तर्कशक्ति ही नहीं, बल्कि संतुलित और सुगठित कल्पनाशक्ति की भी जरूरत होती है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि दोनों लेखक इस कसौटी पर खरे उतरे हैं।

इस उपन्यास के चरित्रों में राजनेता, रा एजेंट और अर्थशास्त्री हैं, जो दुनिया को चीन की दुर्दमनीय महत्वाकांक्षा का शिकार होने से बचाने में जुटे हैं। दूसरी तरफ आतंकी और हत्यारे हैं, जो 15 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री और अमेरिका के राष्ट्रपति की हत्या की साजिश रचते हैं, क्योंकि उनके आकाओं को भारत की प्रगति रास नहीं आ रही है। धर्म और अधर्म की इस लड़ाई में जीत हमेशा धर्म की होती है, लेकिन आने वाली पीढ़ियां ऐसी लड़ाइयों की बड़ी कीमत चुकाती हैं। भविष्य में यह सच साबित होगा या फिर इससे बचने की कोई और राह निकलेगी?

अंग्रेजी में देश के बेस्ट सेलिंग लेखकों में शामिल तुहिन ए सिन्हा अब तक 10 पुस्तकें लिख चुके हैं। लेखक के रूप में मशहूर होने से पहले वे टीवी और फिल्मों के लिए स्क्रिप्ट लेखन कर चुके हैं। स्क्रिप्ट लेखक के रूप में उनके अनुभव की छाप इस उपन्यास पर भी नजर आती है। अगर कोई इस रचना पर फिल्म बनाना चाहे तो उसे स्क्रिप्ट पर ज्यादा मेहनत नहीं करनी होगी। आइआइएम के ग्रेजुएट क्लार्क प्रसाद 'द बारामुला बांबर' से काफी चर्चित हुए हैं। वे अमेरिकी चुनाव पर एक पुस्तक की रचना कर चुके हैं और उनकी कई लघु कथाएं भी प्रकाशित हो चुकी हैं।

गौतम बुद्ध की जीवन गाथा

अरुण सिंह



पुस्तक : बुद्ध तुम लौट आओ
लेखक : दिनकर जोशी
प्रकाशक : सत्साहित्य प्रकाशन
मूल्य : 500 रुपये

कुछ प्रश्नों को लेकर कई दिनों से कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ के मन में उथल-पुथल चल रही थी। एक दिन वह इन प्रश्नों का उत्तर खोजने के लिए महल से निकल पड़े। ये कौन-से प्रश्न थे और सिद्धार्थ को इनके जवाब कहां और कैसे मिले? यह बताते हुए साहित्यकार दिनकर जोशी की लेखनी ने राजकुमार सिद्धार्थ के बुद्ध बनने की गाथा को जीवंत कर दिया है। गुजराती में लिखे उनके उपन्यास 'प्रश्नों पर पूर्णविराम' का हिंदी अनुवाद है यह।

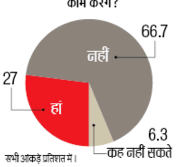
बुद्ध की समयावधि ईसा पूर्व पांचवीं सदी होने में किसी प्रकार का मतभेद नहीं है, लेकिन यह भी सच है कि जाने-अनजाने ही इस महान दार्शनिक के साथ बड़ा अन्याय हुआ है। यह इतिहास की बड़ी विडंबना है कि जिस भूमि में बुद्ध ने सर्वप्रथम बुद्धत्व के प्रकाश को प्रसारित किया, उसी भूमि से बौद्ध पंथ और स्वयं बुद्ध भी लगभग अदृश्य हो गए। ऐसा क्यों हुआ, यह शोध का विषय है। वैश्विक इतिहास में बुद्ध ही ऐसे पहले मनुष्य कहे जाते हैं, जिन्होंने समूची मानव जाति के दुख निवारण हेतु और जीवन-मरण जैसे सृष्टि के रहस्यों को खोलने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया।

पुस्तक में बुद्ध के साथ ही उनके समकालीन ऐतिहासिक चरित्रों का भी वर्णन है। मगध के राजा बिंबिसार व उनका महत्वाकांक्षी पुत्र अजातशत्रु, कोशल नरेश प्रसेनजित और वैशाली की नगरवधू आम्रपाली इनमें शामिल हैं। श्रावस्ती के राजपुरोहित के पुत्र अहिंसक की रोचक कथा भी इसमें है, जो तक्षशिला जैसे गौरवशाली अध्ययन केंद्र में विद्याभ्यास के बाद हत्यारा अंगुलिमाल बन गया था।

सिद्धार्थ जब बुद्ध बनकर कपिलवस्तु लौटे तो उनकी पत्नी ने उनसे क्या प्रश्न किए? उनकी पत्नी ने पुत्र राहुल का पहली बार अपने पिता से परिचय कराया तो दोनों की क्या प्रतिक्रिया थी? बुद्ध के जीवन और उनकी शिक्षाओं को गहराई से जानने के लिए यह पुस्तक उपयोगी है।

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या बसपा के ब्राह्मण सम्मेलन उसकी चुनावी संभावनाओं को मजबूत बनाने का काम करेंगे?



सभी आकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या जाति आधारित जनगणना की मांग सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

हजम न होते हैं उन्हें यूपी वाले आम,
तभी अमेठी ने दिया भाई को विश्राम।
भाई को विश्राम यहां के आम नवाबी,
जिनका ढीला पेंच उन्हीं को दिखे खराबी।
खुद ही बोल बबूल स्वयं के रस्ते बोते,
जब मिल जाय जवाब बंधु को हजम न होते।
– ओमप्रकाश तिवारी

मेरी जिंदगी की सारी तल्खियों का हल तुमसे हुआ है



यतीन्द्र मिश्र

प्रख्यात शायर जां निसार अख्तर को उनकी पत्नी सफिया अख्तर द्वारा लिखी गई चिट्ठियों का यह संकलन बेहद दिलचस्प है। इन पत्रों से ऐसा झलकता भी है कि इन दोनों को साथ रहने का मौका बहुत कम मिला



पुस्तक : तुम्हारे नाम : जां निसार अख्तर को सफिया अख्तर के खत
लेखिका : सफिया अख्तर
अनुवाद : असगर वजाहत
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन
मूल्य : 199 रुपये

आज जब एक आम इंसान का धैर्य इतना कम हो चुका है कि वह अपने सगे-संबंधियों से बातचीत में थोड़े शब्दों से काम चलाता है, लंबे वाक्य और बड़ी सूचनाएं पढ़ने में उसका धीरज खोने लगता है, यह किताब राहत की तरह सामने आती है। प्रख्यात शायर जां निसार अख्तर को उनकी पत्नी सफिया अख्तर की लिखी चिट्ठियों का यह नायाब संकलन 'तुम्हारे नाम' जैसे बहुत कुछ कहता है। इन पत्रों की जमीन यह कह रही है कि इन दोनों को साथ रहने का मौका बहुत कम मिला। कारण यह रहा कि उस दौर में जब औरतों के लिए घर से बाहर जाकर काम करना आम बात नहीं थी, सफिया अख्तर स्कूल में अपनी नौकरी करती रहीं और बच्चों की परवरिश में दिन गुजारे। वहीं, जां निसार अख्तर, बंबई की फिल्म इंडस्ट्री में संघर्ष करते रहे और अपनी शरीके-हयात से वैचारिक ताकत हासिल करते रहे, जो खतों के माध्यम से उन तक पहुंचती थीं। सफिया अख्तर की मृत्यु के बाद, जां निसार साहब ने उनके सारे खतों को दो जिल्दों 'हर्फे आश्ना' और 'जेरे लब' नाम से प्रकाशित करवाया। इन चिट्ठियों का हिंदी अनुवाद असगर वजाहत जैसे वरिष्ठ लेखक ने संभव किया है।

इन चिट्ठियों को बीसवीं शताब्दी के शुरुआती दौर के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे में पढ़ने की जरूरत है, जब स्त्रियां अपनी बात को स्वतंत्र रूप से कहने में हिचकती थीं। यह देखना काबिलेतारीफ है कि सफिया अख्तर जैसी प्रगतिशील औरत, जो खुद उर्दू भाषा की बेहतरीन जानकार थीं, खुलेपन से अपने पति को साहित्यिक स्तर की चिट्ठियां लिखती हैं, जो स्वयं एक जहीन शायर और गीतकार थे। एक तरह से यह उस काल की नुमाइंदगी भी है, जब खतों का रिवाज एक बड़ी कलात्मक विधा मानी जाती थी। अवध के इतिहास में नवाबी दौर में उत्कृष्ट और अलंकृत पत्र लेखन शैली को 'इंशा लेखन' कहा जाता था। बाकायदा, दफ्तरी कामकाज के लिए भाषा के गुणी जानकार रखे जाते थे, जो उर्दू, फारसी और अंग्रेजी में पत्र लिखते थे। सफिया अख्तर के ये पत्र 1943 से लेकर 1952 के बीच फैले हैं, जो भारतीय राजनीति का भी एक उथल-पुथल भरा समय रहा है। इस समय देश की आजादी हासिल करने का वह दौर चल रहा था, जब स्वाधीनता के साथ विभाजन और नए भारत के निर्माण जैसी स्थितियां बन रही थीं। ऐसे में, एक शायर और उसकी पत्नी अपने वैवाहिक जीवन की डोर थामे हुए, संघर्ष के दिनों को एक खूबसूरत तराश देते हैं, जो इन चिट्ठियों में मौजूद है। ये खत दस्तावेज हैं, उनके प्रेम के हलफनामे हैं, समाज से जूझने के इनमें ढेरों मंजर दर्ज हैं, जिन्हें पढ़ते हुए आपकी आंखें नम होती हैं। सधा हुआ गद्य, उर्दू की जड़ाऊ नक्काशी और दिल को सुकून देने वाली प्यार में डूबी हुई शब्दावली, ऐसा जादू पैदा करती है कि आप हैरान हो जाएं? कोई युगल प्रेमी इस तरह भी लिखकर अपना दांपत्य साझा कर रहे हैं।

सफिया अख्तर, हर एक चीज पर निगाह रखती हैं, जो भले उनसे दूर है, मगर आंख से ओझल नहीं। चार अप्रैल, 1945 को लिखे एक खत में वह कहती हैं, 'अख्तर अजीज! खाने की तरफ से इस कदर बेपरवा न हो। तुम्हारी तंदुरुस्ती इस साल वैसे ही नाजुक है। मुझे हर लम्हा इस तरफ से अंदेशा सा रहने लगा है।'

एक दूसरे पत्र में वह लिखती हैं, 'अख्तर मेरे! खुश तो हो? इस तरफ मैंने तुम्हें बहुत ही कम खत लिखे। मैं जानती हूं कि तुम मेरे लिए बराबर परेशान रहते होगे।' किसी और खत में यह रंग देखिए, 'मैं जब तक तुम्हारी तहरीर न देख लूंगी, सख्त परेशान रहूंगी। ज्यादा प्यार।' एक जगह लिखती हैं, 'यहां के हालात क्या लिखूं, गरमी और परेशानी, बच्चों के हंगामे और एक मुस्तकिल सी बेकैफी, इसके सिवा यहां क्या रखा है? बहुत से प्यार मेरी जान।'

छोटी-छोटी इबारतें, बड़े अर्थ पैदा करते संदर्भ, जीवन, समाज, रिश्तों, बच्चों और तकलीफ के शाइस्तगी भरे इशारे और इन सब से बढ़कर अपने इश्क का सादा, मगर बेलौस मुजाहिरा, इन खतों की खासियत है। सफिया अख्तर की ये चिट्ठियां, कुछ-कुछ अमृता प्रीतम और इमरोज के आपसी खतों की याद दिलाती हैं, जहां आशिक और माशूक का रिश्ता ईश्वरीय लगने लगता है। आज, जब हम पलटकर कई दशकों पुरानी इन चिट्ठियों से रूबरू होते हैं, तो यह बात समझ में आती है कि जिस दौर में अपने प्रियजन को खुद की खबर देना और उसकी खबर लेने का कोई त्वरित माध्यम नहीं था, वाट्सएप, ईमेल, फेसबुक जैसे पलक झपकाते माध्यम मौजूद नहीं थे, लंबे इंतजार और धीरज का बायस बनती हुई चिट्ठियां ही थीं, जो कई तरह की महक समेटे होती थीं। सफिया अख्तर के हौसले से भरे इन खतों को पढ़कर, जां निसार अख्तर की जिंदगी की खुशबू बाहर फैलती है। यही इस किताब का सबसे बड़ा हासिल है। इन खतों में आए हुए ढेरों प्रेम भरे संबोधन, जां निसार अख्तर जैसे गीतकार को रूमान के उस अनंतिम छोर पर जरूर ले गए होंगे, जहां से उन्होंने अपनी पत्नी को प्रेयसी की तरह यादों में शामिल करते हुए कुछ प्रेम के अमर युगल गीत हिंदी फिल्मों के लिए लिखे हैं।

3.4 रिक्टर पैमाने के भूकंप के झटके महसूस किए गए उत्तरकाशी में शुक्रवार देर रात। कहीं कभी किसी प्रकार के नुकसान नहीं हुआ। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में ही रुद्रप्रयाग की सीमा के आसपास था।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 25 जुलाई, 2021

उत्तराखंड

आवश्यक है तंत्र का चुस्त-दुरुस्त होना

उत्तराखंड राज्य बने हुए 20 वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं। इस अवधि में शायद ही कोई सरकार ऐसी रही, जिसके कार्यकाल के दौरान नौकरशाही की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में न आई हो। आम जनता तो इस कार्यप्रणाली से त्रस्त है ही, जनप्रतिनिधियों, विधायकों और सांसदों के साथ सरकार में भागीदार मंत्री भी गाहे-बगाहे नौकरशाहों पर अंगुली उठाते रहे हैं।

विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस हिमालयी राज्य में नीति नियोजन हो या कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन अथवा विकास को गति देना, तकरीबन हर मोर्चे पर ठोस रोडमैप का अभाव दिखता है तो इसकी वजह कहीं न कहीं जिम्मेदार आला अधिकारियों का रवैया है। पर्वतीय व सीमांत क्षेत्रों से पलायन, ग्रामीण क्षेत्रों के पिछड़ेपन, केंद्र की फ्लैगशिप योजनाओं को धरातल पर उतारने और अवस्थापना विकास में सुस्ती जैसी राज्य की बड़ी समस्याओं के समाधान में यही रवैया आड़े आता रहा है। अब तक सरकारें राज्य में अफसरशाही के इस तंत्र को जवाबदेह बनाने में मात खाती दिखाई दी हैं। हालत ये हो गई है कि नौकरशाह मनमाफिक पोस्टिंग के लिए राजनीतिक दबाव बनाने से नहीं चूक रहे हैं। राज्य के चहुंमुखी विकास और उसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए तंत्र के इस सबसे मजबूत हिस्से को साधा जाना चाहिए।

चुस्त नौकरशाही के बूते राज्य अपने सामने मौजूद हर चुनौती का बखूबी सामना कर सकता है। इस इरादे को इच्छाशक्ति के साथ मूर्त रूप दिया जाना चाहिए

भारतीय प्रशासनिक सेवा से चयनित होकर आने वाले युवा अधिकारियों में भी जिस तरह राजनीतिक सत्ता से जुड़कर मलाईदार समझी जाने वाली पोस्टिंग के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है तो स्थिति की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लग सकता है। दुर्गम और चुनौतीपूर्ण जिलों में तैनाती के बजाय बड़े और सुविधासंपन्न जिलों में तैनाती की चाह के परिणाम प्रशासनिक चुस्ती और कानून व्यवस्था पर असर छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमावली के नियम-18 का सहारा लिया है। अधिकारियों को राजनीतिक दबाव नहीं बनाने की हिदायत दी गई है। अभी तक राज्य सरकार के ऐसे नियमों का हवाला देकर जिला और मुख्यालय स्तर पर अधीनस्थ अधिकारियों पर दबाव बनाया जाता रहा है। अब अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों पर भी शिकंजा कसा गया है। हालांकि मुख्यमंत्री का यह कदम दोधारी तलवार से कम नहीं है। मंत्रियों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों की ओर से जिलों से लेकर शासन स्तर तक पसंदीदा अधिकारियों की तैनाती के लिए बनने वाले दबाव को भी मुख्यमंत्री को बेअसर करना होगा। यह पहल आगे उनके लिए भी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है।

बिहार

सदन में हो सार्थक विमर्श

विधायिका की पहचान विमर्श से जुड़ी होती है, हंगामे से नहीं। जनहित के मुद्दों पर सदन में जितना सार्थक विमर्श होगा, आम लोगों का उतना ही भला हो सकेगा। बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। दोनों सदनों के सदस्यों को बजट सत्र के दौरान हंगामे और उसके हश्र से सबक लेने की जरूरत है। अच्छी बात यह है कि विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा और विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह के साथ सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के प्रतिनिधियों ने सदन को सुचारु रूप से चलने देने का भरोसा दिया है। अब उन्हें इस पर खरा भी उतरना होगा, क्योंकि प्रत्येक सत्र के पहले सर्वदलीय बैठक की संसदीय परंपरा रही है। सदन में सार्थक विमर्श का भरोसा भी दिया जाता रहा है, लेकिन देखा गया है कि वक्त आने पर सदन की सारी मर्यादाएं टूट जाती हैं। हंगामा ही प्राथमिकता में ऊपर आ जाता है। विधायिका के स्तर को बचाए-बनाए रखने की जिम्मेदारी जनता द्वारा चुने हुए सदस्यों की ही होती है। यह तभी संभव है जब सदन ठीक से चले। पूरे बैठक के दौरान सदस्यों की उपस्थिति रहे। जनसमस्याओं पर सार्थक चर्चा हो। हंगामा को दरकिनार कर जनहित के सवाल पूछे जाएं और सरकार को उत्तर देने के लिए विवश किया जाए। ऐसे में सदन में सभी दलों के प्रमुख नेताओं की जिम्मेदारी बनती है कि मानसून सत्र का हाल भी बजट सत्र की तरह न होने पाए। ऐसी प्रवृत्ति को खत्म करना जरूरी है। इसके लिए सभी दलों ने मिल-बैठकर अगर नहीं सोचा तो इससे विधायी शुचिता पर सवाल उठेगा और साथ ही राजनीतिक दलों के लिए भी ठीक नहीं होगा। सत्र से दो दिन पहले सर्वदलीय बैठक में बेशक गतिरोध तोड़ने की पहल की गई है, लेकिन बजट सत्र के दौरान जो स्थिति थी, वह चिंता का सबब है। सदन में हंगामा पहले भी होता था, परंतु हाल के वर्षों में बहस के स्तर में गिरावट आई है। इस बारे में दोनों पक्षों को सोचना चाहिए। विपक्ष भी अपनी जिम्मेदारी को समझे। सदन में विपक्ष की भूमिका सरकार की गलतियां बताने की होती है और सत्ता पक्ष का दायित्व बनता है कि वह विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दे।


सोमवार से शुरू होगा विधानमंडल का मानसून सत्र। फाइल

सदन के हंगामे की भेंट चढ़ने से राजनीति पर से जनता का भरोसा धीरे-धीरे कम होता जाएगा। इसका नुकसान सत्तापक्ष को भी होगा और विपक्ष को भी, इसलिए दोनों को इस बारे में सोचना चाहिए

बंगाल

मेधा पर भारी धार्मिक पहचान

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप बहुत पुराना है। अक्सर भाजपा से लेकर अन्य विपक्षी दल के नेता एक खास संप्रदाय के लिए काम करने का आरोप ममता सरकार पर लगाते रहे हैं। इसी कड़ी में जब उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद की अध्यक्ष महुआ दास ने 12वीं कक्षा के नतीजों की घोषणा के दौरान राज्य टापर की धार्मिक पहचान बताते हुए यह कहा कि एक मुस्लिम लड़की ने टाप किया है तो विवाद होना लाजिमी था। भला विवाद भी क्यों न हो उन्होंने उस छात्रा की मेधा को उसके धर्म के सामने बौना कर दिया। इससे विपक्षी दलों के उस दावे को ही बल मिल गया जिसमें वह ममता सरकार पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाते रहे हैं।

दरअसल महुआ दास ने लड़की का नाम लिए बिना गुरुवार को कहा था कि मुर्शीदाबाद जिले की एक मुस्लिम लड़की ने 500 में से 499 अंक हासिल किए और 12वीं कक्षा में टाप पर है। उन्होंने कहा था कि इस साल मेरिट सूची तैयार नहीं की गई है। ऐसे में यदि भाजपा, कांग्रेस से लेकर अन्य दलों के नेता यहां तक कि बंगाल इमाम एसोसिएशन और शिक्षाविदों ने सवाल उठाया है तो इसे नकारा नहीं जा सकता।

महुआ दास कोई निचले स्तर की अधिकारी या कर्मचारी नहीं है। वह उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रमुख हैं। उन्होंने जो कहा है वह सरकार के उच्च स्तर पर क्या चल रहा है उसे दर्शाता है। अब चाहे महुआ दास से इस्तीफा लिया जाए या नहीं, लेकिन एक संदेश लोगों के बीच चल गया है कि मेधा व योग्यता पर धार्मिक पहचान भारी है। भाजपा नेताओं का कहना है कि ममता बनर्जी की सरकार में, तुष्टीकरण की राजनीति उस समय एक नए निचले स्तर पर पहुंच गई, जब बोर्ड की एक अधिकारी ने कक्षा 12वीं की छात्रा की शैक्षणिक उपलब्धि को उसकी धार्मिक पहचान से कम कर दिया।

मुर्शीदाबाद जिले की एक मुस्लिम लड़की ने 500 में से 499 अंक हासिल किए और 12वीं कक्षा के जारी किए गए परिणामों में टाप पर है, जो खास कारणों से चर्चा में है

इसी तरह कांग्रेस ने भी कहा कि अपनी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगने पर महुआ दास को जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। प्रख्यात शिक्षाविदों ने भी योग्यता के साथ धर्म को जोड़ने के मसले पर कहा कि दास ने योग्यता के साथ धर्म को जोड़कर बड़ी गलती की है। बंगाल इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष ने तो यहां तक कहा कि वे मांग करते हैं कि दास की छोटी मानसिकता के लिए उन्हें तुरंत पद से हटा दिया जाए। अन्यथा हमें यह मान लेना होगा कि मुख्यमंत्री ऐसी टिप्पणियों का समर्थन करती हैं, जैसा कि परिषद अध्यक्ष ने कहा है कि वह ममता से प्रेरणा लेती हैं। ऐसी टिप्पणी से शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बचना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश

ग्रामसभा की बैठकें

ग्रामीण विकास के लिए पंचायतें अहम हैं। इन्हीं के माध्यम से गांव स्तर पर विकास को गति दी जा रही है। पंचायत प्रतिनिधि ग्रामसभा की बैठकों में चर्चा के बाद तय हुए विकास कार्यों को करवाते हैं, लेकिन वैश्विक महामारी के कारण ग्रामसभा की बैठकें नहीं हो पा रही थीं। हिमाचल प्रदेश में वैश्विक महामारी कोविड 19 के कारण काफी समय से ग्रामसभा की बैठकें नहीं हुई थीं। इस कारण कई विकास कार्य नहीं हो पा रहे थे। कई जरूरी काम भी लटक गए थे। राज्य में जनवरी में पंचायत चुनाव संपन्न हुए थे। फरवरी में ग्रामसभा की बैठकें होनी थी, लेकिन कोरम के अभाव में उस समय बैठकें स्थगित कर दी गई थीं। इसके बाद मार्च में कोरोना ने फिर दस्तक दे दी और ग्रामसभा की बैठकों पर रोक लग गई थी। अब महामारी का प्रकोप कम होने के कारण हर तरह की गतिविधियां शुरू हो रही हैं। इसी कारण अब ग्रामसभा की बैठकें आयोजित करने का भी फैसला लिया गया है। 25 से 27 जुलाई तक राज्य की 3,615 पंचायतों में ग्रामसभा की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में आय-व्यय के अलावा कोरोना काल में हुए विकास कार्यों और आगामी योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। बैठकों में सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं पर भी मंथन किया जाएगा। लाहुल स्पीति और चंबा जिला के पांगी में पंचायत चुनाव नहीं हो पाए थे। वहां भी ग्रामसभा की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन पंचायतों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं के प्रिंसिपल व उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की अध्यक्षता में बनाई गई समिति की मौजूदगी में ग्रामसभा की बैठकें होंगी। पंचायतों में बड़ी संख्या में मनरेगा के तहत कार्य संचालित किए गए हैं, बैठकों में इन कार्यों पर भी चर्चा की जाएगी और आगामी योजनाएं तय की जाएंगी। बैठकें न होने के कारण गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले कई परिवारों का चयन भी नहीं हो पा रहा था। पंचायत व ग्रामसभा से संबंधित कई कार्य भी लटके हुए थे। अब ग्रामसभा की बैठकें शुरू होने से विकास कार्यों को गति मिलेगी। लोगों को चाहिए कि बैठकों में शामिल हों और कोरम पूरा करें, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके।


विकास कार्यों को गति देने में सक्षम ग्रामसभाएं। फाइल

हिमाचल में लंबे अंतराल के बाद होने वाली ग्रामसभाएं पंचायतों के विकास कार्यों को नई दिशा देंगी

श्रद्धा का महासावन

सृष्टि का मूल है शिव तत्व

पुराणों के अनुसार श्रावण मास शिव की उपासना तथा शिवतत्व को जानने का महीना है। शिव को सृष्टि का मूल तत्व, सर्जक, पालक तथा संहारक माना गया है। शिव अत्यंत भोले किंतु अनुशासन में अत्यंत कठोर देवता माने जाते हैं। श्रावण मास, शिव की उपासना से स्वयं को अनुशासित कर इस जीवन और प्रकृति के आनंद को अनुभव करने की प्रेरणा देता है। श्रावण में शिव की विशेष आराधना मनुष्य को सीमा में रहकर श्रेष्ठ जीवन की प्रेरणा देती है। स्वच्छंदता के स्थान पर स्वतंत्रता व प्राकृतिक संसाधनों के शोषण के स्थान पर पोषण के अमरत्व का संदेश देती है। शिव का स्वरूप तथा उनका परिवार, मानव को सांसारिक संकीर्ण वैचारिक परिधि से बाहर निकालकर वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना समझाता है। शिव समस्त भौतिक सुख- संसाधनों का त्याग कर एकांत में वास करते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि मानव को भी सब कुछ त्याग कर एकांतवास में चले जाना चाहिए। शिव का यह त्याग हमें उपनिषद वाक्य 'तेन त्यक्तेन भुंजीथाः' के अनुसार प्राप्त संसाधनों को त्यागपूर्वक उपयोग करने की शिक्षा देता है। उनके परिवार के सदस्य प्रायः विरुद्ध स्वभाव के हैं। फिर भी साथ मिलकर रहते हैं। शिव का वाहन नंदी, पार्वती का वाहन सिंह परस्पर शत्रु होकर भी मित्र बनकर रहते हैं। शिव के गले का सर्प, गणेश के वाहन मूषक को कभी क्षति नहीं पहुंचाता। कार्तिकेय का वाहन मयूर कभी सर्प को नहीं डराता क्योंकि परिवार के मुखिया शिव हैं। उन्हें अनुशासन प्रिय है। श्रावण में शिव की उपासना परिवार में समन्वय की वृद्धि करती है।


डा. तुलसीदास परौहा
विभागाध्यक्ष, संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विवि, उज्जैन

स्कैन करें और पढ़ें 'श्रावण मास' से संबंधित सभी सामग्री

देने को वर मनभावन...आया 'सौभाग्य' का सावन

सौरभ चंद्र पांडेय, वाराणसी

शिव का अतिप्रिय माह सावन रविवार से आरंभ हो रहा है। इस विशेष माह में अन्य देवता शयन करते हैं, तो शिव जाग्रत रहते हैं। इस कारण इस माह को शिव की उपासना के लिए विशेष माना गया है। शिव को प्रसन्न करने के लिए लोग व्रत रखकर रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और महाभिषेक करते हैं। इस बार सावन में सौभाग्य योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी के अनुसार इस योग में व्रत और अनुष्ठान करने वालों को देवाधिदेव शिव सौभाग्य के आशीष से अभिसिंचित करेंगे। यम-नियम से शिव की उपासना करने पर साधकों को 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि अविवाहित कन्याएं मनवांछित वर की प्राप्ति के लिए सावन में शिव की उपासना करती हैं। वहीं, पुरुष दैहिक, दैविक और भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए शिव के ध्यान में लीन रहते हैं।

हर सोमवार बन रहा है योगों का विशेष संयोग

पहला सोमवार, 26 जुलाई

पहले सोमवार को धनिष्ठा नक्षत्र, सौभाग्य योग लगेगा। धनिष्ठा नक्षत्र के स्वामी वसु हैं। यह नक्षत्र रोजगार और व्यापार के लिए बेहद शुभ है। सौभाग्य योग भाग्य को बढ़ाने वाला, यश तथा कीर्तिप्रद योग है। इस योग में प्रारंभ किए गए कार्य सरलता से सफल होते हैं। इस योग में जन्म लेने वाला जातक सौभाग्यशाली होता है। धनिष्ठा एवं सौभाग्य योग में शिव की पूजा से धन और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

दूसरा सोमवार, दो अगस्त

इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और कृतिका नक्षत्र लगेगा। कृतिका के स्वामी अग्निदेव हैं। इसे सूर्य का नक्षत्र भी कहा जाता है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कार्य उत्तम फलदायक होते हैं। इस योग और नक्षत्र के संयोग में महादेव का अभिषेक करने से व्यवसाय और नौकरी में तरक्की का मार्ग प्रशस्त होता है।

तीसरा सोमवार, नौ अगस्त

तीसरे सोमवार को श्लेषा नक्षत्र और वरीयान योग का संयोग बन रहा है। श्लेषा को 'आश्लेषा' भी कहते हैं। इसके स्वामी सर्प होते हैं। इस नक्षत्र की समाप्ति से तीन घटी (एक घंटा 12 मिनट) पूर्व का समय विशेष दोषपूर्ण रहता है। वरीयान का अर्थ है अपेक्षाकृत श्रेष्ठ। इस योग में किया गया कार्य निर्विघ्न सफल होता है। शिव की स्तुति करने से स्वास्थ्य लाभ एवं मनोरथ पूर्ण होता है।

चौथा सोमवार, 16 अगस्त

चौथे सोमवार को अनुराधा नक्षत्र और ब्रह्म योग का विशेष संयोग बन रहा है। अनुराधा नक्षत्र में चार या छह तारे रथ के आकार के होते हैं। ब्रह्म योग ब्राह्मणों द्वारा किए जाने वाले कार्यों (जिन्हें ब्राह्म कर्म कहा जाता है) के लिए विशेष माना गया है। संन्यास, निर्वाण और मोक्ष दीक्षा के लिए यह योग उपर्युक्त माना गया है। इस नक्षत्र और योग में शिव का पूजन करने से कचहरी में चल रहे मुकदमे से मुक्ति मिलती है।

देश में टेस्ट ट्यूब बेबी के 'जनक' को मौत के बाद मिली पहचान

रवि धवन, पानीपत

अंतरराष्ट्रीय आइवीएफ दिवस पर विशेष

- विदेशी चिकित्सकों के गले नहीं उतर रही थी डा. सुभाष मुखोपाध्याय की उपलब्धि
- देश में भी उड़ाया गया इस महान डाक्टर का उपहास, आखिर कर ली आत्महत्या

आइवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) यानी पिता के शुक्राणु और माता के अंडाणु को अलग निषेचित कर मां के गर्भ में प्रत्यारोपित करके बच्चे को जन्म देने की विधा है। इस विधा ने ऐसे दंपतियों की गोद भरी है, जो बरसों से संतान को तरस रहे थे। पहले ऐसे बच्चों को टेस्ट ट्यूब बेबी कहा जाता था। विश्व में पहला टेस्ट ट्यूब बेबी 25 जुलाई 1978 को लंदन में पैदा हुआ था, जिसका नाम लुईस जोय ब्राउन है। इस दिन को विश्व आइवीएफ दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन, लुइस के जन्म के महज 67 दिन बाद भारत में पहले टेस्ट ट्यूब बेबी को दुनिया में लाने वाले डा. सुभाष मुखोपाध्याय ने परेशान होकर 19 जून, 1981 को आत्महत्या कर ली।

बताते हैं कि एक भारतीय चिकित्सक की इतनी बड़ी उपलब्धि विदेशी चिकित्सकों के गले नहीं उतर रही थी। उन्होंने मुखोपाध्याय के दावे को निरस्त कर दिया। उनका उपहास किया गया। बंगाल की तत्कालीन ज्योति बसु सरकार ने उनके दावे को गलत बताते हुए तबादला कर दिया। लेकिन, उनकी मौत के बाद दुनिया के विशेषज्ञों ने माना कि डा. सुभाष मुखोपाध्याय की तकनीक सही थी और उनका दावा भी उचित था।

डाक्टर मुखोपाध्याय के निधन के बाद उनके शोध और कार्य को वही व्यक्ति दुनिया के सामने लाया, जिसे भारत में पहले टेस्ट ट्यूब बेबी को दुनिया में लाने वाला माना गया। वह थे डाक्टर टीसी आनंद कुमार। डा. आनंद ने दुर्गा के जन्म के आठ वर्ष बाद एक टेस्ट ट्यूब बेबी को पैदा कराया था। वह भी कन्या ही थी और उसका नाम था हर्षा। हर्षा को देश में तब तक पहली टेस्ट ट्यूब बेबी माना जाता रहा, जब तक डा. आनंद ने स्वयं देश में पहला टेस्ट ट्यूब बेबी पैदा कराने का श्रेय डा. मुखोपाध्याय को नहीं दिया। डा. मुखोपाध्याय की पत्नी ने उनकी डायरी और शोध कार्य से संबंधित दस्तावेज डा. आनंद को उपलब्ध करा दिए। डा. आनंद ने स्वीकार किया कि देश में पहले टेस्ट ट्यूब बेबी को पैदा कराने वाले डा. मुखोपाध्याय ही थे। उन्होंने 1978 में जिस कन्या दुर्गा के जन्म कराने की बात कही थी, वह ठीक थी। डा. आनंद ने मजबूती से बात रखी कि भारत में पहले टेस्ट ट्यूब बेबी को जन्म देने का श्रेय डा. मुखोपाध्याय को मिलना चाहिए। 20 वर्ष पहले आखिरकार डाक्टर मुखोपाध्याय के दावे को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान हो गई। यह बात अलग है कि तब तक दुनिया को अलविदा कहे डा. मुखोपाध्याय को 16 वर्ष हो चुके थे। अब उनकी उपलब्धियों को डिक्शनरी आफ मेडिकल बायोग्राफी में शामिल किया गया है। इसमें पूरी दुनिया के सौ देशों के 1100 प्रमुख चिकित्सा विशेषज्ञों के योगदान का उल्लेख किया जाता है।


डा. सुभाष मुखोपाध्याय। फाइल/इंटरनेट मीडिया

तो एक और भारतीय को मिल जाता नोबल

विश्व में पहले टेस्ट ट्यूब बेबी को पैदा कराने वाले डा. राबर्ट एडवर्ड, जिन्हें आइवीएफ तकनीक का जनक माना जाता है, उन्हें 2010 में मेडिसिन में नोबल पुरस्कार मिला। वास्तविकता यह कि डा. मुखोपाध्याय और एडवर्ड ने आइवीएफ पर लगभग साथ-साथ कार्य आरंभ किया था। यदि भारत डा. मुखोपाध्याय का साथ देता और दावा पेश करता तो संभव था कि डा. मुखोपाध्याय को नोबल मिलता अथवा मुखोपाध्याय और एडवर्ड को संयुक्त रूप से मिलता।

खाकी ने थामा हाथ, सामाजिक सरोकार सिखाकर रोजगार भी दिलाया

रविवार विशेष

अपराध के दलदल में फंसे व बेरोजगार युवाओं के लिए दिल्ली पुलिस की अनूठी पहल, प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मी का प्रशिक्षण देकर बदली दिशा

धनंजय मिश्रा • नई दिल्ली

अपनी गलती पर खुद को कोसता हूं जब पैसे की जरूरत, लालच ने मुझे अपराध के अंधकार में धकेल दिया। चेन स्नैचिंग कर बैठा, लेकिन कहते हैं कि जिंदगी गिराती है तो उठना भी सिखाती है। इस बार हाथ थामने वाले पुलिसकर्मी ही हैं। जिन्होंने अपराध से इतर भी मुझे समझा और महामारी जैसे संकट में अस्पतालों में दूसरों की सेवा का अवसर दिया। यह किसी एक युवा की नहीं, ऐसे सैकड़ों युवाओं की कहानी है जिन्हें दिल्ली पुलिस ने अपनी प्रेरक मुहिम के तहत मुख्यधारा में लाकर स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकार से जोड़ा। रोजगार दिया ताकि आर्थिक लाचारी में इनके कदम फिर न भटकें।

तैयार किए कोरोना योद्धा: कोरोना काल में दिल्ली पुलिस ने 'युवा' योजना के तहत एक हजार से अधिक युवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मी का प्रशिक्षण दिलाया। अधिकतर ऐसे युवा हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति खराब है। कुछ ऐसे भी हैं, जो आर्थिक जरूरतों, गलत संगत के कारण भटककर अपराध की राह पर चले गए थे। इस वर्ष अब तक 1,049 युवक व युवतियों को निश्शुल्क प्रशिक्षण दिलाया जा चुका है। इनमें 130 को रोजगार भी दिलाया गया। आज ये युवा महामारी से निपटने को फ्रंटलाइन वर्कर्स बनकर दिल्ली-एनसीआर के बड़े अस्पतालों व पैथालाजी लैब में काम कर रहे हैं। उन्हें 12 हजार से 20 हजार रुपये तक मासिक वेतन भी मिल रहा है। दिल्ली पुलिस की ऐसे दस हजार युवाओं की फौज तैयार करने की योजना है।

अस्पतालों-लैब से संपर्क: पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) चिन्मय बिस्वाल ने बताया कि दूसरी लहर में भयावह हालात देखे। स्वास्थ्यकर्मियों की कमी थी। तीसरी लहर की आशंका के बीच पिछली चुनौतियों से सबक लेकर आगे बढ़ना है। हमने निजी अस्पतालों व पैथालाजी लैब से संपर्क किया और प्रशिक्षण का महाअभियान शुरू हुआ। 10वीं और 12वीं पास युवाओं को तलाशा गया। चेन स्नैचिंग, झपटमारी करने वालों की मानसिक स्थिति को समझकर हमने उन्हें रोजगार से जोड़ा। दिल्ली में 23 प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं।


दिल्ली पुलिस की युवा योजना के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य कर्मी का प्रशिक्षण देते चिकित्सक • जागरण

इन सेवाओं का प्रशिक्षण

- कोरोना फ्रंटलाइन वर्कर
- सामान्य ड्यूटी सहायक
- आपात स्वास्थ्य टेक्नीशियन
- एंबुलेंस चालक
- घरेलू स्वास्थ्य सहायक कर्मी

इन कार्यों में हो रहे निपुण

- कोरोना संक्रमित मरीजों का रक्तचाप, शुगर, शरीर का तापमान मापना
- आक्सीजन व मास्क लगाना व उसके स्तर की जांच करना
- भाप देने की प्रक्रिया
- चिकित्सकों के साथ समन्वय
- घरेलू स्वास्थ्य सहायक का कार्य

प्रशिक्षण के बाद यहां कर रहे काम

- सेवा भारती डायग्नोस्टिक सेंटर
- फोर्टिस अस्पताल
- मैक्स अस्पताल
- सरोज ग्रुप आफ हास्पिटल
- महाराजा अग्रसेन अस्पताल
- एसकेएस सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल
- संत परमानंद अस्पताल
- तीरथ राम अस्पताल

सभी युवाओं में सीखने की ललक है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सिखाने में कोई समस्या नहीं हुई। पुलिस के सहयोग से युवाओं को रोजगार के साथ सेवा करने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है, यह बहुत सराहनीय है। संक्रमण की संभावित तीसरी लहर में इन फ्रंटलाइन वर्कर्स के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग की स्थिति और बेहतर हो जाएगी।


-**ब्रिगेडियर एम खजुरिया**, कार्यपालक निदेशक, सरोज ग्रुप आफ हास्पिटल

दिल्ली पुलिस के सहयोग से न केवल मुझे फार्मेसी का प्रशिक्षण मिला, बल्कि एक अच्छी नौकरी भी मिली है। दिल्ली पुलिस की यह योजना युवाओं को एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध करा रही है।
-**करिश्मा हांडा**, केशवपुरम, दिल्ली

आर्थिक लाचारी के चलते कदम अपराध की ओर बढ़ गए थे, लेकिन पुलिस ने हाथ थामकर उस दलदल से निकाल लिया। आज 15 हजार रुपये मासिक की नौकरी कर अपने परिवार का भरण पोषण कर पा रहा हूं।
-**आदित्य कुमार** (बदला हुआ नाम)

गरीबी और गलत संगत के कारण भटक गया था, दोस्तों के साथ मिलकर चोरी जैसे काम किए लेकिन, आज पुलिस के माध्यम से आत्मसुधार के साथ सामाजिक सरोकार से भी जुड़ने योग्य बन सका।
-**रामू** (बदला हुआ नाम)

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

राष्ट्रपति आज पहुंचेंगे श्रीनगर, कल देंगे कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, जम्मू : राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के चार दिवसीय दौरे के लिए रविवार को श्रीनगर पहुंच रहे हैं। कारगिल विजय दिवस पर वह द्रास जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद कश्मीर विश्वविद्यालय श्रीनगर के दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके दौरे को लेकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सभी स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द रविवार को दोपहर बाद श्रीनगर पहुंचेंगे। यहां उनका स्वागत उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे। सूत्रों का कहना है कि रविवार को उनका कोई भी अधिकारिक कार्यक्रम नहीं है। वह राजभवन में रहेंगे। सोमवार को कारगिल विजय दिवस के 22 वर्ष पूरे होने पर द्रास वार मेमोरियल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। यहां उनके साथ चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत भी मौजूद रहेंगे।

100 साल से अधिक उम्र के लोगों की सर्वाधिक आबादी अमेरिका (करीब 77,000) में है। इसके बाद जापान (61,000), चीन (48,000), भारत (27,000) और इटली (25,000) का नंबर आता है।

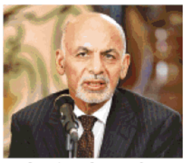
बाइडन का गनी को भरोसा, अमेरिका करता रहेगा मदद

अफगान संकट ▶ अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकट की इस घड़ी में अपने अफगान समकक्ष से फोन पर की बात

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने अफगान समकक्ष अशरफ गनी से फोन पर बात की और उनको यह भरोसा दिया है कि अमेरिका उनके देश की कूटनीतिक और मानवीय आधार पर मदद करता रहेगा। यह आश्वासन ऐसे समय दिया गया, जब अफगानिस्तान में तालिबान अपना दायरा बढ़ाता जा रहा है। इससे अमेरिका समर्थित अफगान सरकार दबाव में आ गई है।

व्हाइट हाउस के बयान के अनुसार, बाइडन और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति गनी के बीच शुक्रवार को फोन पर बात हुई। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि तालिबान का मौजूदा हमला बातचीत का समर्थन करने के उलट है। बाइडन ने गनी से कहा कि अमेरिका स्थायी और राजनीतिक समाधान निकालने के लिए कूटनीतिक तौर पर समर्थन करता रहेगा। समाचार एजेंसी प्रेट्र के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने कहा, 'हमारा मानना है कि अफगानिस्तान में स्थायी शांति सिर्फ राजनीतिक समाधान से हो सकती है। हम यहां की सरकार को मानवीय और सुरक्षा आधार पर सहायता मुहैया कराते रहेंगे।' व्हाइट हाउस ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति बाइडन ने अफगान शरणार्थियों के लिए दस करोड़ डालर (करीब 740 करोड़ रुपये) की आपात सहायता की घोषणा भी की।


अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन। जागरण आर्काइव


अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी। जागरण आर्काइव

अमेरिका जाएंगे पाक एनएसए और आइएसआइ प्रमुख

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मोईद यूसुफ और खुफिया एजेंसी आइएसआइ प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद अगले हफ्ते अमेरिका दौरे पर जाएंगे। वे अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर चर्चा करेंगे। डान अखबार ने अधिकारियों के हवाले से यह खबर दी।

ताजिकिस्तान-अफगान सीमा पर रूस ने तैनात किए सैनिक

मास्को, एएनआइ : रूस ने ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर सेना की तैनाती कर दी है। यहां छह हजार से ज्यादा रूसी सैनिक भेजे गए हैं। यह कदम अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते हमले से उपजे खतरे के मद्देनजर उठाया गया है। इधर, प्रेट्र के मुताबिक, पाकिस्तान ने अफगान सीमा पर नियमित सैनिकों की तैनाती कर दी है।

हिंसा बंद करे तालिबान : समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और नाटो (नार्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गनाइजेशन) ने तालिबान से अफगानिस्तान में हिंसा बंद करने और शांति वार्ता में शामिल होने की अपील की है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, नाटो, फ्रांस, जर्मनी, नार्वे और ब्रिटेन के विशेष राजदूतों की रोम में गुरुवार को हुई बैठक में अफगानिस्तान के हालात पर चर्चा हुई।

हवाई हमले में 33 तालिबान आतंकी ढेर

▶ आतंकियों के ठिकानों को बनाया गया निशाना, 17 घायल

काबुल, आइएएनएस : अफगानिस्तान में सुरक्षा बलों और तालिबान के बीच संघर्ष तेज हो गया है। अफगान वायु सेना ने दो प्रांतों में आतंकियों के कई ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें 33 आतंकी ढेर हो गए और 17 घायल हो गए।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को हवाई हमलों की पुष्टि की। मंत्रालय के बयान के अनुसार, उत्तरी अफगानिस्तान के जज्जान प्रांत की राजधानी शबरगान के बाहरी इलाकों में तालिबान के ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। यहां 19 आतंकी मारे गए और 15 घायल हो गए। जबकि हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह के बाहरी इलाके में वायु सेना के हवाई हमले में 14 आतंकी मारे गए और दो घायल हो गए। मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में तीन वाहन, छह मोटरसाइकिल, दो बंकर और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद भी तबाह कर दिया गया।

बता दें कि अमेरिकी बलों की वापसी शुरू होने के बाद से ही अफगानिस्तान में तालिबान का दबदबा बढ़ गया है। उसने करीब आधे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है। हाल में अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने माना था कि अफगानिस्तान के कुल 419 जिला केंद्रों में से 212 पर अब तालिबान का कब्जा हो गया है।


अफगानिस्तान में तालिबान के साथ चल रही लड़ाई के बीच शनिवार रात हेरात स्थित एक चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच करता अफगान सेना का जवान। एएफपी

हवाई हमले से भड़का तालिबान

तालिबान ने अमेरिकी हवाई हमले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि दोहा समझौते का उल्लंघन किया गया है। अमेरिका ने अफगान बलों के समर्थन में शुक्रवार को कंधार और हेलमंद प्रांतों में हवाई हमले किए थे। यह समझौता गत वर्ष फरवरी में अमेरिका और तालिबान के बीच हुआ था। इसी समझौते के तहत अमेरिकी बलों की अफगानिस्तान से वापसी हो रही है।

तालिबान के संरक्षण में विस्तार कर रहा अलकायदा

समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट से यह उजागर हुआ है कि अफगानिस्तान में तालिबान के संरक्षण में अलकायदा और दूसरे आतंकी संगठन अपनी करतूतों को अंजाम दे रहे हैं। उनका देश के कई हिस्सों विस्तार हो विस्तार हो रहा है।

सरकार ने अफगानिस्तान में रहने वाले भारतीयों को सतर्क रहने को कहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : तालिबान के हमले के बाद अफगानिस्तान में विभिन्न प्रांत में भड़की हिंसा को देखते हुए सरकार ने वहां रहने वाले भारतीयों से अत्यधिक सतर्क रहने को कहा है। सरकार ने यह भी कहा है कि वहां भारतीयों को अगवा किए जाने का खतरा भी बढ़ गया है।

भारतीय दूतावास ने नवीनतम सलाह में कहा है कि अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकी गुटों ने नागरिकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और इसको देखते हुए भारतीयों को मुख्य शहरों से बाहर नहीं निकलना चाहिए। इससे पहले दूतावास ने 29 जून को भी सभी के लिए एडवाइजरी जारी की थी। दूतावास ने अफगानिस्तान आने वाले भारतीय मीडियाकर्मियों से उससे संपर्क करने को कहा, ताकि उन्हें खतरों के बारे में बेहतर तरीके से समझाया जा सके। दूतावास ने 16 जुलाई को कंधार में भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी की हत्या का जिक्र भी किया है। दूतावास ने कहा कि अफगानिस्तान के कई प्रांतों में सुरक्षा की स्थिति खतरनाक बनी हुई है। नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है और भारतीय कोई अपवाद नहीं हैं। भारतीयों के सामने अगवा किए जाने का खतरा भी बना हुआ है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान पूरे देश पर कब्जा करने की कोशिशों में जुट गया है। अफगानिस्तानी फौज और तालिबानी लड़ाकों के बीच लड़ाई तेज हो गई है।

सरकारी अधिकारियों समेत 1,400 वाट्सएप यूजर्स दुनियाभर में बने थे निशाना

▶ वाट्सएप सीईओ ने दी जानकारी, कहा- इसमें 100 पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता भी शामिल

▶ बोले, पेगासस प्रोजेक्ट डाटा लीक की रिपोर्ट और 2019 में वाट्सएप यूजर्स के खिलाफ हमले की बीच नजर आती है समानता


वाट्सएप ने 2019 में करीब दो हफ्ते में 1,400 यूजर्स के खिलाफ हमले किए थे रिकार्ड। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, आइएएनएस : वाट्सएप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विल कैथकार्ट का कहना है कि 2019 में इजरायली कंपनी एनएसओ ग्रुप के स्पाईवेयर का इस्तेमाल 1,400 वाट्सएप यूजर्स के खिलाफ किया गया था। इनमें अमेरिका के सहयोगी देशों में राष्ट्रीय सुरक्षा के उच्चपदस्थ व्यक्तियों समेत दुनियाभर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल थे।

'द गार्जियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, कैथकार्ट ने कहा कि पेगासस प्रोजेक्ट डाटा लीक की रिपोर्ट और 2019 में वाट्सएप यूजर्स के खिलाफ हमले की बीच उन्हें समानता नजर आती है। 2019 के हमले को लेकर वाट्सएप ने मुकदमा भी दाखिल कर रखा है। कैथकार्ट ने कहा, उस हमले में हमने जो देखा था और जिसे पराजित किया था, यह रिपोर्ट उससे मेल खाती है। यह बहुत कुछ वैसा है जिसके बारे में हमने तब आवाज उठाई थी। 2019 में निशाना बने वाट्सएप यूजर्स में सौ पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता भी शामिल थे। वाट्सएप यूजर्स में कई ऐसे थे जिनकी निगरानी की कोई जरूरत नहीं थी।

उन्होंने कहा कि यह इंटरनेट सिक्यूरिटी के लिए एक वेकअप काल होनी चाहिए। मोबाइल फोन या तो सभी के लिए सुरक्षित हैं या वे सभी के लिए सुरक्षित नहीं हैं। कैथकार्ट ने एनएसओ के उस दावे पर भी सवाल उठाया कि आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाए गए हैं। उन्होंने कहा, वाट्सएप ने 2019 में करीब दो हफ्ते में 1,400 यूजर्स के खिलाफ हमले रिकार्ड किए थे। ये बताते हैं कि लंबी समयावधि और कई वर्षों के कालखंड में हमलों के शिकार लोगों की संख्या काफी अधिक है। जब वाट्सएप कहता है कि उसे विश्वास है कि उसके यूजर्स को निशाना बनाया गया था तो इसका मतलब है कि कंपनी के पास साक्ष्य हैं कि एनएसओ के एक सर्वर ने यूजर्स के डिवाइस पर मालवेयर इंस्टाल करने का प्रयास किया था।

लाखों क्लबहाउस यूजर्स के फोन नंबर बिक्री के लिए उपलब्ध

आडियो चैट एप क्लबहाउस के लाखों यूजर्स के फोन नंबर कथित रूप से लीक हो गए हैं और डार्क वेब पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। खास बात यह है कि इसमें फोन नंबरों के अलावा यूजर्स का और कोई विवरण नहीं है। अग्रणी साइबर सिक्यूरिटी विशेषज्ञ जितेन जैन ने ट्वीट कर बताया कि इसमें यूजर्स की फोनबुक में शामिल लोगों के नंबर भी शामिल हैं, इसलिए इस बात की संभावना अधिक है कि क्लबहाउस में आपकी लागइन नहीं होने के बावजूद आपका नंबर इसमें शामिल हो।

भारत और ब्रिटेन में बड़े समझौतों के लिए वार्ता

लंदन, प्रेट्र : भारत और ब्रिटेन के संबंधों को और ज्यादा प्रगाढ़ बनाने के लिए तैयारियों पर बेहतर तरीके से कार्य चल रहा है। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए दोनों देश के बीच वार्ता सकारात्मक ढंग से आगे बढ़ रही है। आने वाले महीनों में दोनों देश कुछ और समझौतों के साथ सामने आ सकते हैं। यह बात भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कही है। वह रोडमैप 2030 पर बातचीत को आगे बढ़ाने के सिलसिले में दो दिवसीय यात्रा पर लंदन पहुंचे हैं।

रोडमैप 2030 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जानसन के बीच मई में टेलीफोन पर हुई बातचीत में सहमति बनी थी। इसके तहत दोनों देशों को आपसी समझौतों को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। विदेश सचिव श्रृंगला ने कहा, ब्रिटिश वार्ताकारों के साथ उनकी हर मुद्दे पर बात हुई है। यह बातचीत विस्तृत नजरिया लेकर हुई है जिससे भविष्य में किसी मसले पर गतिरोध या असमंजस की स्थिति पैदा न हो। जानसन का भारत दौरा आगामी सितंबर में होने की संभावना है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी नवंबर में पर्यावरण सम्मेलन सीओपी26 में भाग लेने के लिए ब्रिटेन जाएंगे। दो महीने में दो बार दोनों प्रधानमंत्री साथ होंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच बड़े समझौते होने की संभावना है। श्रृंगला का दौरा इन्हीं दो मुलाकातों में होने वाले समझौतों की तैयारियों को लेकर है। श्रृंगला ने संवाददाताओं से कहा, निकट भविष्य में दोनों देशों के बीच कारोबार और निवेश बढ़ाने को लेकर समझौता हो सकता है। मुक्त व्यापार समझौता इसी का हिस्सा होगा। इससे दोनों देशों का कारोबार बढ़ेगा। इस दौरान ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त गायत्री इस्सर कुमार ने कहा, दोनों देशों के बीच होने वाले समझौतों को लेकर बातचीत में बेहद सतर्कता बरती जा रही है, जिससे भविष्य में उनका कार्यान्वयन बेहतर तरीके से सुनिश्चित हो सके।


भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला। इंटरनेट मीडिया

कोविड-19 महामारी के चलते भारत जाने-आने पर लगे प्रतिबंध की बाबत श्रृंगला की ब्रिटिश विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से वार्ता हुई है। इसमें बताया गया कि भारत के सभी बड़े शहर महामारी से मुक्त हो चुके हैं और वहां पर स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है। इसलिए भारत यात्रा पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा किए जाने और उसे हटाए जाने की जरूरत है।

माल्या के प्रत्यर्पण पर मिला मजबूत आश्वासन : विदेश सचिव श्रृंगला ने भारतीय बैंकों का बकाया लेकर ब्रिटेन भागे शराब कारोबारी विजय माल्या के प्रत्यर्पण पर भी ब्रिटिश अधिकारियों से बात की। ब्रिटिश अधिकारियों ने उन्हें माल्या के प्रत्यर्पण के संबंध में मजबूत आश्वासन दिया है। कहा है कि कोर्ट का आदेश मिलते ही माल्या को भारतीय एजेंसियों को सौंपने में देरी नहीं की जाएगी।

अमेरिका बोला, द्विपक्षीय मसलों को मिलकर हल करें भारत-पाक

▶ ज्यादा स्थिर संबंध बनाने के लिए दोनों देशों को करते रहेंगे प्रोत्साहित

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय मसलों के हल के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। अमेरिका दोनों पड़ोसी देशों को ज्यादा स्थिर संबंध बनाने के लिए हमेशा प्रोत्साहित करता रहेगा। यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन अगले हफ्ते भारत दौरे पर आने वाले हैं।

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री डीन थामसन ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'भारत और पाकिस्तान के संबंध में मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि दोनों दोनों को आपसी मुद्दों के समाधान के लिए आपस में मिलकर काम करना चाहिए।' उन्होंने एक सवाल के जवाब मे कहा, 'हमें इस बात से खुशी हो रही है कि इस साल की शुरुआत में दोनों पड़ोसी देशों के बीच जो संघर्ष विराम लागू हुआ था, वह कायम है। हम उन्हें यकीनन ज्यादा स्थिर संबंध बनाने के प्रयासों के लिए हमेशा प्रोत्साहित करते हैं।'


डीन थामसन फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

बता दें कि पांच अगस्त, 2019 को जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध खराब हैं। हालांकि इस वर्ष की शुरुआत में दोनों पड़ोसी देशों ने संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इमरान खान पर कश्मीर नीति बदलने का आरोप

इस्लामाबाद, प्रेट्र : कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के ताजा बयान पर विपक्षी दल पीएमएल-एन ने विरोध जताया है। पार्टी नेता शहबाज शरीफ ने कहा है कि इमरान कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की नीति से अलग हट रहे हैं। कश्मीर पर देश की ऐतिहासिक और संवैधानिक स्थिति से छेड़छाड़ कर रहे हैं।

इमरान ने शुक्रवार को गुलाम कश्मीर में आयोजित दो जनसभाओं में कहा था कि संयुक्त राष्ट्र के जनमत संग्रह के बाद उनकी सरकार कश्मीर में एक और जनमत संग्रह कराएगी। इस जनमत संग्रह में सवाल होगा कि कश्मीरी पाकिस्तान के साथ रहना चाहते हैं या वे अपने स्वतंत्र देश में रहना चाहते हैं ? इमरान ने तरार खाल और कोटली में ये जनसभाएं कब्जे वाले कश्मीर में सरकार चुनने के लिए रविवार को होने वाले मतदान से पहले की थीं। शाहबाज ने कहा, प्रधानमंत्री का कथन पाकिस्तान की पूर्व घोषित नीति से अलग है। पाकिस्तान ने हमेशा संयुक्त राष्ट्र के जनमत संग्रह की बात कही है, किसी अन्य जनमत संग्रह की नहीं। इससे पहले इमरान चुनावी जनसभाओं में विपक्ष को यह कहकर घेरते रहे हैं कि उन्हें नहीं पता कि विपक्ष क्यों अफवाह फैला रहा है कि वह पाकिस्तान के हिस्से वाले कश्मीर को देश का प्रांत बनाना चाहते हैं। इससे पहले पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की नेता मरयम नवाज ने गुलाम कश्मीर की अपनी चुनावी जनसभाओं में कहा था कि प्रधानमंत्री इमरान पाकिस्तान के हिस्से वाले कश्मीर की स्थिति बदलना चाहते हैं। वह इस हिस्से को पाकिस्तान का एक प्रांत बनाना चाहते हैं। जबकि पाकिस्तान की कश्मीर पर घोषित नीति संयुक्त राष्ट्र के संकल्प का पालन करने की है। इसके तहत कश्मीर के लोगों को संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में होने वाले जनमत संग्रह के जरिये भारत या पाकिस्तान के साथ रहने का विकल्प चुनना है। संकल्प में स्वतंत्र राष्ट्र या किसी अन्य विकल्प के लिए कोई स्थान नहीं है। इसलिए पाकिस्तान के विपक्षी नेता इमरान पर कश्मीर को लेकर नीति बदलने का आरोप लगा रहे हैं।

अमेरिका में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के केस

▶ देशभर में पाए गए 67 हजार से ज्यादा नए संक्रमित

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : कोरोना महामारी की दो लहरों का सामना कर चुके अमेरिका में फिर दैनिक मामले तेज गति से बढ़ने लगे हैं। यहां बीते 24 घंटे के दौरान 67 हजार से ज्यादा नए मामले पाए गए। करीब तीन माह बाद एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में नए मरीज मिले हैं। अमेरिका में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के चलते नए मामलों में बढ़ोतरी बताई जाती है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन फ्रांसिस्को शहर में नए मामलों में तेज उछाल दर्ज किया जा रहा है। प्रांत के दूसरे इलाकों की तुलना में इस शहर में गत हफ्ते नए मामलों में 81 फीसद की वृद्धि आई है। अमेरिका के दूसरे कई प्रांतों में भी कुछ ऐसे ही हालात बन रहे हैं।

इस समय देश के आधे से ज्यादा राज्यों में नए मामलों में उछाल दर्ज किया जा रहा है। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, अमेरिका में कोरोना का डेल्टा वैरिएंट हावी होता जा रहा है।



लाकडाउन के विरोध में रैली... : आस्ट्रेलिया में कोरोना संक्रमण को रोकने लिए जहां सरकार एहतियाती कदम उठा रही है, वहीं लोग इसके विरोध में उतर आए हैं। सिडनी में लाकडाउन के विरोध में लोगों ने रैली निकाली। पुलिस ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शकारियों ने पुलिस के ऊपर प्लास्टिक की बोतलें गमले से हमला कर दिया। रायटर

टोक्यो में मिले 1,128 नए केस

समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो में बीते 24 घंटे के दौराना कोरोना संक्रमण के 1,128 नए मामले पाए गए। ओलिंपिक खेलों की मेजबानी कर रहे इस शहर में गुरुवार को 1,979 केस मिले थे। गत जनवरी के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में नए मामले पाए गए थे। टोक्यो में शुक्रवार को ओलिंपिक खेलों को उद्घाटन हुआ।



हेलीकाप्टर से आग बुझाने का प्रयास...

ग्रीस के कोरिंथ स्थित स्पैथोवौनी गांव के पास जंगल में भीषण आग लग गई है। आसपास रहने वाले लोगों को वहां से हटा लिया गया है। इसे हर तरह से नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस काम में हेलीकाप्टरों की भी मदद ली जा ही है। रायटर

मोदी की यात्रा से और मजबूत होंगे भारत-नेपाल के रिश्ते

ब्रजेश पांडेय, सिद्धार्थनगर

▶ एनएच 233 और ककरहवा बार्डर पर कस्टम कार्यालय खोलने की हो सकती है घोषणा

▶ सारनाथ से सिद्धार्थनगर के ककरहवा नेपाल सीमा तक है एनएच-233

भारत-नेपाल सीमा स्थित सिद्धार्थनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन रोटी-बेटी के रिश्ते वाले दोनों देश के संबंधों में और गर्मजोशी भर सकता है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से जहां पर्यटन उद्योग को पंख लगने की उम्मीद बढ़ी है, वहीं कारोबार की गति भी तेज होने की आशा है। सिद्धार्थनगर के नागरिकों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री जल्द ही दोनों देशों की सील सीमा खोलने के संबंध में पहल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने बौद्ध केंद्र सारनाथ से बुद्ध की जन्म स्थली लुम्बिनी को जोड़ने के लिए सिद्धार्थनगर के ककरहवा बार्डर तक एनएच 233 का निर्माण किया है। यहां से लुम्बिनी की दूरी केवल 10 किमी है। हालांकि, कोरोना संक्रमण काल के चलते सीमा सील होने के कारण इस राजमार्ग का प्रयोग सीमा पार जाने के लिए अभी नहीं हो पाया है। अभी नेपाल आने-जाने के लिए विदेशी पर्यटकों, मालवाहकों और बड़े यात्री वाहनों को सोनौली होकर जाना पड़ता है। सिद्धार्थनगर से सोनौली की दूरी 80 किमी है।

कस्टम कार्यालय खोलने की मांग : सांसद जगदंबिका पाल का कहना है कि रोटी-बेटी के रिश्ते वाले नेपाल से भारत का संबंध भाजपा सरकार में हमेशा मजबूत होता रहा है। मेडिकल कालेज की स्थापना, एनएच-233 का निर्माण और रेल यात्रा की सुविधा नेपाली नागरिकों को भी मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ककरहवा बार्डर पर कस्टम कार्यालय खोलने का प्रस्ताव दिया गया है, ताकि बड़े यात्री वाहन और माल वाहक इस रूट से नेपाल जा सकें।


प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। जागरण आर्काइव

अगस्त में नेपाल सीमा तक दौड़ेंगी इलेक्ट्रिक इंजन वालीं ट्रेनें

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

▶ आनंदनगर-नौतनवां 41 किमी रेलमार्ग का भी पूरा हुआ विद्युतीकरण

▶ रेल संरक्षा आयुक्त का निरीक्षण जल्द, गोरखपुर में नहीं बदलेगा इंजन

अगस्त में नेपाल सीमा तक इलेक्ट्रिक इंजन से चलने वाली ट्रेनें दौड़ने लगेंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत आनंदनगर से नौतनवां तक करीब 41 किमी रेलमार्ग का विद्युतीकरण पूरा हो गया है। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) के निरीक्षण की तैयारी चल रही है। सीआरएस की हरी झंडी मिलते ही इलेक्ट्रिक इंजन से चलने वाली ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा।

गोरखपुर से आनंदनगर तक लगभग 42 किमी रेलमार्ग का विद्युतीकरण पहले ही हो चुका है। आनंदनगर तक इलेक्ट्रिक से चलने वाली मालगाड़ियों का संचालन शुरू है। अब गोरखपुर से सीधे नौतनवां तक इलेक्ट्रिक इंजन से ट्रेनें चलने लगेंगी। यात्री ट्रेनें ही नहीं मालगाड़ियों का संचालन भी आसान हो जाएगा। गोरखपुर में इंजन नहीं बदलना पड़ेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे में 70 फीसद से अधिक रेलमार्ग का विद्युतीकरण हो चुका है। आनंदनगर-नौतनवां रेल खंड के विद्युतीकरण का कार्य तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। अगले माह इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।
- पंकज कुमार सिंह, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी- पूर्वोत्तर रेलवे

आटोमोबाइल्स की ढुलाई हुई शुरू : नौतनवां को आटोमोबाइल्स टर्मिनल के रूप में विकसित किया जा रहा है। नेपाल को निर्यात किए जाने वाले आटोमोबाइल्स की ढुलाई शुरू हो गई है। स्टेशन यार्ड के री-माडलिंग तथा माल गोदाम बनाने की योजना है। कंटेनर से सामान की ढुलाई की तैयारी चल रही है।

ऐसी लागी लगन, उठाया चांदी सा वजन

मीराबाई चानू ने रजत पदक जीतकर टोक्यो ओलिंपिक में भारत का खाता खोला



117
किग्रा वजन क्लीन एंड जर्क में अंतिम प्रयास में मीराबाई को स्वर्ण जीतने के लिए उठाना था लेकिन वह इसमें असफल रही।

साल 2000 सिडनी ओलिंपिक के बाद आज यह स्पर्धा देखना शानदार था। मीराबाई चानू को बधाई।
-कर्णम मल्लेश्वरी, पूर्व भारतीय भारोत्तोलक

मीराबाई का अद्भुत प्रदर्शन। जिस तरह से आपने चोट के बाद खुद को तैयार किया और भारत के लिए रजत पदक जीता, वह शानदार है।
-सचिन तेंदुलकर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

भारोत्तोलन में रजत जीतकर ओलिंपिक में भारत की पदक तालिका में शुरुआत कराने के लिए चानू को बधाई । -राम नाथ कोविंद, राष्ट्रपति

टोक्यो, प्रेट्र : एक वो मीरा थीं जो भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन थीं। उनके हाथ में वीणा और भगवान के प्रति समर्पण था तो दूसरी तरफ मीराबाई चानू हैं जिनके हाथ में भारोत्तोलन खेल का भार और इस खेल के प्रति समर्पण था। यही कारण था कि वह रियो के खराब प्रदर्शन से उबरकर टोक्यो में पदक जीतने में सफल रहीं। टोक्यो ओलिंपिक की भारोत्तोलन स्पर्धा में पदक के लिए भारत का 21 वर्ष का इंतजार खत्म करने वाली साईखोम मीराबाई चानू ने 49 किग्रा में कुल 202 किग्रा का वजन उठाकर रजत पदक जीता तो उनकी विजयी मुस्कान ने उन सभी आंसुओं की भरपाई कर दी जो उन्होंने अब तक की जिंदगी में बहाए हैं।

डिड नाट फिनिश : 2016 रियो ओलिंपिक में वह भार तक नहीं उठा पाई थीं, तब उनके नाम के आगे डिड नाट फिनिश लिखा गया था। कोई खिलाड़ी पदक नहीं जीत पाता यह अलग बात है लेकिन डिड नाट फिनिश से क्वालीफाई ही नहीं कर पाना उस खिलाड़ी को तोड़ देता है। इसी डिड नाट फिनिश के टैग ने मीरा का मनोबल भी तोड़ दिया था। उस समय वजन उठाते वक्त उनके हाथ अचानक से रुक गए। यही वजन इससे पहले उन्होंने कई बार आसानी से उठाया था। इस हार से उन्हें तनाव हो गया और इससे उन्हें बाहर आने के लिए मनोचिकित्सक का सहारा लेना पड़ा।

> यह गर्व का क्षण है। हर भारतीय ओलिंपिक खेलों में मीराबाई चानू की ऐतिहासिक उपलब्धि की खुशी मना रहा है
> **अमित शाह,** केंद्रीय गृह मंत्री

वह इस खेल को भी छोड़ने का मन बना चुकी थी लेकिन, फिर खुद को साबित करने के लिए मीरा ने कड़ी मेहनत की।

लगातार वजन उठाया : 2017 में मीरा ने 194 किग्रा वजन उठाकर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था। फिर 2018 कामनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण व अब ओलिंपिक में रजत अपने नाम किया। मीराबाई को 2018 में पीठ दर्द से जूझना पड़ा था। उसके बाद उन्होंने 2019 विश्व चैंपियनशिप से वापसी की और चौथे नंबर पर रहीं। तब उन्होंने पहली बार 200 किग्रा से ज्यादा का वजन उठाया था। वह इलाज के लिए अमेरिका गई थीं। उन्होंने इस साल अप्रैल में एशियन चैंपियनशिप में स्नैच में 86 किग्रा का भार उठाने के बाद क्लीन एंड जर्क में विश्व रिकार्ड कायम करते हुए 119 किग्रा का भार उठाया था। वह कुल 205 किग्रा के साथ तीसरे स्थान पर रही थीं। इससे पहले क्लीन एंड जर्क में विश्व रिकार्ड 118 किग्रा का था।

बना दिया यादगार टोक्यो : मीराबाई ने इसके बाद टोक्यो को यादगार बना दिया। उनकी इस ऐतिहासिक जीत से भारत पदक मुकाबलों के पहले ही दिन तालिका में अपना नाम लिखवाने में सफल रहा, देश ने यह उपलब्धि पहले कभी हासिल नहीं की थी।

खुशी पर कोरोना का ग्रहण : मीराबाई की खुशी मास्क से भी छुप नहीं रही थी जो पदक समारोह के दौरान और बढ़ गई। खेलों के लिए बनाए गए कोविड-19 नियमों में पदक विजेताओं को शारीरिक दूरी बनाए रखनी थी और वे ग्रुप फोटोग्राफ के लिए एक साथ नहीं हो सके। लेकिन तीनों पदकधारियों ने एक-दूसरे को बधाई दी और फोटो भी खिंचवाई। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने उनसे जूम पर बात करके खुशी जाहिर की।

नहीं थी कोई घबराहट : वह पिछले कुछ महीनों से अमेरिका में ट्रेनिंग कर रही थी। शनिवार को उनके चेहरे पर घबराहट नहीं थी। वह शांत व एकाग्र दिख रही थीं जो जानती थी कि वह पोडियम पर पहुंचने में सफल रहेंगी। चानू पूरे आत्मविश्वास से भरी थीं व प्रदर्शन के दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान रही।

मुकाबले के दौरान मीराबाई चानू • एएफपी

लकड़ी उठाने से शुरू हुआ था चानू का सफर

नई दिल्ली, प्रेट्र : टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक पर कब्जा जमाने वालीं मीराबाई का जीवन संघर्ष से भरा रहा है। मीराबाई का बचपन पहाड़ से जलावन की लकड़ियां बीनते बीता। वह बचपन से ही भारी वजन उठाने में माहिर थीं। आठ अगस्त 1994 को मणिपुर के नोंगपेक काकचिंग गांव में जन्मी मीरा का सपना तीरंदाज बनने का था।

कुंजारानी से मिली प्रेरणा : तीरंदाज बनने की चाह के बीच कक्षा आठ तक आते-आते उनका लक्ष्य बदल गया, क्योंकि आठवीं की किताब में मशहूर भारोत्तोलक कुंजारानी देवी का जिक्र था। इंफाल की ही रहने वाली कुंजारानी भारोत्तोलन इतिहास की दिग्गज महिलाओं में से हैं। कोई भी भारतीय महिला भारोत्तोलक कुंजारानी से ज्यादा पदक नहीं जीत पाई थी। बस, तभी तय हो गया कि अब वजन ही उठाना है। इसके साथ ही शुरू हुआ मीराबाई का करियर। 2014 में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किग्रा भारवर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता। इसके बाद उनके जीतने का क्रम जारी हो गया और टोक्यो ओलिंपिक में उन्होंने अपने बचपन का ओलिंपिक पदक जीतने का सपना पूरा किया।



साईखोम मीराबाई चानू की करियर की उपलब्धि

पदक	टूर्नामेंट	वर्ष	जगह	वजन
रजत	ओलिंपिक	2021	टोक्यो	49 किग्रा
स्वर्ण	विश्व चैंपियनशिप	2017	आनाहिम	48 किग्रा
कांस्य	एशियन चैंपियनशिप	2020	ताशकंद	49 किग्रा
स्वर्ण	कामनवेल्थ गेम्स	2018	गोल्ड कोस्ट	48 किग्रा
रजत	कामनवेल्थ गेम्स	2014	ग्लास्गो	48 किग्रा

मां ने जेवर बेचकर बनवाई थी मीरा के कान की बालियां

चानू के ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान उनके कानों में पहनी ओलिंपिक के छल्लों के आकार की बालियों ने भी ध्यान खींचा, जो उनकी मां ने पांच साल पहले अपने जेवर बेचकर उन्हें तोहफे में दी थी। मीराबाई की मां को उम्मीद थी कि इससे उनका भाग्य चमकेगा। रियो में ऐसा नहीं हो सका लेकिन टोक्यो में किस्मत बदल गई। उनकी मां साईखोम ओंग्बी तोंबी लीमा ने कहा, 'मैंने बालियां टीवी पर देखी थीं, जो मैंने उसे 2016 में रियो ओलिंपिक से पहले दी थीं। मैंने इन्हें अपने सोने के जेवर बेचकर और अपनी बचत से बनवाया था, जिससे कि उसका भाग्य चमके और उसे सफलता मिले। इन्हें देखकर मेरे आंसू निकल गए। उसके पिता (साईखोम कृति मेइतेई) की आंखों में भी खुशी के आंसू थे।'

रियो में तय किया था टोक्यो में खुद को साबित करूंगी : मीराबाई

योगेश शर्मा • नई दिल्ली

ओलिंपिक में रजत पदक जीतकर भारतीय भारोत्तोलन में नया इतिहास रचने वाली मीराबाई चानू ने कहा कि उन्होंने 216 रियो ओलिंपिक खेलों में असफल होने के बाद ही टोक्यो में अच्छा प्रदर्शन करने की ठान ली थी।

चानू ने दैनिक जागरण से कहा, 'ओलिंपिक पदक जीतने का मेरा सपना पूरा हो गया। मैंने रियो में काफी कोशिश की थी, लेकिन तब मेरा दिन नहीं था। मैंने उस दिन तय किया था कि मुझे टोक्यो में खुद को साबित करना होगा। रियो में मैं उस दिन काफी निराश थी। मुझ पर काफी दबाव था और मैं नर्वस हो गई। मैं कई दिनों तक कुछ समझ नहीं पाई, लेकिन इसके बाद कोच और महासंघ ने मुझे दिलासा दिया कि मैं क्षमतावान हूं।' मीराबाई को पांच साल पहले रियो में भी पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन वह महिलाओं के 48 किग्रा भार वर्ग में वैध वजन उठाने में असफल रही थीं।

मीराबाई के मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा, 'रियो की असफलता के बाद हम पर भी काफी दबाव था। हम सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में नाकाम रहे थे। हमसे तब भी पदक की उम्मीद की जा रही थी। इसके बाद हमने अभ्यास के तरीकों में काफी बदलाव किए, जिससे 2017 में विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में अच्छे परिणाम मिले। पिछले छह वर्षों में अभ्यास के अलावा कुछ नहीं किया है।'

> चानू ने कहा, तभी तय कर लिया था कि टोक्यो में खुद को साबित करना है

पदक तालिका

	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	3	0	1	4
इटली	1	1	0	2
जापान	1	1	0	2
द. कोरिया	1	0	2	3
इक्वाडोर	1	0	0	1
हंगरी	1	0	0	1
ईरान	1	0	0	1
थाइलैंड	1	0	0	1
आरओसी	0	1	1	2
सर्बिया	0	1	1	2
भारत	0	1	0	1

हालांकि, अब रजत पदक जीतने के बाद मीराबाई ने आगे कहा कि वह अब अभ्यास की परवाह किए बिना पदक लेकर सीधे मणिपुर स्थित अपने घर जाएंगी। चानू ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों में मैं केवल पांच दिन के लिए घर जा पाई थी। अब मैं इस पदक के साथ घर जाऊंगी और मां के हाथ का बना खाना खाऊंगी।'

सुमित नागल ओलिंपिक में सिंगल्स मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय बने

टोक्यो, प्रेट्र : सुमित नागल ओलिंपिक में 25 साल में पुरुष सिंगल्स स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए जिन्होंने टोक्यो खेलों में डेनिस इस्तोमिन को तीन सेटों में हराया। नागल ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में इस्तोमिन को 6-4, 6-7 (6-8), 6-4 से मात दी। अब उनका सामना दूसरे दौर में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव से होगा। जीशान अली ने सियोल ओलिंपिक 1988 की टेनिस पुरुष सिंगल्स स्पर्धा में पराग्वे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने फर्नांडो मेलिजेनी को हराकर ओलिंपिक 1996 में कांस्य जीता था। पेस के बाद से कोई भारतीय खिलाड़ी ओलिंपिक में सिंगल्स मैच नहीं जीत सका है।

नागल को पहले सेट के छठे गेम में इस्तोमिन की सर्विस तोड़ने का मौका मिला जो उन्होंने गंवा दिया। इस्तोमिन की सर्विस तोड़कर उन्होंने पहला सेट जीत लिया। दूसरे सेट में भी वह 4-1 से आगे थे लेकिन, दबाव उन पर हावी हो गया और अपनी सर्विस नहीं बचा सके। इस्तोमिन ने मुकाबला टाइब्रेकर तक खींचा। आखिरी सेट में नागल ने लय बरकरार रखी। लेकिन अब उनका सामना आस्ट्रेलियाई ओपन उपविजेता मेदवेदेव से होगा। नागल ने कहा, 'मैं खुश हूं कि मुझे अब विश्व के नंबर दो खिलाड़ी मेदवेदेव के खिलाफ खेलने का मौका मिल रहा है।'

चंदेला और वलारिवन ने भी किया निराश : महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में ओलिंपिक में पदार्पण कर रही इलावेनिल वलारिवन और अपूर्वी चंदेला फाइनल्स में भी जगह नहीं बना सकी। ये दोनों अकासा रेंज पर क्रमशः 16वें और 36वें स्थान पर रहीं।

प्रणीत हारे : बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी चीनी ताइपै के यांग ली और चि लिन वांग को हराकर शानदार शुरुआत की। चिराग और सात्विक ने ली और वांग को 21-16, 16-21, 27-25 से हराया। पुरुष सिंगल्स वर्ग में बी साई प्रणीत ओलिंपिक में पदार्पण मैच में मीशा जिल्बरमैन से सीधे गेम में हार गए। प्रणीत को 47वीं रैंकिंग वाले मीशा ने 21-17, 21-15 से हराया।

सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके नाविकः भारतीय नाविक अर्जुन लाल और अरविंद सिंह की जोड़ी लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स हीट्स में पांचवें स्थान पर रही। सीधे तौर पर यह टीम सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी।

ओलिंपिक से बाहर हुए विकास

टोक्यो : भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण (69 किग्रा) को यहां पहले मुकाबले में स्थानीय दावेदार सेवोनरेट्स क्विंसी मेनसाह ओकाजावा के खिलाफ 0-5 की एकतरफा हार का सामना करना पड़ा जिससे इन खेलों में देश की नौ सदस्यीय टीम की शुरुआत निराशाजनक रही। हरियाणा के 29 साल के विकास की आंख के पास से खून भी आने लगा। उनकी बायीं आंख के नीचे कट लगा। टीम सूत्रों का कहना है कि विकास कंधे में हल्की चोट के बावजूद मुकाबले में उतरे। जापान के घानाई मूल के ओकाजावा ने शुरुआत से अंत तक मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और उन्हें दो बार के ओलिंपियन भारतीय मुक्केबाज के खिलाफ किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

दीपिका और जाधव की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

ऐन मौके पर बनाई गई दीपिका कुमारी और प्रवीण जाधव की जोड़ी टोक्यो ओलिंपिक तीरंदाजी स्पर्धा के मिक्स्ड डबल्स वर्ग के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से हारकर पदक की दौड़ से बाहर हो गई। पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साथ खेल रहे जाधव और दीपिका को कोरिया ने 6-2 से हराया। दीपिका आठ में से एक भी तीर पर परफेक्ट 10 स्कोर नहीं कर सकीं। वहीं, जाधव ने तीन परफेक्ट 10 के बाद चौथे सेट में छह स्कोर कर दिया। रैंकिंग दौर में शुक्रवार भारत ने दीपिका के साथ जाधव को उतारने का फैसला किया था।



तीरंदाजी की मिक्स्ड टीम स्पर्धा के दौरान प्रवीण जाधव और दीपिका कुमार • रायटर



मनिका बत्रा • रायटर

बत्रा ने राष्ट्रीय कोच की मदद लेने से इन्कार किया

टोक्यो : भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने अपने निजी कोच को कोर्ट में प्रवेश की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद शनिवार को पहले दौर के मैच में राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप राय की सलाह लेने से इन्कार कर दिया। मनिका ने ब्रिटेन की 94वीं रैंकिंग की टिन टिन हो के खिलाफ महिला सिंगल्स के मैच में 4-0 से जीत हासिल की। इस मैच के दौरान कोच के कार्नर पर कोई नहीं बैठा था। मनिका के निजी कोच सन्मय परांजपे को विवादास्पद तरीके से उनके साथ टोक्यो जाने की मंजूरी दी गई थी लेकिन, उन्हें राष्ट्रीय टीम के साथ खेल गांव में ठहरने की अनुमति नहीं दी गई। वह होटल में ठहरे हैं और उन्हें केवल अभ्यास के लिए आने की अनुमति है। हालांकि जब शरत कमल और मनिका अंतिम-16 का मैच खेल रहे थे तो राय कोर्ट पर दिख रहे थे। हालांकि यह जोड़ी तीसरी वरीय लिन युन-जू और चेंग आई-चिंग के खिलाफ 0-5 से हार गई। वहीं, सुतीर्था मुखर्जी ने अपने ओलिंपिक पदार्पण का अभियान अच्छे तरीके से करते हुए स्वीडन की 78वीं रैंकिंग की खिलाड़ी लिंडा बर्गस्ट्राम को 4-0 से हरा दिया।

लक्ष्य से चूके निशानेबाज, सौरभ चौधरी सातवें स्थान पर रहे

भारतीय निशानेबाज टोक्यो ओलिंपिक में अपनी स्पर्धाओं के पहले दिन शनिवार को यहां लक्ष्य पर सटीक निशाना साधने से चूक गए और सबसे अधिक निराश सौरभ चौधरी ने किया जो क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद पदक जीतने में नाकाम रहे। सौरभ 137.4 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहा। चौधरी क्वालीफिकेशन की फार्म को फाइनल में दोहराने में नाकाम रहे और पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। कमरे में चौधरी के साथ रह रहे उनके मित्र अभिषेक वर्मा तो आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भी जगह नहीं बना पाए और उस स्पर्धा में 575 अंक के साथ 17वें स्थान पर रहे जिसमें भारत के पदक जीतने की सबसे अधिक संभावनाएं जताई गई थी। ओलिंपिक से पहले दोनों विश्व कप जीतकर शानदार फार्म में चल रहे ईरान के जावेद फोरोगी ने 24 शाट के फाइनल में 244.8 अंक के ओलिंपिक रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। सर्बिया के दामिर मिकेच ने 237.9 अंक के साथ रजत पदक जीतते हुए अपने चौथे ओलिंपिक में पदक का सपना साकार किया। बीजिंग खेलों के चैंपियन चीन के वेइ पेंग ने 217.6 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया।



निशानेबाज सौरभ चौधरी • एपी

शानदार न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया, हरमनप्रीत ने दो व रूपिंदर ने एक गोल किया

पिछड़ने के बाद जीती भारतीय हाकी टीम

टोक्यो, प्रेट्र : निर्णायक क्षणों में दीवार की तरह अडिग गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरुष हाकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर अपने ओलिंपिक अभियान का आगाज जीत के साथ किया। गोलकीपर श्रीजेश ने आठ में से छह शाट बचाए और छह पेनाल्टी कार्नर में सिर्फ एक बार नाकाम रहे। भारत अब रविवार को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिसने पूल-ए के एक अन्य मैच में जापान को 5-3 से हराया।

पहले क्वार्टर में न्यूजीलैंड ने छठे ही मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर बढ़त लेकर भारतीय खेमे में हलचल मचा दी। न्यूजीलैंड के लिए यह गोल पेनाल्टी कार्नर विशेषज्ञ केन रसेल ने दागा। भारत को 10वें मिनट में पहले पेनाल्टी कार्नर और फिर पेनाल्टी स्ट्रोक मिला। पेनाल्टी स्ट्रोक को रूपिंदर ने गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत ने 26वें मिनट में वीडियो रेफरल पर पेनाल्टी कार्नर हासिल किया। इस पर हरमनप्रीत सिंह ने ड्रैग फ्लिक पर गोल दागा, जो उनका 75वां अंतरराष्ट्रीय गोल था।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी रेफरल से हुई जब दिलप्रीत सिंह ने मनप्रीत को सर्कल के पास गेंद सौंपी, लेकिन वह न्यूजीलैंड के डिफेंडर के पैर से टकराई। दक्षिण अफ्रीकी वीडियो अंपायर पीटर राइट ने भारत को पेनाल्टी कार्नर दिया और हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में मिले इस मौके को भुनाते हुए भारत को 3-1 से बढ़त दिला दी। न्यूजीलैंड ने इसके बाद लगातार जवाबी हमले बोले, लेकिन श्रीजेश, अनुभवी डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा और अमित रोहिदास ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। न्यूजीलैंड को 57वें मिनट में लगातार दो पेनाल्टी कार्नर मिले। न्यूजीलैंड इस पर गोल करने में नाकाम रही। मैच खत्म होने में 24 सेकेंड बाकी रहते न्यूजीलैंड को पेनाल्टी कार्नर मिला, लेकिन श्रीजेश ने बचाव करके संकट को टाला। हालांकि रेफरल के कारण हाकी मुकाबले की गति में कमी आई और इसके कारण दर्शकों को निराश होना पड़ा।

भारतीय महिला हाकी टीम हारी

टोक्यो, प्रेट्र : भारतीय महिला हाकी टीम ने पूल के शुरुआती मैच में दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ पहले दो क्वार्टर में दमदार खेल दिखाया, लेकिन अंत में 1-5 से हार गई। फेलिसे एलबर्स ने तीन बार की चैंपियन नीदरलैंड्स के लिए छठे और 43वें मिनट में दो गोल किए, जबकि मारगोट वान जेफेन ने 33वें, फ्रेडरिक माटला ने 45वें और काइया जैकलिन वान मासाकार ने 52वें मिनट में गोल दागे। भारत के लिए एकमात्र गोल कप्तान रानी रामपाल ने 10वें मिनट में किया।

भारत के आज के मैच

पदक के मुकाबले

निशानेबाजी : महिला 10 मीटर एयर पिस्टल, क्वालीफिकेशन- सुबह 5:30 बजे,फाइनल-सुबह 7:45 बजे
- खिलाड़ी- मनु भाकर, यशस्वनी
- पुरुष 10 मीटर एयर राइफल, क्वालीफिकेशन- सुबह 9:30 बजे से, फाइनल- दोपहर 12 बजे से
- खिलाड़ी : दीपक कुमार, दिव्यांश

अन्य मुकाबले

निशानेबाजी : • पुरुष स्कीट, क्वालीफिकेशन- सुबह 6.30 बजे से
- खिलाड़ी - मैराज अहमद खान, अंगद वीर सिंह

रोइंग : पुरुष : लाइट वेट डबल्स डबल्स स्कल्स रेपचेज राउंड 2- सुबह 6.40 बजे से
- खिलाड़ी -अर्जुन/अरविंद

बैडमिंटन : महिला सिंगल्स, ग्रुप मैच - सुबह 7.10 बजे से
- खिलाड़ी- पीवी सिंधू

टेनिस : महिला डबल्स, पहला दौर- सुबह 7.30 बजे से
- खिलाड़ी- सानिया/अंकिता रैना

सेलिंग : महिला लेजर रेडियल राउंड 1 और लेजर रेडियल रेस 2- सुबह 8.35 बजे • खिलाड़ी- नेत्रा कुमानन
- पुरुष लेजर रेस 1 और लेजर रेस 2- सुबह 11:05 बजे से
- खिलाड़ी-सरवनन विष्णु

टेबल टेनिस : पुरुष : सिंगल्स राउंड 2- सुबह 10.30 बजे से
- खिलाड़ी : जी साथियान
- महिला : सिंगल्स राउंड 2-दोपहर 12 बजे से • खिलाड़ी : मनिका बत्रा

मुक्केबाजी : महिला - राउंड आफ 32-दोपहर 1:30 बजे से
- खिलाड़ी : एमसी मेरी कोम
- पुरुष-राउंड आफ 32-दोपहर 1:30 बजे से
- खिलाड़ी : मनीष कौशिक

हाकी : पुरुष टीम : पूल-ए, दोपहर 3:00 बजे से, बनाम आस्ट्रेलिया

स्विमिंग : महिला 100 मीटर बैक स्ट्रोक हीट 1 • खिलाड़ी : माना पटेल
- पुरुष 100 मीटर बैक स्ट्रोक हीट 3
- खिलाड़ी : श्रीहरि नटराज

प्रसारण : सोनी नेटवर्क पर

सौरभ मिक्स्ड स्पर्धा में करेंगे सर्वश्रेष्ठ



विजय कुमार
कलम से

भारतीय निशानेबाजों को शनिवार को जो निराशा हाथ लगी उसे भारोत्तोलक मीराबाई चानू के 49 किग्रा भारवर्ग में जीते गए रजत पदक ने काफी हद तक दूर करने का काम किया। निशानेबाज इलावेनिल और अपूर्वी चंदेला फाइनल में पहुंचने में विफल रहीं और पिस्टल निशानेबाज सौरभ चौधरी क्वालीफाइंग में टाप करने के बाद फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। इस बात में कोई शक नहीं है कि भारत की निशानेबाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती टीम के प्रदर्शन पर टोक्यो 2020 में करीबी नजर रखी जा रही है। हमारे निशानेबाजों, पहलवानों और मुक्केबाजों के लिए टोक्यो ओलिंपिक बड़ा इम्तिहान है। जहां तक दबाव की बात है तो ओलिंपिक खेल विश्व कप जैसी प्रतियोगिताओं से काफी अलग होते हैं। यहां सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की हिस्सेदारी रहती है।

भारतीय निशानेबाजी टीम में अपार प्रतिभा है और टीम में युवा व अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। 25 मीटर पिस्टल में राही सरनोबत, अपूर्वी चंदेला, 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में संजीव राजपूत और मैराज अहमद खान पहले भी ओलिंपिक खेल चुके हैं। वहीं दल के युवा निशानेबाजों ने टोक्यो तक के सफर में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए प्रभावित किया है। जहां तक कुश्ती की बात है तो बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पहलवान हैं। इन पर सभी की निगाहें जरूर होंगी, जबकि मुक्केबाजी में अमित पंघाल और मेरी कोम पदक की मंजिल तक पहुंचने की कोशिश में होंगे। उम्मीद है कि 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल का ओलिंपिक अनुभव चख चुके सौरभ चौधरी 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। उनमें असाधारण प्रतिभा है और पिछले कुछ साल में पांच विश्व कप मदद जीत चुके हैं, जिनमें से 2019 और 2021 में जीते गए दो स्वर्ण भी शामिल हैं। हालांकि, मेरठ के निशानेबाज को ओलिंपिक पदक हासिल करने के लिए दबाव पर काबू पाना होगा। सौरभ को दो विश्व कप में हराने वाले ईरान के जावेद फोरोह और डबल ओलिंपिक पदक विजेता पैंग वेई ओलिंपिक के माहौल को अच्छी तरह जानते हैं। भारत के लिए एक और प्रतिभाशाली निशानेबाज मनु भाकर तीन स्पर्धाओं 10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम और 25 मीटर पिस्टल में हिस्सा ले रही हैं। राही सरनोबत के पास ओलिंपिक का अनुभव है और वो उनके लिए मददगार साबित होगा। मैं भारतीय दल को शुभकामनाएं देता हूं। (टीसीएम)

दैनिक जागरण
सप्तरंग
तकनीक की दुनिया का
रविवार, 25 जुलाई, 2021



अब एक वाट्सएप एकाउंट से चलाएं चार डिवाइस



इंटरनेट मीडिया

वाट्सएप लंबे समय से मल्टी-डिवाइस सपोर्ट फीचर पर काम कर रहा है। अब यह फीचर बीटा टेस्टर्स के लिए जारी कर दिया गया है। जल्द ही अन्य यूजर्स भी इस फीचर का उपयोग करने में सक्षम हो सकेंगे। इससे वे अपने फोन को आनलाइन रखे बिना भी एक साथ चार डिवाइस पर वाट्सएप एकाउंट चला पाएंगे। यदि आप एप के बीटा वर्जन का उपयोग कर रहे हैं, तो जानें कैसे कर सकते हैं वाट्सएप मल्टी-डिवाइस फीचर का उपयोग...

अभी आप वाट्सएप का इस्तेमाल वेब और अपने फोन पर ही एक साथ कर सकते हैं, लेकिन मल्टी डिवाइस फीचर की मदद से वाट्सएप एकाउंट का उपयोग अधिकतम चार डिवाइस पर कर सकेंगे और वह भी अपने फोन को आनलाइन रखे बिना भी। इस फीचर का उपयोग करने के लिए कुछ स्टेप को फालो करना होगा...

- अपने फोन में वाट्सएप को ओपन करें और ऊपर दायें कोने में तीन डाट्स पर टैप करें। आपको वाट्सएप वेब के बजाय अब नया 'लिंक्ड डिवाइसेज' का विकल्प दिखाई देगा।
- यह आपको एक नये 'लिंक ए डिवाइस' पेज पर ले जाएगा, जहां आपको मल्टी डिवाइस बीटा फीचर दिखाई देगा। उस पर टैप करें। चूंकि यह फीचर अभी बीटा में है, इसलिए आपको अगले पेज पर 'ज्वाइन बीटा' पर टैप करना होगा। एक बार जब बीटा में शामिल हो जाते हैं, तो उसी सेटिंग से 'लिंक ए डिवाइस' का उपयोग करके अन्य डिवाइस पर वाट्सएप का उपयोग करना शुरू कर सकते हैं।

फीचर डेस्क

ऐसे कार्य करता है यह फीचर

इस फीचर की मदद से एक बार में अधिकतम चार डिवाइस पर वाट्सएप का उपयोग कर सकते हैं। आपके फोन के आनलाइन न होने पर भी लिंक किए गए सभी डिवाइस काम करते रहेंगे। यह फीचर अभी दो फोन को सपोर्ट नहीं करता है। आप वाट्सएप वेब और डेस्कटाप क्लाइंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। लिंक किए गए डिवाइस के माध्यम से वायस और वीडियो काल कर सकते हैं। जब वाट्सएप वेब या डेस्कटाप से आनलाइन होते हैं, तो वे लोग जिनके पास पुराना वाट्सएप वर्जन है, वे आपसे चैट नहीं कर पाएंगे। अगर आप 14 दिनों तक इनएक्टिव रहते हैं, तो फिर लिंक्ड डिवाइस आटोमैटिकली आपके एकाउंट से लागआउट हो जाएगा। जैसा कि पहले बताया गया है, यह फीचर अभी बीटा टेस्टर्स के लिए जारी किया गया है। इसलिए यदि आप यह जांचना चाहते हैं कि आपको यह सुविधा मिली है या नहीं, तो वाट्सएप वेब सेटिंग को ओपन करें, यह चेंज होकर अब 'लिंक्ड डिवाइस' बन गई है। साथ ही, आप मल्टी-डिवाइस बीटा का विकल्प देख सकते हैं।

साइबर सिक्योरिटी

कैसे बचें स्पाईवेयर से



पेगासस स्पाईवेयर की एक बार फिर भारत सहित पूरी दुनिया में चर्चा है जिसे इजरायली साइबर इंटेलिजेंस फर्म एनएसओ ग्रुप ने बनाया है और जो निगरानी रखने का काम करता है। यह एक ऐसा साफ्टवेयर है, जो बिना सहमति के फोन तक पहुंच हासिल कर सकता है और आपकी पर्सनल व संवेदनशील जानकारी चोरी कर सकता है। किसी आम यूजर के लिए स्पाईवेयर का पता लगाना आमतौर पर मुश्किल होता है, लेकिन कुछ चीजें हैं, जिनकी मदद से स्पाईवेयर के खतरे को कम किया जा सकता है...

स्मार्टफोन ऐसा पर्सनल डिवाइस है, जिसका उपयोग आज के दौर में लोग सबसे ज्यादा करते हैं। इसी में आपकी तमाम पर्सनल इंफार्मेशन भी स्टोर होती है जैसे कि ईमेल, टेक्स्ट, फोटो, बैंकिंग इंफार्मेशन आदि। ऐसे में स्पाईवेयर के लिए स्मार्टफोन सबसे बड़ा टारगेट होता है। यदि एक बार स्मार्टफोन या फिर पीसी में स्पाई मालवेयर इंस्टाल हो जाता है, तो फिर आपकी जासूसी शुरू हो जाती है। एक तरह से यह आपकी पूरी डिवाइस पर कंट्रोल हासिल कर लेता है। अधिकतर स्पाई मालवेयर को पहचानना मुश्किल होता है। अगर कोई स्पाईवेयर स्मार्टफोन में इंस्टाल है, तो फिर हैकर्स दूर से भी काल लाग्स और एप्स को आसानी से एक्सेस कर सकते हैं।

क्या करता है पेगासस स्पाईवेयर : बात पेगासस स्पाईवेयर की करें, तो इसे खासतौर पर जासूसी के लिए ही डेवलप किया गया है। कैस्परस्की के अनुसार, पेगासस स्पाईवेयर के जरिए किसी भी यूजर के एसएमएस, ईमेल, काल, स्क्रीनशाट, कीस्ट्रोक्स, कांटैक्ट्स, ब्राउजर हिस्ट्री आदि को आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। पेगासस आपके फोन का कैमरा और माइक भी चालू कर सकता है यानी एक बार अगर आपके डिवाइस में यह स्पाईवेयर इंस्टाल हो गया, तो आपकी सारी जानकारी हैकर को मिलती रहेगी। यह साफ्टवेयर इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि यूजर द्वारा किसी लिंक पर क्लिक किए बिना ही हैकर फोन का एक्सेस हासिल कर लेता है। इसे जीरो-क्लिक एक्सप्लाइट भी कहा जाता है। यह स्पाईवेयर इंस्टाल होने के बाद किसी तरह के फुटप्रिंट नहीं छोड़ता। आपको पता भी नहीं चलेगा कि आपका फोन या पीसी हैक हो चुका है। यह कम बैंडविड्थ पर भी काम कर सकता है।

जीरो क्लिक अटैक है खतरनाक: आमतौर पर किसी लिंक पर क्लिक करने पर मालवेयर डिवाइस में इंस्टाल होते हैं, लेकिन जीरो क्लिक इससे अलग है। जीरो क्लिक अटैक में मैसेज द्वारा भेजे गए स्पाईवेयर को अगर आप ओपन भी नहीं करते हैं, तब भी यह आपके डिवाइस में इंस्टाल हो जाता है। आमतौर पर किसी साइबर अटैक में हैकर यूजर्स की किसी गलती का इंतजार करते हैं, लेकिन जीरो क्लिक में सिर्फ एक मैसेज भेजकर या फिर मिस्डकाल करके आपके फोन का पूरा कंट्रोल लिया जा सकता है। जीरो क्लिक की पहचान करना बहुत मुश्किल है। डिवाइस में पेगासस को इंस्टाल करने के लिए हैकर अलग-अलग तरीके अपनाते हैं। कई बार टारगेट डिवाइस पर मैसेज के जरिए एक एक्सप्लाइट लिंक भेजी जाती है। जैसे ही यूजर इस लिंक पर क्लिक करता है, पेगासस फोन में इंस्टाल हो जाता है। इतना ही नहीं, पेगासस वाट्सएप काल के जरिए भी डिवाइस के आपरेटिंग सिस्टम तक एक्सेस हासिल कर सकता है। खतरे की बात यह है कि यूजर्स को इसकी भनक तक नहीं लगती।

पेगासस से आइफोन भी सुरक्षित नहीं: आमतौर पर आइफोन को सिक्योरिटी के मामले में एंड्रायड के मुकाबले अधिक सुरक्षित माना जाता है, लेकिन पेगासस स्पाईवेयर से यह फोन भी सुरक्षित नहीं है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की जांच में 23 आइफोन आराम से हैक हो गए। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इजराइल के एनएसओ ग्रुप का पेगासस स्पाईवेयर आइफोन 11 और आइफोन 12 को भी आइमैसेज जीरो क्लिक के जरिए हैक करने में सक्षम है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पेगासस के जरिए हजारों आइफोन की ट्रैकिंग हुई है। सभी आइफोन में आइमैसेज जीरो क्लिक के जरिए ही पेगासस को इंस्टाल किया गया है।

लगा सकते हैं पेगासस का पता : एमनेस्टी इंटरनेशनल के शोधकर्ताओं ने पेगासस का पता लगाने के लिए मोबाइल वेरिफिकेशन टूलकिट (एमवीटी) विकसित किया है। यह टूलकिट बता सकता है कि आपका फोन स्पाईवेयर से संक्रमित है या नहीं। इसका इस्तेमाल एंड्रायड और आइओएस दोनों ही डिवाइस पर किया जा सकता है। एमवीटी का कोड ओपन सोर्स है। आपको बता दें कि इसके लिए कुछ तकनीकी नालेज की आवश्यकता होती है। इसके इस्तेमाल से पहले फोन में मौजूद डाटा का बैकअप लेना होता है। यह आइओएस के एनक्रिप्टेड बैकअप को भी डिक्रिप्ट कर सकता है।

अमित निधि

स्मार्टफोन और पीसी पर अपडेट करते रहें साफ्टवेयर को

- स्पाईवेयर, मालवेयर आदि से बचने के लिए अपने स्मार्टफोन और पीसी साफ्टवेयर को हमेशा अपडेट करते रहें। आमतौर पर साफ्टवेयर अपडेट को लोग नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ये अपडेट सिक्योरिटी के लिहाज से बेहद उपयोगी होते हैं। अगर फोन या पीसी की सिक्योरिटी में कोई खामी या बग्स है, तो इन अपडेट्स से उसे दूर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर आपके फोन और पीसी में कोई आउटडेटेड एप्स हैं या फिर किसी एप्स का लंबे समय से इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं, तो फिर उसे डिलीट कर देना चाहिए। इसके माध्यम से आपके फोन की हैकिंग की जा सकती है।



- वाट्सएप ईमेल, एसएमएस या किसी भी लिंक को तब तक ओपन न करें, जब तक कि आपको इस बात का पूरा विश्वास न हो कि यह सही सोर्स से भेजा गया है। अगर प्रलोभन या आफर से जुड़ा कोई लिंक हो तो उसे बिल्कुल भी ओपन न करें। इससे फोन को हैक करने की कोशिश हो सकती है।
- फोन और पीसी को समय-समय पर क्लीन करते रहें। साथ में फायरवाल या एंटीवायरस का इस्तेमाल अवश्य करें।

स्मार्टफोन पर स्पाई एप्स को कैसे पहचानें



अगर एंड्रायड डिवाइस पुराने साफ्टवेयर पर रन करता है, तो यह स्पाई एप्स के लिए और आसान हो जाता है। ध्यान रखें कि आपका डिवाइस अजीब तरह से व्यवहार तो नहीं कर रहा है, जैसे कि नेटवर्क यूजेज बढ़ जाना, अनपेक्षित नेटवर्क कनेक्शन, अनपेक्षित गतिविधि आदि। इसके अलावा, बैंडविथ को डाटा मानिटरिंग एप के जरिए मानिटर करें। साथ ही, यह भी देखें कि कौन-सा स्ट्रेंज एप डाटा का अत्यधिक इस्तेमाल कर रहा है। वह स्पाईवेयर एप भी हो सकता है। एंड्रायड डिवाइस के साथ दिक्कत यह भी है कि इसे आसानी से रूट किया जा सकता है, जिससे पूरे डिवाइस पर कंट्रोल मिल जाता है। हैकर्स इसी का फायदा उठाते हुए स्पाईवेयर को आसानी से डिवाइस में छिपा देते हैं। स्मार्टफोन पर किसी एप्स को इंस्टाल करने से पहले परमिशन का ध्यान रखना चाहिए। ध्यान रहे, केवल अथाराइज्ड सोर्स से ही एप्स को डाउनलोड करें, अन्यथा मुश्किल में फंस सकते हैं। एप्स और साफ्टवेयर को हमेशा अपडेट करते रहें। स्मार्टफोन में स्पाई एप्स को स्कैन करने के लिए मालवेयरबाइट सिक्योरिटी, सुपरएंटीस्पाईवेयर, स्पाईवेयर ब्लास्ट जैसे एप्लीकेशंस की मदद ले सकते हैं। अगर आसान तरीके से स्पाईवेयर को डिवाइस से हटाना चाहते हैं, तो फिर फैक्ट्री रीसेट सबसे आसान तरीका है। फैक्ट्री रीसेट से पहले बैकअप जरूर ले लें।

डेस्कटाप पर स्पाईवेयर से ऐसे बचें



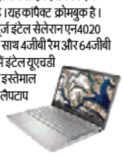
डेस्कटाप पर यूजर की जासूसी के लिए कीलागर्स, मालवेयर आदि मुख्य टूल होते हैं। इनकी मदद से दूर रहते हुए भी सिस्टम को एक्सेस किया जा सकता है। हैकर्स कंप्यूटर पर यूजर की एक्टिविटीज को देख सकते हैं। आपको बता दें कि रिमोट एक्सेस ट्राजन (आरएटी) कहीं ज्यादा खतरनाक मालवेयर होता है। इससे भी हैकर आपके सिस्टम में सेंध लगा सकते हैं। कीलागर्स स्पाईवेयर आपके सिस्टम से कीस्ट्रोक्स के जरिए लागइन इंफार्मेशन की चोरी करता है। यह आपकी बैंकिंग इंफार्मेशन, इंटरनेट मीडिया पासवर्ड की चोरी कर सकता है। वैसे, स्वाईवेयर को सिस्टम में दूर से भी इंस्टाल किया जा सकता है। आपको बता दें कि स्मार्टफोन की तुलना में डेस्कटाप पर स्पाइंग एप्स को इंस्टाल करना ज्यादा आसान होता है। अगर डेस्कटाप में स्पाईवेयर इंस्टाल है, तो इसका पता लगाया जा सकता है। सिस्टम स्लो या स्लगिश होने लगे या फिर अचानक क्रैश होने लगे, मल्टीपल पाप-अप या एडवेयर दिखने लगे या फिर रेंडम वेबसाइट पर रीडायरेक्ट करने लगे, ब्राउजर सेटिंग्स में अनपेक्षित बदलाव दिखे या फिर रेंडम एरर मैसेज दिखने लगे, तो समझ जाएं कि सिस्टम में स्पाईवेयर हो सकते हैं। स्पाईवेयर को स्कैन करने के लिए नार्टन सिक्योरिटी प्रीमियम, एवीजी इंटरनेट सिक्योरिटी, बिटडिफेंडर आदि एंटीवायरस टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

लैपटाप खरीदारी टिप्स

स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी हैं ये क्रोमबुक्स

बच्चों की आनलाइन स्टडी के लिए लैपटाप खरीदना चाहते हैं, तो क्रोमबुक एक विकल्प हो सकता है। क्रोमबुक दरअसल, क्रोम ओएस पर चलने वाले लैपटाप होते हैं। आमतौर पर क्रोमबुक की बिल्ड क्वालिटी अच्छी होती है और यह इस्तेमाल करने में आसान होता है। कुछ क्रोमबुक 2-इन-1 फीचर के साथ भी आते हैं यानी स्टूडेंट इसका इस्तेमाल लैपटाप के अलावा, टैबलेट की तरह भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ किफायती क्रोमबुक्स के बारे में, जो स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी हो सकते हैं:

एचपी क्रोमबुक 14 ए : अगर बजट रेंज में क्रोमबुक खरीदना चाहते हैं, तो एचपी क्रोमबुक 14ए एक विकल्प हो सकता है। इसमें 14 इंच का एचडी डिस्प्ले है। यह कांपैक्ट क्रोमबुक है। इसमें 1.1 गीगाहर्ट्ज इंटेल सेलेरान एन4020 प्रोसेसर है। इसके साथ 4जीबी रैम और 64जीबी एसएसडी है। इसमें इंटेल यूएचडी 600 ग्राफिक्स का इस्तेमाल किया गया है। इस लैपटाप की कीमत 27,999 रुपये है।



लेनोवो आइडियापैड डुएट क्रोमबुक

लेनोवो का आइडियापैड डुएट क्रोमबुक 2-इन-1 डिटैचेबल लैपटाप है। इसका इस्तेमाल टैबलेट की तरह भी कर सकते हैं। लैपटाप में 10.1 इंच फुलएचडी आइपीएस डिस्प्ले है। इसमें मीडियाटेक हीलियो पी60टी आक्टा कोर प्रोसेसर है। यह गूगल क्रोम आपरेटिंग सिस्टम पर चलता है। इसका बूट-अप टाइम केवल आठ सेकंड है। लैपटाप में 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज दी गई है। इसमें आपको आठ साल तक फ्री एंटीवायरस साफ्टवेयर अपडेट की सुविधा मिलेगी। स्टाइलस के साथ इसमें 7000 एमएएच की बैटरी है। यह 10 घंटे की बैटरी लाइफ के साथ आता है। इसकी कीमत 26,999 रुपये है। कंपनी इस प्रोडक्ट के साथ एक साल की वारंटी भी देती है।



आसुस क्रोमबुक सी 423



आसुस क्रोमबुक सी423 में 14 इंच का एचडी टच डिस्प्ले (वैकल्पिक) है। इसका आस्पेक्ट रेशियो 16:9 है और यह 200 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। इस क्रोमबुक में आपको इंटेल का सेलेरान एन 3350 प्रोसेसर मिलता है। इसके अलावा, इंटेल एचडी ग्राफिक्स 500, 4जीबी रैम और 64जीबी इंटरनल स्टोरेज की सुविधा मिलती है। स्टोरेज को माइक्रोएसडी कार्ड की मदद से 256जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। यह दो यूएसबी 3.2 जेन 1 टाइप-ए पोर्ट, दो यूएसबी 3.2 जेन 1 टाइप-सी पोर्ट, एक 3.5 एमएम हेडफोन जैक और माइक्रोएसडी कार्ड रीडर के साथ आता है। इसमें 38डब्ल्यूएचआर की बैटरी दी गई है। यह 720 पिक्सल वेबकैम से लैस है। आसुस क्रोमबुक सी423 नान-टच माडल की कीमत 19,999 रुपये है, जबकि टचस्क्रीन माडल की कीमत 23,999 रुपये है। यह सिल्वर कलर में उपलब्ध है।

आसुस क्रोमबुक सी523



आसुस क्रोमबुक सी523 में 15.6-इंच का एचडी टच डिस्प्ले (वैकल्पिक) है, जिसका आस्पेक्ट रेश्यो 16:9 है और अधिकतम ब्राइटनेस 200 निट्स है। क्रोमबुक्स में इंटेल एचडी ग्राफिक्स 500 के साथ इंटेल सेलेरान एन3350 डुअल-कोर प्रोसेसर की सुविधा है। इस क्रोमबुक में आपको 4जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज की सुविधा मिलती है। स्टोरेज को आप माइक्रोएसडी कार्ड की मदद से 2टीबी तक बढ़ा सकते हैं। यह 720 पिक्सल एचडी वेबकैम से लैस है। इसमें 2 यूएसबी 3.2 जेन 1 टाइप-ए पोर्ट, 2 यूएसबी 3.2 जेन 1 टाइप-सी पोर्ट, एक 3.5 एमएम हेडफोन जैक और माइक्रोएसडी कार्ड रीडर है। इसमें 38डब्ल्यूएचआर की बैटरी दी गई है। आसुस क्रोमबुक सी523 की नान-टच माडल के लिए 20,999 रुपये खर्च करने होंगे, जबकि टच माडल की कीमत 24,999 रुपये है।

अब बिना इनवाइट कर पाएंगे क्लबहाउस का इस्तेमाल



क्लबहाउस आडियो बेस्ड इंटरनेट मीडिया एप है, जहां पहले बिना इनवाइट किसी की एंट्री नहीं मिलती थी। मतलब कोई भी इस प्लेटफार्म से सीधे नहीं जुड़ सकता था। इसके लिए यूजर के पास इनवाइट लिंक का होना जरूरी था। कंपनी ने भारतीय यूजर्स के लिए अब एप में बदलाव किया है। अब क्लबहाउस चर्चा में हिस्सा लेने के लिए यूजर्स को इनवाइट लिंक की जरूरत नहीं होगी। कंपनी ने ब्लाग पोस्ट में कहा है कि क्लबहाउस पर डेली रूम की संख्या बढ़कर करीब एक मिलियन यानी 10 लाख हो गई है। इस एप का इस्तेमाल एंड्रायड और आइओएस एप पर किया जा सकता है।

टेक अपडेट

रेडमी नोट 10टी 5जी



भारत में रेडमी नोट 10टी 5जी फोन लांच हो गया है। इस फोन में 6.5 इंच का फुल एचडी प्लस डिस्प्ले है। इसमें आपको 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट मिलता है। यह फोन फोन आक्टा-कोर मीडियाटेक डायमेंसिटी 700 प्रोसेसर से लैस है। फोन को दो वैरियंट 4 जीबी रैम + 64 जीबी स्टोरेज और 6 जीबी रैम + 128 जीबी स्टोरेज वैरियंट में पेश किया गया है। कैमरा फीचर की बात करें, तो इसमें पीछे की तरफ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है। इसमें प्राइमरी कैमरा 48 एमपी, 2एमपी का मैक्रो और 2एमपी का डेप्थ कैमरा शामिल है। सेल्फी व वीडियो कालिंग के लिए 8एमपी का कैमरा मौजूद है। फोन में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसके साथ 18 वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मौजूद है। 4जीबी रैम वैरियंट की कीमत 13,999 रुपये है।

गैजेट रिव्यू

नोकिया जी 20



नोकिया के इस फोन की बिल्ड क्वालिटी मजबूत है। फोन पाली कार्बोनेट से बना है, लेकिन इसका लुक बेहतर है। फोन को ग्रिप करना आसान है। इसमें 6.5 इंच एचडी प्लस डिस्प्ले है। हालांकि आजकल इससे कम रेंज के फोन भी फुलएचडी डिस्प्ले के साथ आते हैं। वीडियो स्ट्रीम करना और गेम खेलने का एक्सपीरियंस ठीक-ठाक रहता है। यह स्टाक एंड्रायड 11 पर चलता है। इसका साफ यूआइ पसंद आएगा। फोन में आक्टा-कोर मीडियाटेक हीलियो जी35 प्रोसेसर का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ 4जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज मौजूद है। परफार्मेंस की बात करें, तो यह डेली टास्क के लिहाज से बेहतर है। मीडियाटेक हीलियो जी35 गेमिंग या हैवी टास्क वाला चिपसेट नहीं है। कैमरा फीचर की बात करें, तो फोन के रियर पैनल पर चार कैमरे हैं। इसमें 48एमपी का प्राइमरी, 5एमपी वाइड-एंगल, 2एमपी मैक्रो और 2एमपी डेप्थ सेंसर है। फ्रंट में 8एमपी का कैमरा है। पिक्चर, वीडियो आउटपुट पसंद आएगा। रियर कैमरा प्रभावित करता है। इसकी मदद से डिटेल के साथ अच्छी तस्वीरें क्लिक कर सकते हैं। इसमें डेडिकेटेड नाइट मोड भी है। फ्रंट कैमरा सेल्फी के लिहाज से बेहतर है। फोन में 5,050 एमएएच की बैटरी है, जो 10वाट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। अगर आप स्टाक एंड्रायड वाला एक्सपीरियंस चाहते हैं, तो आपके लिए एक बेहतर फोन हो सकता है। इसकी कीमत 12,999 रुपये है।

तकनीक और गैजेट से जुड़ी खबरों को पढ़ने के लिए https://www.jagran.com/technology-hindi.html? पर विजिट करें।

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

आज का भविष्यफल

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 25 जुलाई, 2021 रविवार श्रावण मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा का राशिफल।

आज का राहुकाल: शाम 04:30 बजे से 06:00 बजे तक।

आज का दिशाशूल: पश्चिम।

मेष: शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।

वृष: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी।

मिथुन: बुद्धादित्य योग व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ाएगा। रिश्तों में मजबूती आएगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क: किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत प्रगति होगी।

सिंह: जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

कन्या: यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। संबंधों में मधुरता आएगी।

तुला: संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

वृश्चिक: व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, लेकिन पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिल सकता है।

धनु: आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा के प्रतियोगिता के क्षेत्र में प्रगति होगी।

मकर: पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। निजी सुख में व्यवधान आएगा। व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी।

कुंभ: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

मीन: शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कल 26 जुलाई का पंचांग



कल का दिशाशूल: पूर्व।

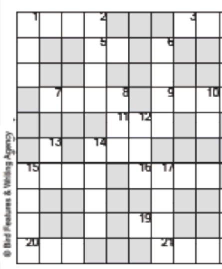
विशेष: पंचक, द्वितीया तिथि की क्षय।

पर्व एवं त्योहार: श्रावण सोमवार।

कल की भद्रा: दोपहर 03:25 बजे से रात्रि के 02:55 बजे तक।

विक्रम संवत 2078 शके 1943 दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास कृष्ण पक्ष की तृतीया 26 घंटे 55 मिनट तक, तत्पश्चात् चतुर्थी धनिष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात् शतभिषा नक्षत्र सौभाग्य योग 22 घंटे 39 मिनट तक, तत्पश्चात् शोभन योग कुंभ में चंद्रमा।

वर्ग पहेली-1647



© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं

1 [illegible] [4]। 3 [illegible] [3]। 5 इंद्रजाल [2]। 7 [illegible] [4]। 9 [illegible] [4]। 11 [illegible] [3]। 14 अनुकूल, [illegible] [3]। 15 समाप्ति, परिच्छेद, वध [4]। 16 [illegible] [4]। 19 [illegible] [2]। 20 [illegible] [3]। 21 [illegible] [4]।

ऊपर से नीचे

1 शांति, चैन [3]। 3 [illegible] [4]। 4 [illegible] [4]। 6 [illegible] [4]। 8 [illegible] [3]। 10 [illegible] [2]। 12 [illegible] [3]। 13 [illegible] [2]। 14 [illegible] [4]। 16 [illegible] [4]। 17 [illegible] [4]। 18 [illegible] [3]।

कल का हल



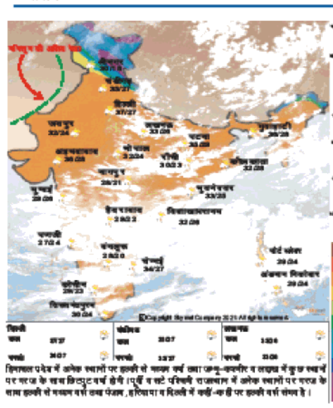
जागरण सुडोकू 1647

4	9		8		5			3
		1				4		
	3			4				9
3		8	2	9			4	
					4	3		8
		4	3				7	
1			6		9		3	
	2			8				7
8		3		1		9		2

कल का हल

1	9	5	4	8	2	6	7	3
8	4	6	9	3	7	1	2	5
7	3	2	6	1	5	8	4	9
3	8	4	7	9	6	5	1	2
2	6	7	8	5	1	3	9	4
9	5	1	3	2	4	7	8	6
6	2	8	5	7	9	4	3	1
5	7	9	1	4	3	2	6	8
4	1	3	2	6	8	9	5	7

मौसम



हिमाचल प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बिजली वर्षा होगी। पूर्वी व सटे पश्चिमी राजस्थान में अनेक स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा तथा पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में कहीं-कहीं पर हल्की वर्षा संभव है।

कल पढ़ें



शरतचंद्र ने दी थी उपन्यास सम्राट की उपाधि

कथाकार मुंशी प्रेमचंद के जीवन से जुड़ी कुछ झलकियों पर आधारित रोचक आलेख, सावन के दोहे, तीज एवं अन्य स्थाई स्तंभ...

दुनिया की पहली टेस्ट ट्यूब बेबी का इंग्लैंड में जन्म

1978 में आज ही इंग्लैंड के ओल्डहैम में आइवीएफ तकनीक से दुनिया की पहली टेस्ट ट्यूब बेबी लुईस ब्राउन का जन्म हुआ था। प्रजनन संबंधी समस्याओं के जूझ रहे परिवारों के लिए यह तकनीक उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। सर राबर्ट एडवर्ड्स को इसका जनक कहा जाता है।





प्रतिभा देवी सिंह पाटिल बनीं देश की पहली महिला राष्ट्रपति

2007 में आज ही प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने भारत की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। वह देश की 13वीं राष्ट्रपति बनी थीं। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन समर्थित प्रत्याशी के तौर पर प्रतिद्वंदी भैरों सिंह शेखावत को हराया था।

जिम कार्बेट के सम्मान में रखा गया राष्ट्रीय उद्यान का नाम

एशिया के सबसे पुराने राष्ट्रीय उद्यान को स्थापित करने वाले जेम्स एडवर्ड कार्बेट का जन्म आज ही वर्ष 1875 में उत्तराखंड के नैनीताल में हुआ था। उन्हें जिम कार्बेट के नाम से भी जाना जाता था। सेना में कर्नल रहे कार्बेट ने 30 से ज्यादा आदमखोर बाघों व तेंदुओं का शिकार किया था। 1936 में बंगाल टाइगर के संरक्षण के लिए उन्होंने उत्तराखंड में हेली नाम से राष्ट्रीय उद्यान स्थापित किया। 1947 में वह केन्या चले गए। वहीं पर 19 अप्रैल, 1955 को उनका निधन हो गया। 1957 में इनके सम्मान में हेली राष्ट्रीय उद्यान का नाम जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान कर दिया गया।



इधर-उधर की

कुत्ते ने जान पर खेलकर बचाई लड़की की जिंदगी



वहां लगे कैमरे में कैद हो गई घटना। इंटरनेट मीडिया

टोरंटो, एजेंसी : कुत्तों को इंसानों का सबसे वफादार दोस्त यूं ही नहीं कहा जाता है। कनाडा के टोरंटो में हुई घटना ने इस बात को फिर चरितार्थ किया है। यहां छह साल के यार्कशेयर ब्रीड के छोटे से दिखने वाले कुत्ते ने अपने मालिक की 10 साल की लड़की को बचाने के लिए अपनी जान दांव पर लगा दी। दरअसल, लड़की अपने कुत्ते के साथ टहल रही थी कि अचानक कोयोट (भेड़िए जैसा दिखने वाला जंगली कुत्ता) ने हमला कर दिया। डरकर भाग रही लड़की के हाथ से उसके कुत्ते की जंजीर छूट गई। इसके बाद मालिक की बेटी को बचाने के लिए वह छोटा कुत्ता अपने से काफी बड़े कोयोट से भिड़ गया और लड़की भागकर सुरक्षित जगह पहुंच गई। छोटे कुत्ते को काफी चोटें भी आई हैं। वीडियो वायरल होने के बाद से सब उसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

स्मार्टफोन पर गेमिंग कर रही अवसादग्रस्त

रखें ध्यान ▶ वाटरलू विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अध्ययन के आधार पर दी चेतावनी

बोर होने से बचने के लिए स्मार्टफोन पर गेम खेलना बेहद नुकसानदेह

वाशिंगटन, एएनआइ : हममें से बहुत से लोग बोर होने पर अक्सर अपना फोन उठाते हैं और कोई गेम खेलने लगते हैं। हमें लगता है कि इससे हमें बेहतर महसूस होगा, लेकिन सच इसके विपरीत है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के आधार पर बताया है कि खराब मूड को सही करने या बोरियत को खत्म करने के लिए जो लोग स्मार्टफोन पर गेम का सहारा लेते हैं, यह उन पर दुष्परिणाम डालता है। ऐसा करना नुकसानदेह साबित हो सकता है। यहां तक कि वे अवसादग्रस्त भी हो सकते हैं।

यह अध्ययन कंप्यूटर्स इन ह्यूमन बिहेवियर नामक जर्नल में प्रकाशित किया गया है। वाटरलू विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन में सामने आया कि बोरियत से बचने के लिए जो लोग गेम का सहारा लेते हैं, उन्हें वास्तविक माहौल और स्थितियों के साथ तालमेल बैठाने में कठिनाई आती है। यह व्यक्ति में समय व स्थान को लेकर जागरूकता और एकाग्रता में कमी की वजह बनता है।



कंप्यूटर्स इन ह्यूमन बिहेवियर जर्नल में प्रकाशित किया गया है अध्ययन। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

वाटरलू में संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान में पीएचडी कर रहे और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक चैनल लार्चे के मुताबिक, हमने अपने अध्ययन में पाया कि जो लोग अपने जीवन में अक्सर बोरियत महसूस करते हैं, वे इससे बचने के लिए सबसे आसान तरीका मोबाइल पर गेम खेलना अपनाते हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब वे गेम इससे इस कदर जुड़ जाते हैं कि इसे कभी भी खेलने लगते हैं। बोर होने पर उनके पास एक ही विकल्प बचता है, मोबाइल फोन पर गेम खेलना। गेम के दौरान व्यक्ति तेज उत्तेजना महसूस करता है।

यह आया सामने : शोधकर्ताओं ने बताया कि कैंडी क्रश व ऐसे ही अन्य गेम्स पर समय बिताने वाले लोग दो तरह के होते हैं। एक इस्कैप प्लेयर्स और दूसरे नान-इस्कैप प्लेयर्स। नान-इस्कैप प्लेयर्स तो कभी-कभी बस मन बहलाने के लिए गेम खेलते हैं और चले जाते हैं। वहीं, इस्कैप प्लेयर्स अपनी बोरियत को खत्म करने के लिए गेम खेलना शुरू करते हैं और धीरे-धीरे इसमें ज्यादा समय बिताने लग जाते हैं। यह अध्ययन ऐसे ही प्लेयर्स को लेकर किया गया है। अध्ययन में बताया गया है कि गेमिंग पर ज्यादा समय से बहुत सी समस्याएं देखने को मिलीं, जैसे प्रतिभागियों में मनोदशा और एकाग्रता पर बुरा असर पड़ना। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह स्थिति लगातार गेम खेलने वालों को अवसाद की ओर भी ले जा सकती है, क्योंकि अध्ययन के दौरान ऐसे प्रतिभागियों में अवसाद का स्तर अधिक पाया गया। ऐसे में बोरियत को दूर करने के लिए गेम का सहारा लेना, मतलब एक समस्या को खत्म करने के लिए दूसरी समस्या को पैदा करने जैसा है।

इस तरह किया गया अध्ययन

लार्चे ने यह अध्ययन वाटरलू में प्रोफेसर माइकल डिक्सन के साथ किया है। इन्होंने अपने अध्ययन के लिए एक लोकप्रिय स्मार्टफोन गेम कैंडी क्रश का प्रयोग किया। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में 60 प्रतिभागियों को शामिल किया, जो इस गेम के 77 से लेकर 3,307 लेवल के बीच खेल रहे थे। इसका मतलब यह है कि ये प्रतिभागी अपनी बोरियत को खत्म करने के लिए इसका सहारा लेते हुए इसके अलग-अलग लेवल पर पहुंचे थे। इन प्रतिभागियों में उत्तेजना का स्तर भी अलग-अलग लेवल पर था। यह अध्ययन इस बात का पता लगाने के लिए किया गया कि लगातार इस गेम को खेलने से उन्हें दूसरी चीजों से तालमेल बैठाने में कितनी कठिनाई आती है।



पायनियर डे परेड ....

अमेरिका के उटाह प्रांत में पायनियर डे की परेड में ठेला गाड़ियों को खीचते स्थानीय लोग। इसे हर साल 23 जुलाई को 'मारमन पायनियर्स' की याद में मनाया जाता है। इन लोगों ने धार्मिक स्वतंत्रता के लिए इस राज्य में अपना निवास स्थान बनाया था। इसका ऐतिहासिक महत्व है। गत वर्ष कोरोना महामारी के चलते इस परेड को रद कर दिया गया था। एपी

एंटीबायोटिक में दिखी स्किन कैंसर के उपचार की उम्मीद

अनुसंधान

शोधकर्ताओं को कुछ एंटीबायोटिक दवाओं में स्किन कैंसर यानी त्वचा कैंसर के उपचार की नई उम्मीद दिखी है। एक नए अध्ययन के आधार पर उन्होंने दावा किया है कि कुछ एंटीबायोटिक दवाएं स्किन कैंसर के प्रकार मेलेनोमा के खिलाफ प्रभावी प्रतीत पाई गई हैं। बेल्जियम की रिसर्च यूनिवर्सिटी केयू लेउवेन के शोधकर्ताओं के अनुसार, चूहों पर इन एंटीबायोटिक दवाओं के असर का परीक्षण किया। पहले मेलेनोमा पीड़ित मरीजों में से ट्यूमर निकाल कर चूहों में प्रत्यारोपित किया गया। इसके बाद एंटीबायोटिक दवाओं का परीक्षण किया गया। इसके आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। अध्ययन के नतीजों को एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मेलेनोमा के खिलाफ लड़ाई में यह इलाज एक नया हथियार साबित हो सकता है। ये दवाएं कैंसर सेल्स को निशाना बनाने का काम करती हैं। केयू लेउवेन की शोधकर्ता एलिओनोरा लेउची ने कहा, 'एंटीबायोटिक दवाएं कैंसर सेल्स (कोशिकाओं) को खत्म करने में प्रभावी पाई गई हैं। इन दवाओं ने इस काम को काफी शीघ्रता के साथ अंजाम दिया।' उन्होंने बताया, 'कैंसर सेल्स इन एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बेहद संवेदनशील प्रतीत हुई हैं। इसलिए अब हम इन दवाओं को बैक्टीरिया संक्रमण की जगह कैंसर के उपचार के लिहाज से विकसित करने पर गौर कर सकते हैं।' एलिओनोरा ने आगाह किया, 'हमारे नतीजे चूहों पर किए गए अध्ययन पर आधारित हैं। इसलिए हम यह नहीं जानते हैं कि मानव पर यह उपचार कितना प्रभावी होगा। इस पर अभी और अध्ययन किए जाने की जरूरत है।' -एएनआइ



बेल्जियम की रिसर्च यूनिवर्सिटी केयू लेउवेन के शोधकर्ताओं ने किया अध्ययन। फाइल/इंटरनेट मीडिया

फिल्म रिव्यू

नहीं बरपा कामेडी का हंगामा



★★

हंगामा 2

प्रमुख कलाकार : शिल्पा शेट्टी, परेश रावल, मीजान जाफरी, प्रणीता सुभाष, आशुतोष राणा, राजपाल यादव, मनोज जोशी, टीकू तलसानिया
निर्देशक : प्रियदर्शन
अवधि : दो घंटा 36 मिनट
प्लेटफार्म : डिज्नी प्लस हाटस्टार

साल 2003 में रिलीज हुई कामेडी फिल्म 'हंगामा' की सीक्वल 'हंगामा 2' का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया है। फिल्म की कहानी में बजाज, कपूर और तिवारी के परिवार हैं। कपूर परिवार के आकाश (मीजान जाफरी) की शादी बजाज (मनोज जोशी) की बेटी से तय हुई है, लेकिन एक दिन वाणी (प्रणीता सुभाष) एक बच्ची को लिए हुए आकाश के घर पहुंच जाती है। उसका दावा है कि आकाश ही उसकी बच्ची का पिता है। आकाश इस बात से इन्कार करता है। वह मानता है कि कालेज में दोनों के बीच प्यार था, लेकिन बच्ची उसकी नहीं है, क्योंकि तीन साल पहले उनका रिश्ता टूट चुका है।

आकाश की पारिवारिक दोस्त अंजली (शिल्पा शेट्टी) इस मुश्किल से बाहर आने में उसकी मदद करती है। अंजली का पति राधे तिवारी (परेश रावल) वकील है। वह हर वक्त अपनी खूबसूरत बीवी पर शक करता है। अंजली और आकाश की बातें सुनकर राधे को लगता है कि अंजली आकाश के बच्चे की मां बनने वाली है। कहानी इन्हीं तीनों परिवार के बीच से गुजरती है।

2003 में रिलीज 'हंगामा' से इस फिल्म की तुलना करना गलत होगा, क्योंकि 'हंगामा 2' कामेडी का वैसा हंगामा नहीं बरपा पाई है। फिल्म में अनुभवी कलाकार अभिनय से और प्रियदर्शन अपनी कहानी और निर्देशन से यही कोशिश करते रहे कि सीन में हंसी आए, लेकिन गुजरे जमाने के स्टाइल की कहानी और फिल्म की अवधि इसे बोझिल बना देती है। कलाकारों का जोर-जोर से चिल्लाना कानों में चुभता है।

मोबाइल के जमाने में प्रेमिका को प्रेम-पत्र लिखने वाली बात हजम नहीं होती है। कहानी में बहुत कंफ्यूजन है। आकाश के भाई अमन के चार बच्चे हैं, वे अपने दादा को जंगली बैल क्यों बुलाते हैं? दादा के बेवजह की सख्ती दिखाने वाले प्रसंग समझ में नहीं आते। तिवारी अपनी बीवी पर शक क्यों करता है, इनकी वजहों को नहीं दिखाया गया है।

क्लाइमेक्स प्रियदर्शन के अंदाज का ही है, जहां सारे किरदार एक ही फ्रेम में होते हैं, लेकिन वह भी प्रभावशाली नहीं बन पाया है। 14 साल बाद फिल्मों में वापसी करने वाली शिल्पा शेट्टी खूबसूरत लगी हैं, लेकिन उनके हिस्से मजबूत सीन नहीं आए हैं। परेश रावल कामेडी पैदा करने की कोशिश करते नजर आते हैं, लेकिन अकेले यह संभव नहीं हो पाता। आशुतोष राणा को कामिक अंदाज में देखना नया है। मीजान और प्रणीता का काम साधारण है। चुरा के दिल मेरा... गाना 27 साल पुराना जादू नहीं जगा पाता है।

प्रियंका सिंह

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

स्क्रीन शॉट

'जो भी गाया है, देश की संस्कृति को ध्यान में रखकर गाया है'



कैलाश का मानना है कि कूल बनने के बजाय देश की संस्कृति को आगे बढ़ाएं। इंस्टाग्राम

कलाकार के राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात होने के साथ-साथ समाज के प्रति उन पर एक जिम्मेदारी भी आती है। उनके लाखों प्रशंसक उनका अनुसरण करते हैं। ऐसे में संगीतकार कैलाश खेर का कहना है कि इस मुकाम पर पहुंचने के बाद कलाकार को अपने देश की संस्कृति, गरिमा और सभ्यता को आगे बढ़ाना जरूरी है। फना और बाहुबली जैसी फिल्मों के गाने गा चुके कैलाश ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा, 'जनता का प्यार और आशीर्वाद सभी को प्राप्त नहीं होता है। अगर बतौर कलाकार देश की जनता आपको प्यार और सम्मान दे रही है तो यहां की संस्कृति और अध्यात्म को आगे बढ़ाना आपका परम कर्तव्य बनता है। पब्लिक फिगर होने के नाते आप पर एक अलग जिम्मेदारी आ जाती है। इस मुकाम पर पहुंचने के बाद आप किसी एक परिवार के नहीं रह जाते हैं। मुझे 43 वर्ष की आयु में पद्मश्री पुरस्कार मिला था। यह सम्मान इसलिए मिला, क्योंकि मैंने आज तक जो भी गाया वो हमारे भारत की सभ्यता और अध्यात्म को ध्यान में रखकर गाया। शुरू में मुझे भी लगा था कि मैं तो कूल नहीं हूं। यहां तो फैशनेबल लोग रहते हैं और अंग्रेजी में बोलते हैं। कुछ अटपटे लिरिक्स गाए जाते हैं, तभी गाने चलते हैं। बाद में मुझे समझ में आया कि मुझे कूल बनने की कोई जरूरत नहीं है। मैं आध्यात्मिक गाने लिखता रहा और गाता रहा।' कैलाश जल्द ही अपना नया म्यूजिक वीडियो जारी करने की तैयारी में हैं।

मैं लोगों की भावनाएं समझने वाला बड़ा ही मस्त-मौला बंदा हूं : मनजोत सिंह

फिल्में हो या व्यक्तिगत जीवन, प्यार और रिश्तों को लेकर कलाकारों ने हमेशा अलग-अलग चीजें प्रदर्शित की हैं। फुकरे और ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों के अभिनेता मनजोत सिंह प्यार और रिलेशनशिप को अपने आप होने वाली चीज मानते हैं। मनजोत हाल ही में सोनी लिव पर रिलीज हुई वेब सीरीज चुट्जपाह में अपने संबंधों को लेकर कश्मकश में नजर आए। दैनिक जागरण से बातचीत में रिलेशनशिप को लेकर अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए मनजोत ने कहा, 'मैं लोगों की भावनाएं समझने वाला बड़ा ही मस्त-मौला बंदा हूं। मेरे सभी रिश्ते अच्छे रहे हैं। जो रिश्ते खत्म हुए, वह एक संतोषजनक बातचीत के साथ खत्म हुए हैं। जो चल रहा है वह भी बहुत अच्छा है। किसी को यह नहीं पता होता कि उसके जीवन में कौन आने वाला है। मैंने कभी किसी से इस सोच के साथ बातचीत नहीं की कि इस व्यक्ति का मुझे कोई रिश्ता बनाना ही बनाना है। यह अपने आप हो जाता है। भगवान ने सभी इंसानों के अंदर प्यार की एक फीलिंग डाली है। वह प्यार कहीं भी, किसी से भी और किसी भी मोड़ पर हो सकता है। मैं किस्मत और संयोग में बहुत यकीन करता हूं। भगवान ने सभी के लिए किसी न किसी को बनाकर भेजा होता है। मुझे नहीं पता कि फिलहाल मैं जिसके साथ हूं वह मेरी जिंदगी में हमेशा रहेंगी या नहीं, क्योंकि ऊपर वाले का लिखा कोई बदल नहीं सकता है, लेकिन उम्मीद तो यही करता हूं वह मेरी जिंदगी में हमेशा रहे।' मनजोत आगामी दिनों में फिल्म फुकरे 3 में नजर आएंगे।



हालिया रिलीज वेब सीरीज चुट्जपाह में रिश्तों में उलझे नजर आए मनजोत। इंस्टाग्राम

'मैं हरफनमौला हूं, मुझे किसी छवि में न बांधें'

कई बार किसी का पेशा उस इंसान की एक अलग छवि बना देता है। कलाकार और गायकों के साथ ऐसा होना आम बात है। कई बार दर्शक कलाकार को उसके किरदार के छवि में बांध देते हैं तो कई बार गायकों को उनके गानों के मुताबिक अलग-अलग श्रेणियों में बांट देते हैं। गायक अनूप जलोटा की छवि भजन सम्राट की रही है, लेकिन वह फिल्मों के साथ रियलिटी शो बिग बास में भी काम कर चुके हैं। दैनिक जागरण से हुई बातचीत में वह कहते हैं कि मेरी जो भजन सम्राट की छवि बनी है, वह मेरे भजन सुनने वालों ने बनाई है। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि लोग मेरी छवि क्या बनाते हैं। संगीत के प्रति जो मेरा कर्तव्य है, क्या वह ठीक है या नहीं मैं सिर्फ उसका ध्यान रखता हूं। मैं एक गायक हूं, जो भक्ति संगीत ज्यादा गाता है। ऐसे में लोगों ने मुझे भजन सम्राट बुलाना शुरू कर दिया। मैं तो भजन, गजल, फिल्मी गाने सब गाता हूं। बिग बास जैसे शो में भी जाता हूं। अभिनय भी कर रहा हूं। हाल ही में मेरी फिल्म वो मेरी स्टूडेंट है रिलीज हुई है। आगे हिंदुत्व, टोकन और करतूत जैसी फिल्में रिलीज होंगी। करतूत फिल्म में तो मैं पुलिस अफसर की भूमिका में हूं। मैं हरफनमौला हूं। हर चीज का मजा लेना चाहता हूं। मैं समझ सकता हूं कि लोग मेरे भजन सुनकर इतने भावुक हो जाते हैं कि मुझे संत-महात्मा समझ लेते हैं, लेकिन मैं उनकी महान श्रेणी में नहीं आता हूं। संत-महात्मा तो सब कुछ त्याग कर समाज का कल्याण करते हैं। मैं तो साधारण व्यक्ति हूं। मैं केवल ऐसा संगीत प्रस्तुत करता हूं, जो दिल को छूता है। इसलिए मुझे किसी छवि में न बांध कर संगीत का आनंद लें। हाल ही में अनूप जलोटा ने सुदेश भोसले, मधुश्री भट्टाचार्य समेत कई गायकों के साथ मिलकर भगवन मेरे भगवन गीत गाया है।



गायकी के साथ फिल्मों में भी काम कर रहे हैं अनूप। सौ. टीम अनूप

फिल्म शमशेरा के निर्देशक करण मल्होत्रा ने डिजिटल रिलीज करने की सभी अटकलों को खारिज किया।

बड़े पर्दे पर ही रिलीज की जाएगी शमशेरा



पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म शमशेरा में मुख्य भूमिका में हैं रणबीर कपूर • जागरण आर्काइव

मौजूदा परिस्थितियों में सिनेमाघरों को पूरी क्षमता से खुलने की अनिश्चितताओं को देखते हुए कई फिल्मकार लंबे इंतजार के बाद अपनी फिल्मों को डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज कर रहे हैं। इसी बीच कुछ दिनों पहले रणबीर कपूर और संजय दत्त अभिनीत फिल्म शमशेरा के भी डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज होने की खबरें आई थी। इस फिल्म को 25 जून को रिलीज करने की योजना थी। कोरोना के चलते टालना पड़ा। अब फिल्म के निर्देशक करण मल्होत्रा ने फिल्म के डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज होने की संभावना से इन्कार किया है। दैनिक जागरण के सहयोगी अखबार मिड डे से बातचीत में करण ने कहा, 'मैं हिंदी फिल्में देखते हुए बड़ा हुआ हूं और हमेशा से ऐसी फिल्म बनाना चाहता था, जिसका सभी सिनेमाघरों में लुत्फ ले सकें। शमशेरा जटिल इंसानी भावनाओं और उसके मूल को दिखाती असाधारण विजुअल्स (दृश्यों) से बनी फिल्म है। यह बड़े पर्दे पर ही रिलीज करने लायक है। हम परिस्थितियों में सुधार होने का इंतजार कर रहे हैं। परिस्थितियां सामान्य होने के बाद हम इस फिल्म की शानदार रिलीज की योजनाएं तैयार करेंगे।' इस फिल्म में रणबीर के दोहरे किरदार में होने की खबरें हैं। शमशेरा की शूटिंग पिछले साल ही पूरी हो चुकी थी, फिलहाल इसके पोस्ट प्रोडक्शन पर काम चल रहा है। फिल्म में रणबीर और संजय के साथ वाणी कपूर भी अहम भूमिका में हैं।

पुलिस के किरदार की थी चाहत

हर कलाकार में किसी न किसी तरह के किरदार को लेकर खास आकर्षण होता है। शैतान, दम मारो दम और हंटर जैसी फिल्मों के अभिनेता गुलशन देवैया का यह खास आकर्षण पुलिस अधिकारी के किरदार को लेकर रहा है। कैमरे के सामने पुलिस अधिकारी बनने की उनकी ख्वाहिश रीमा कागती के निर्देशन में बन रही वेब सीरीज फालेन में पूरी हुई। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में गुलशन बताते हैं, 'मैं बचपन से ही फिल्मों में पुलिस अधिकारी के किरदारों के प्रति बहुत आकर्षित होता था, खासतौर पर बच्चन साहब (अमिताभ बच्चन) द्वारा निभाए गए किरदारों को देखकर। मेरी भी पुलिस अधिकारी का किरदार निभाने की ख्वाहिश थी। इस वेब सीरीज की पूरी शूटिंग के दौरान मैं पुलिस की वर्दी में ही रहा। स्क्रिप्ट सुनने के बाद मैंने रीमा से सबसे पहला सवाल यही पूछा था कि शो में मुझे वर्दी पहनने को मिलेगी? तो उन्होंने कहा कि हां-हां पूरी सीरीज में वर्दी पहनने को मिलेगी। मैंने तुरंत इस शो को स्वीकार कर लिया। रीमा और सोनाक्षी सिन्हा के साथ पहली बार काम किया, दोनों मेरी बहुत अच्छी दोस्ती बन गई हैं।' बता दें कि अमेजन प्राइम वीडियो के लिए बनी इस वेब सीरीज की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसका नाम बदलने की भी खबरें हैं।



पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे गुलशन देवैया • इंस्टाग्राम

अमिताभ, प्रभास की फिल्म शुरू

तेलुगु फिल्मकार नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही बाहुबली फेम प्रभास और हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अभिनीत पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग शनिवार को गुरु पूर्णिमा के मौके पर शुरू हो गई है। हैदराबाद स्थित रामोजी फिल्म सिटी में प्रभास ने इस फिल्म का क्लैप शाट देकर शूटिंग का शुभारंभ किया। फिल्म का मुहूर्त शाट अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया, जिसमें शामिल होने के लिए वह मुंबई से हैदराबाद पहुंचे थे। उन्होंने फिल्म के क्लैप की तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, 'प्रोजेक्ट के मुहूर्त शाट के लिए... पूरे देश और दुनिया में सिनेमा की जादुई लहर पैदा करने वाले आइकन प्रभास के साथ क्लैप के पीछे होना एक सम्मान की बात है।' वहीं प्रभास ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'इस गुरु पूर्णिमा के मौके पर भारतीय सिनेमा के गुरु (अमिताभ बच्चन) के लिए क्लैप देना मेरे लिए सम्मान की बात है। अब इसकी शुरुआत हो चुकी है।' बता दें इस फिल्म का शीर्षक अभी नहीं तय किया गया है। निर्माताओं ने इसे 'प्रोजेक्ट के' का अस्थायी नाम दिया है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिका में हैं। जल्द ही फिल्म की टीम के साथ दीपिका भी जुड़ जाएंगी। जो फिलहाल मुंबई में शाह रुख खान के साथ फिल्म पठान की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग के लिए रामोजी फिल्म सिटी में एक नई दुनिया का विशाल सेट स्थापित किया गया है।



बाहुबली फेम प्रभास ने क्लैप शाट देकर किया शूटिंग का शुभारंभ • इंस्टाग्राम

ईश्वर से रोज प्रार्थना करता हूं कि काम मिलता रहे : अक्षय खन्ना

शो बिजनेस एक ऐसा पेशा है, जहां हमेशा दर्शकों के बीच बने रहने के लिए काम करते रहना जरूरी होता है। अगर कलाकार बहुत समय तक स्क्रीन पर न दिखे तो कहीं न कहीं दर्शक उन्हें भूलने लग जाते हैं। कई वर्षों से अभिनय कर रहे हमराज फिल्म के अभिनेता अक्षय खन्ना में भी यह डर कहीं न कहीं है। वह कहते हैं कि आज भी न दिखने को लेकर डर और अच्छा काम करने को लेकर भूख बाकी है। दैनिक जागरण से बातचीत में अक्षय कहते हैं कि मेरे भीतर का बच्चा अब तक जिंदा है। यही वजह है कि काम को लेकर भूख कभी कम नहीं हुई। अच्छे किरदार करने की भूख दिन-ब-दिन बढ़ रही है। ईश्वर से रोज प्रार्थना करता हूं कि काम मिलता रहे और जो मुझसे जितना काम करवा सकता है, वह करवाए। मेरा काम ही मेरी जिंदगी है। बाकी कलाकारों की तरह मेरे साथ भी ऐसा हुआ है कि कई बार अच्छे काम की तलाश लंबी हो जाती है, लेकिन कोई भी ऐसा एक्टर नहीं होगा, जिसे घर पर बैठना अच्छा लगता होगा। मुझे भी घर नहीं बैठना है, इसलिए जो भी प्रोजेक्ट आफर होते हैं, उसमें खुद के लिए बेस्ट तलाश लेता हूं।



अक्षय ने कहा, मेरा काम ही मेरी जिंदगी है। जागरण आर्काइव

शाबास मिट्ठू के फिल्माए दृश्यों की शूटिंग फिर से कर सकते हैं श्रीजित मुखर्जी

अभिनेत्री तापसी पन्नू को फिल्म शाबास मिट्ठू के लिए फिल्माए जा चुके दृश्यों की शूटिंग दोबारा करनी पड़ सकती है। दरअसल, कुछ सप्ताह पहले ही निर्देशक राहुल ढोलकिया ने भारतीय महिला एकदिवसीय क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज की इस बायोपिक फिल्म के निर्देशन से हटने का फैसला किया था। इसके बाद इस फिल्म के निर्देशन की बागडोर बांग्ला फिल्मों के निर्देशक श्रीजित मुखर्जी के हाथों में दी गई। देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आने से पहले राहुल मुंबई और हैदराबाद स्थित रामोजी स्टूडियो में इस फिल्म के करीब 25-30 प्रतिशत हिस्सों की शूटिंग कर चुके थे। हैदराबाद में शूट करने के बाद वह इस फिल्म का अगला शेड्यूल बेंगलुरु में शूट करने वाले थे। लेकिन कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आने के कारण सारी योजनाएं रद हो गईं। इसी बीच राहुल ने आगामी दिनों में तापसी के व्यस्त शेड्यूल और फिल्म में तय समय से ज्यादा वक्त लगने के कारण फिल्म छोड़ दी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, अब श्रीजित राहुल द्वारा फिल्माए दृश्यों को फिर से शूट करने की योजना बना रहे हैं। इस पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन इस बारे में श्रीजित की लगातार निर्माताओं से बातचीत चल रही है। श्रीजित फिल्म की शूटिंग शुरू से करने के पक्ष में हैं। तापसी की बात करें, तो वह फिलहाल अपने प्रोडक्शन में बन रही फिल्म ब्लर की तैयारियों में व्यस्त हैं।



फिल्म में तापसी निभा रही हैं मिताली राज का किरदार • इंस्टाग्राम